सुविचार
शरीर को रोगी और निर्बल रखने के सामान दूसरा कोई पाप नहीं है।
लोकमान्य तिलक

दैनिक
रेवांचल टाइम्स
निष्पक्ष, निर्भीक एवं सत्य का प्रवर्तक

Revanchal Times
7509202320
@revanchal_times
revanchaljabalpur@gmail.com
revanchaltimes_

■ वर्ष 2 ■ अंक 181 ■ जबलपुर, गुरुवार 26 जून 2025 ■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य, 01 रुपये

कश्मीर पर कुछ मत बोलना... 57 देशों के सामने दहाड़ा भारत

नई दिल्ली। ओआईसी देशों ने भी कश्मीर के मुद्दे पर पाकिस्तान के पक्ष को दोहराते हुए कहा था कि हम संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों और कश्मीरी लोगों के इच्छाओं के अनुरूप कश्मीर के लोगों के लोगों के लिए आत्मनिर्णय के अधिकार का समर्थन करते हैं। हालांकि भारत ने पाकिस्तान के साथ साथ ओआईसी को भी जमकर फटकार लगाई। जम्मू कश्मीर को लेकर झूठ फैलाना और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत के खिलाफ गलत नैरेटिव प्रस्तुत करना पाकिस्तान की पुरानी आदत बन चुकी है। वो लगातार ऐसे प्रयास करता रहा है, जिनका उद्देश्य वैश्विक समुदाय को गुमराह करना और भारत की छवि को नुकसान पहुंचाना होता है। तुर्की में हाल ही में इस्लामिक सहयोग संगठन ओआईसी के विदेश मंत्रियों की बैठक में भी पाकिस्तान ने ओआईसी का उपयोग करके कश्मीर मुद्दे को लेकर भारत के आतंरिक मामलों में हस्तक्षेप करवाने की कोशिश की। ओआईसी देशों ने भी कश्मीर के मुद्दे पर पाकिस्तान के पक्ष को दोहराते हुए कहा था कि हम संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों और कश्मीरी लोगों के इच्छाओं के अनुरूप कश्मीर के लोगों के लोगों के लिए आत्मनिर्णय के अधिकार का समर्थन करते हैं। हालांकि भारत ने पाकिस्तान के साथ साथ ओआईसी को भी जमकर फटकार लगाई।

भारत ने स्पष्ट रूप से कहा है कि ओआईसी के पास इस मामले में टिप्पणी करने का कोई

अधिकार नहीं है। ओआईसी पाकिस्तान के प्रभाव में आकर कश्मीर को लेकर उसके बारे में अनुचित और तथ्यात्मक रूप से गलत बयान दे रहा है। विदेश मंत्रालय ने एक विस्तृत बयान में कहा कि आतंकवाद को राजकाज में बदल देने वाले पाकिस्तान द्वारा दिए गए ये बयान संकीर्ण राजनीतिक उद्देश्यों के लिए ओआईसी मंच के निरंतर दुरुपयोग को दशार्ते हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के वास्तविक खतरे को स्वीकार करने में ओआईसी बार-बार विफल रहा है जिसका सबसे हालिया सबूत पहलगाम हमले में देखने को मिला, यह तथ्यों के प्रति जानबूझकर की गई उपेक्षा को दशार्ता है। विदेश मंत्रालय ने कहाआतंकवाद को राजकीय कौशल में तब्दील करने वाले पाकिस्तान के इशारे पर ये बयान संकीर्ण राजनीतिक उद्देश्यों के लिए ओआईसी मंच के निरंतर दुरुपयोग को दशार्ते हैं।

ओआईसी के पास भारत के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है जिसमें जम्मू और कश्मीर भी शामिल है, जो भारत का अभिन्न और संप्रभु हिस्सा है- एक ऐसा तथ्य जो भारतीय संविधान में निहित है और यह अपरिवर्तनीय है। भारत की यह कड़ी प्रतिक्रिया तुर्किये में ओआईसी के विदेश मंत्री स्तरीय सम्मेलन के बाद आई है, जिसमें भारतीय मुसलमानों को ह्यसामाजिक रूप से हाशिएह्ल पर धकेलने सहित कई मुद्दों पर नयी दिल्ली की आलोचना की गई। ओआईसी ने सिंधु जल संधि सहित भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय समझौतों का सख्ती से पालन करने का आह्वान किया और सभी लंबित विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के लिए व्यापक आधार वाली बातचीत की आवश्यकता पर बल दिया।

पीएम मोदी बोले- इमरजेंसी के 50 साल पूरे कांग्रेस ने लोकतंत्र को कैद किया, प्रेस की आजादी छीनी, ये संविधान हत्या दिवस

नई दिल्ली। आज इमरजेंसी के 50 साल पूरे होने पर पीएम मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, यह भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे काले अध्यायों में से एक है। भारत के लोग इस दिन को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाते हैं। इस दिन, भारतीय संविधान के मूल्यों को दरकिनार कर दिया गया, मौलिक अधिकार छीन लिए गए, प्रेस की स्वतंत्रता को खत्म कर दिया गया। कई राजनीतिक नेताओं, सामाजिक कार्यकताओं, छात्रों और आम नागरिकों को जेल में डाल दिया गया। 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल की घोषणा की थी। यह 21 मार्च 1977 तक (21 महीने) तक लागू रहा था। मोदी ने आगे लिखा कि हम आपातकाल के खिलाफ लड़ाई में डटे रहने वाले हर व्यक्ति को सलाम करते हैं। ये पूरे भारत से, हर क्षेत्र से, अलग-अलग विचारधाराओं से आए लोग थे, जिन्होंने एक ही उद्देश्य से एक-दूसरे के साथ मिलकर काम किया। भारत के लोकतांत्रिक ढांचे की रक्षा करना और उन आदर्शों को बनाए रखना, जिनके लिए हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना जीवन समर्पित कर दिया।

अंतरिक्ष से आया शुभांशु का दिल छू लेने वाला पहला संदेश, भावुक हुए मां-बाप

पीएम मोदी बोले- 140 करोड़ भारतीयों की उम्मीदें लेकर गए

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने एक्सिओम स्पेस द्वारा संचालित वाणिज्यिक मिशन के तहत बुधवार को तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों के साथ अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की यात्रा के लिए रवाना होकर इतिहास रच दिया। रूसी अंतरिक्ष यान के जरिये भारतीय अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा की अंतरिक्ष यात्रा के 41 साल बाद किसी भारतीय की यह यात्रा हो रही है। 41 साल पहले भारत के राकेश शर्मा 1984 में तत्कालीन सोवियत संघ के सैल्यूट-7 अंतरिक्ष स्टेशन के तहत कक्षा में आठ दिन रहे थे। मौसम की स्थिति और तकनीकी समस्याओं के कारण एक्सिओम-4 के प्रक्षेपण में कई बार देरी हुई। 25 जून को सफल प्रक्षेपण नासा द्वारा घोषित छठे निर्धारित प्रयास को चिह्नित करता है। इस मिशन में शुक्ला के साथ नासा की पूर्व अंतरिक्ष यात्री पैगी व्हिटसन भी हैं, जो कमांडर के रूप में कार्य करती हैं, साथ ही पोलैंड से मिशन विशेषज्ञ स्लावोज उज्नान्स्की-विस्नीव्स्की और हंगरी से टिबोर कापू भी हैं। एक्सिओम-4 मिशन न केवल भारत के लिए बल्कि पोलैंड और हंगरी के लिए भी अंतरिक्ष में वापसी का प्रतीक है।

ये यात्रा नई पीढ़ी को करेगी प्रेरित

शुक्ला ने अपने संदेश में कहा कि नमस्कार, मेरे प्यारे देशवासियों; 41 साल बाद हम अंतरिक्ष में पहुंच गए हैं, यह कमाल की राइड (यात्रा) थी। उन्होंने कहा कि इस समय हम साढ़े सात किलोमीटर प्रति सेकंड की रफ्तार से पृथ्वी के चारों ओर चक्कर लगा रहे हैं और मेरे कंधे पर मेरे साथ मेरा तिरंगा है जो मुझे बता रहा है कि मैं अकेले नहीं, (बल्कि) मैं आप सबके साथ हूं। शुक्ला ने कहा कि ये मेरी आईएसएस तक की यात्रा की शुरूआत नहीं है, (बल्कि) यह भारत के मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम की शुरूआत है और मैं चाहता हूं कि आप सभी देशवासी इस यात्रा का हिस्सा बनें। आइए, हम सब मिलकर भारत की इस मानव अंतरिक्ष यात्रा की शुरूआत करें।

शुभांशु शुक्ला की मां की आंखों में दिखे खुशी के आंसू

उनकी मां आशा शुक्ला ने आंखों में आंसू भरकर अपने बेटे की सफलता पर खुशी और विश्वास व्यक्त किया, तथा सफल मिशन के बाद उसके लौटने की प्रतीक्षा करने की बात स्वीकार की, साथ ही यह भी माना कि उनके बेटे को उनसे मिलने में कुछ समय लग सकता है। गर्वित माता-पिता सीएमएस कानपुर रोड पर वर्ल्ड यूनिटी कन्वेंशन सेंटर ऑडिटोरियम में मौजूद बड़ी भीड़ में शामिल थे, जहाँ उन्होंने लॉन्च को लाइव देखा। इस सभा में उनकी बहनें, वरिष्ठ रक्षा कर्मी, सीएमएस संकाय, शहर की जानी-मानी हस्तियाँ और उत्साहित छात्र शामिल थे। जैसे ही रॉकेट ने उड़ान भरी, दर्शकों ने जोरदार तालियों, जयकारों और अचानक भांगड़ा के साथ इसका जवाब दिया।

पीएम मोदी ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए एक्सिओम-4 मिशन के सफल प्रक्षेपण का स्वागत किया और कहा कि इस मिशन में भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला अपने साथ 140 करोड़ भारतीयों की शुभेच्छाएं, उम्मीदें और आकांक्षाएं लेकर गए हैं। मोदी ने ह्यएक्सह्ल पर एक पोस्ट में कहा कि हम भारत, हंगरी, पोलैंड और अमेरिका के अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर रवाना हुए अंतरिक्ष मिशन के सफल प्रक्षेपण का स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा कि ग्रुप कैप्टन शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर जाने वाले पहले भारतीय बनने की राह पर हैं।

महाराष्ट्र में हिंदी पहली से नहीं बल्कि पांचवीं कक्षा से पढ़ाई जानी चाहिए : अजित पवार

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने राज्य के विद्यालयों में पहली कक्षा से तीसरी के रूप में हिंदी को शामिल किए जाने के कदम का विरोध किया और कहा कि इसे पांचवीं कक्षा से पढ़ाया जाना चाहिए। मंगलवार को मुंबई में पत्रकारों से बात करते हुए पवार ने यह भी कहा कि छात्रों को पहली कक्षा से ही मराठी सीखनी चाहिए ताकि वे इसे अच्छी तरह से पढ़ और लिख सकें। राज्य सरकार ने पिछले सप्ताह एक संशोधित आदेश जारी किया था जिसमें कहा गया था कि मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में पहली से पांचवी कक्षा तक के विद्यार्थियों को हिंदी सामान्यतः तीसरी के रूप में पढ़ाई जाएगी, जिसके बाद इस पर विवाद पैदा हो गया। सरकार ने कहा कि हिंदी अनिवार्य नहीं होगी तथापि

उसने हिंदी के अलावा किसी अन्य का अध्ययन करने के लिए स्कूल में प्रत्येक कक्षा में कम से कम 20 छात्रों की सहमति अनिवार्य कर दी। पवार ने कहा, ह्यह्यमुख्यमंत्री ने सोमवार को इस मुद्दे पर एक बैठक बुलाई। मेरा मानना ??है कि हिंदी को पहली कक्षा से चौथी कक्षा तक शुरू नहीं किया जाना चाहिए। इसे पांचवीं कक्षा से शुरू किया जाना चाहिए। छात्रों को पहली कक्षा से मराठी सीखनी चाहिए और इसे धाराप्रवाह पढ़ने और लिखने में सक्षम होना चाहिए।

भारत के साथ सार्थक बातचीत के लिए तैयार है पाकिस्तान : प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ

पेशावर। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा है कि उनका देश सभी लंबित मुद्दों के समाधान के लिए भारत के साथ सार्थक वार्ता के लिए तैयार है। शरीफ ने यह विचार मंगलवार को सऊदी अरब के युवराज मोहम्मद बिन सलमान के साथ टेलीफोन पर बातचीत के दौरान व्यक्त किये। यह बातचीत 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने के करीब दो महीने बाद हुई है। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे। रेडियो पाकिस्तान के अनुसार, प्रधानमंत्री शरीफ ने बातचीत के दौरान कहा कि ह्यह्यपाकिस्तान जम्मू-कश्मीर, जल, व्यापार और आतंकवाद सहित सभी लंबित मुद्दों पर भारत के साथ सार्थक बातचीत करने के लिए तैयार है।

हल्द्वानी में उफनती नहर में गिरी कार , 4 की मौत, इनमें 3 दिन का बच्चा भी

सूरत में 36 घंटे में 19 इंच बारिश, जम्मू में नदी में युवक फंसा

नई दिल्ली। गुजरात के सूरत शहर में मंगलवार शाम 6 बजे तक 36 घंटे में 19 इंच से ज्यादा बारिश दर्ज की गई। शहर का अधिकांश हिस्सा बाढ़ की चपेट में है। कई सोसाइटियों में पानी भर गया। लोगों को ट्रैक्टर के जरिए रेस्क्यू किया गया। राज्य के कच्छ में बारिश का यलो और बाकी हिस्से में ऑरेंज अलर्ट है। अगले 7 दिन तक यही हालात बने रहेंगे। उत्तराखंड के हल्द्वानी में बुधवार सुबह अस्पताल से बच्चे की डिलीवरी के बाद घर जा रहे एक परिवार की कार नहर में जा गिरी। इसमें एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई है। हादसे तीन दिन पहले जन्मा बच्चा भी नहीं बच सका। भारी बारिश के कारण नाला उफान पर था, इस दौरान कार अनियंत्रित होकर नाले में जा समाई। कार में कुल 7 लोग सवार थे, जिनमें से 3 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, जम्मू में मंगलवार रात हुई भारी बारिश के चलते तवी नदी उफान पर है। इसमें एक शख्स फंस गया। लोगों ने सीढ़ी के सहारे उसका रेस्क्यू किया। दिल्ली में आज के लिए यलो अलर्ट है। बारिश के साथ तेज आंधी का अनुमान है। अधिकतम तापमान 34 डिसे रह सकता है। मंगलवार को चंडीगढ़-हरियाणा के कुछ हिस्सों में मानसून पहुंचा है। अगले दो दिनों में और और आगे बढ़ेगा।

पहाड़ों पर भारी बारिश की संभावना : मौसम विभाग के मुताबिक, पहा?ों पर नया वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव हुआ है। इससे जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, उत्तराखंड और लद्दाख में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है। मध्य भारत के मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पूर्वी गुजरात और राजस्थान के कई हिस्सों में भी भारी बारिश के संकेत हैं। अगले 24 घंटों में पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में भी तेज बारिश हो सकती है। उत्तर-पश्चिमी राजस्थान में 26 जून से मानसून सक्रिय होने के साथ बारिश तेज होने की संभावना है। जयपुर में मंगलवार सुबह 8 से शाम 5 बजे तक 3 इंच से ज्यादा (77.8 मिमी) बारिश हुई। मध्य प्रदेश के ऊपर से ट्रफ लाइन गुजरने की वजह से बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। मौसम विभाग के मुताबिक, ट्रफ गुजरने के साथ ही साइक्लोनिक सकुर्लेशन भी एक्टिव है। प्रदेश में अगले 4 दिन तेज बारिश की संभावना है।

मणिकर्ण के ब्रह्मगंगा और गड़सा के गोमती नदी में फटा बादल, घर छोड़ सुरक्षित जगह भागे लोग

कुल्लू। जिला कुल्लू में भारी बारिश होने से कई इलाकों में बादल फटने से नुकसान हो गया है। मणिकर्ण घाटी के ब्रह्मगंगा, गड़सा घाटी की गोमती नदी में बादल फटे हैं। इसके अलावा सैंज घाटी के जीवा नाला सहित अन्य कई नालों में भी बादल फटा है, जिससे काफी नुकसान हुआ है। मणिकर्ण के साथ लगती ब्रह्मगंगा की पहाड़ियों में भारी बारिश होने से बादल फटा। बादल फटने से ब्रह्मगंगा नदी का जलस्तर बढ़ा। जिससे ब्रह्मगंगा के घरों में मलबा घुस गया है। वहीं, ग्रामीण अपने-अपने घरों से सुरक्षित जगहों की तरफ भाग गए। बता दें कि पिछले कई सालों से ब्रह्मगंगा में बादल फटने का सिलसिला जारी है। यहां पर दो-तीन वर्ष पहले तो बाढ़ की भेंट लोग भी चढ़े हैं। जानी नुकसान हुआ है।

पालघर के स्कूल को दी गयी बम से उड़ाने की धमकी! प्रशासन से तुरंत पूरा स्कूल खाली कराया

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के पालघर जिले के एक निजी स्कूल को बुधवार सुबह ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली, जिसके बाद छात्रों, शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों को स्कूल परिसर से बाहर निकाला गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। महाराष्ट्र के पालघर जिले के एक निजी स्कूल को बुधवार सुबह ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली, जिसके बाद छात्रों, शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों को स्कूल परिसर से बाहर निकाला गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। मीरा-भायंदर वसई-विरार (एमबीवीवी) पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि बम की धमकी अफवाह निकली क्योंकि नालासोपारा स्थित स्कूल के परिसर में जांच के दौरान कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। नालासोपारा मुंबई का एक सुदूरवर्ती उपनगर है। उन्होंने बताया कि निजी स्कूल को एक ईमेल मिला था जिसमें बताया गया था कि स्कूल परिसर में बम रखा है। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने के बाद पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और छात्रों, शिक्षकों एवं अन्य कर्मचारियों को बाहर निकाला। अधिकारी के अनुसार, बम निरोधक एवं निपटान दस्ते (बीडीडीएस) के कर्मियों ने स्कूल परिसर की गहन तलाशी ली, लेकिन उन्हें कोई विस्फोटक उपकरण नहीं मिला जिसके बाद उन्होंने इस धमकी को अफवाह घोषित कर दिया। इससे एक महीने पहले महाराष्ट्र के पालघर में कलेक्टर कार्यालय को मंगलवार तड़के बम की धमकी वाला ईमेल

Trump ने पीएम मोदी के बाद नेतन्याहू को दिया धोखा!

अमेरिका के डबल गेम से दुनिया के देश अलर्ट

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को वही धोखा दिया है जो उन्होंने कुछ समय पहले पीएम मोदी को दिया था। डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायल के जरिए अपने कट्टर दुश्मन ईरान के परमाणु ठिकानों को उड़वाया और फिर इजरायल पर ही अपनी नारागजी जाहिर करने लग गए। इजरायल पिछले कई दिनों से अपने दम पर ईरान से लड़ रहा है। इजरायली सेना लड़ाकू विमान लेकर तेहरान तक घुस गई। लेकिन आखिरी के एक दिन में अमेरिका ने अपने कुछ बॉम्बर्स ईरान में भेज दिए और पूरी जंग का क्रेडिट खुद ही लेने लग गए। हैरानी की बात ये है कि अमेरिका के जो बॉम्बर्स ईरान में परमाणु फैसिलिटी को उड़ाकर आए हैं, वो भी इजरायल की मदद से वहां पहुंचे हैं। लेकिन डोनाल्ड ट्रंप ने इसे ईरान पर अमेरिका की जीत घोषित कर दिया है। डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायली सेना और बेंजामिन नेतन्याहू की मेहनत का अपमान करते हुए कहा कि मैं अब इजरायल से खुश नहीं हूं। डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर इजरायल को धमकी दी है कि अपने पायलट के ईरान से तुरंत वापस बुलाओ। हेग में नाटो शिखर सम्मेलन के लिए रवाना होने से पहले पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि समझौते पर सहमति जताने के तुरंत बाद इजरायल ने अपना

सामान उतार दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान की परमाणु क्षमता खत्म हो गई है। उन्होंने इजरायल से उन बमों को न गिराने का आग्रह किया, चेतावनी दी कि यह एक बड़ा उल्लंघन है। उन्होंने यहूदी राज्य से अपने पायलटों को वापस घर लाने की मांग की। इजरायल इस समय कुछ वैसा ही महसूस कर रहा होगा, जैसा कुछ समय पहले भारत कर रहा था। ट्रंप ने जो पीएम मोदी और भारत के साथ किया था अब ठीक वही नेतन्याहू और इजरायल के साथ कर दिया। ट्रंप ने ऑपरेशन सिंदूर का पूरा क्रेडिट खाया। भारतीय सेना ने अपनी ताकत से पाकिस्तान को धूल चटाई थी और उसे सीजफायर की भीख मांगने पर मजबूर किया था। लेकिन इसकी सारी वाहवाही डोनाल्ड ट्रंप ने लूटनी चाही। पीएम मोदी ने तो डोनाल्ड ट्रंप को आईना दिखा दिया। नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान के साथ संघर्ष रोकने में मध्यस्थ की भूमिका निभाने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावे को खारिज करते हुए उनसे कहा कि भारत और पाकिस्तान ने बिना किसी मध्यस्थता के अपनी सेनाओं के बीच सीधी बातचीत के बाद पिछले महीने सैन्य कार्रवाई रोकी थी। पीएम मोदी ने तो ट्रंप को आईना दिखा दिया और अब इजरायल को भी यही करना होगा। लेकिन ट्रंप ने अब भारत की तरह ही इजरायल की पीठ में भी खंजर मारा है।

मां रेवा पब्लिकेशन एंड प्रिंटर्स
जबलपुर शहर में सबसे कम दामों में
समाचार पत्र के A to Z कार्य का एकमात्र स्थान
प्रिंटिंग
जॉब वर्क
न्यूज पेपर
पीडीएफ
संपर्क करें 7415685293 7509202320 9340553112
68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड, मुस्कान प्लाजा के पीछे, एम आर 4 रोड, उखरी, जबलपुर (मप्र)

लाखों रुपए का स्टाप डेम हुआ स्वाहा

लाखों की लागत से बना स्टांप डेम हुआ क्षतिग्रस्त, ग्रामीणों में आक्रोश...

जाँच के आश्वासन से जल्द ही बदल गए अधिकारी के सुर आखिर क्यों

दैनिक रेवांचल टाइम्स मंडला। आदिवासी बहुल जिला मंडला हर सरकारी योजना में लूट मची हुई है जहाँ आज निर्माण एजेन्सी ग्राम पंचायत पर ग्राम के जनप्रतिनिधि बन बैठे है ठेकेदार या फिर सरपंच पति देख रहा है पंचायत के काम काज या फिर किसी नेता का कार्यकर्ता ठेकेदार बन पंचायत के सरकारी पैसा को बंदरबांट करने में लगे हुए हैं। वही सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार जनपद पंचायत मोहगांव की ग्राम पंचायतों हर तरफ ठेकेदारी प्रथा लागू हो चुकी है जहाँ पर निर्माण एजेन्सी ग्राम पंचायत पर वह कार्य न करते हुए पंचायत के कार्य ठेकेदारों से करवाया जा रहा है जिसका नतीजा लोगो के सामने है ग्रामीणों को मिलने वाली मुलभूत सुविधाओं में लूट मची हुई है और केवल कार्या में लीपापोती कर गुणवत्ता की अनदेखी कर सरपंच सचिव रोजगार सहायक और उपयंत्री साठगांठ कर कमीशन पर कार्यो को ठेकेदार को दे रहे है और उनसे कमीशन बसूल रहे है वैसा ही एक मामला सामने आया है जहाँ पर ग्राम पंचायत पिपारिया रैयत के सरपंच और सचिव कैलाश साहू ने ग्राम छपरा टोला के नाले में लाखों के स्टॉप डेम बनने की जिम्मेदारी ठेकेदार को सौप दी गई ठेकेदार ने जो स्टाप डेम बनाया वह दो साल भी नही रुक सका ओर न ही उस लाखो के स्टाप डेम में कभी पानी रुका आज किस कदर स्टॉप डेम के हालत है वह तो मोके के हालत ही बतला रहे कि जो स्टॉप डेम किसानों को सिंचाई सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से शासन द्वारा बारह लाख रुपए खर्च कर छपरा टोला में विगत वर्ष 2023 में स्टांप डेम का निर्माण कराया गया था लेकिन हैरानी की बात यह है कि महज दो साल में ही लाखों रुपए से बनाया गया स्टॉप डेम क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे न केवल सरकारी धन की बबार्दी हुई है, बल्कि स्थानीय किसानों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। जिस बात को लेकर के ग्रामीणों में भारी जनाक्रोश हैं, वही स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकारी पैसों का पंचायत वालों ने मोहगांव के ठेकेदार और बड़े साहबों के साथ मिल कर बबार्दी की हैं।

ठेकेदार पर मेहरबान हुए सरपँच सचिव और उपयंत्री

वर्ष 2023 में निर्माण किया गया स्टॉप डेम पहली बारिश भी नही झले सका पहले वर्ष की बारिश ने ठेकेदार और उसमें किया गया गुणवत्ता पूर्ण कार्य की पोल खोलकर रख दी गई और महज दूसरे साल में ही तास के पत्तों की तरह ढहढहा कर बारिश के पहले ही टूट गया जिसमें सरकारी दावो की पोल आसानी से खुल गई। कुछ स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण कार्य में जमकर लापरवाही बरती गई। सचिव कैलाश साहू जिन जिन ग्राम पंचायतों में पदस्थ रहे है उन ग्राम पंचायतों में खुल के भ्रष्टाचार हुआ है और वर्तमान में भी वही हुआ है स्टॉप डेम में मानक गुणवत्ता का ध्यान बिल्कुल भी नहीं रखा गया रेत की जगह काली डस्ट का उपयोग किया गया और घटिया सामग्री का उपयोग किया गया। जिस वजह से बारिश के पहले डेम की दीवारें दरक गईं, और अत्यधिक पानी रिसने लगा था जिस वजह से पूरा डेम बेकार हो गया है। ग्रामवासियों का कहना है कि हमको बड़ी आस थी कि डेम बनने से सालभर खेतों में पानी मिलेगा, पानी की पर्याप्त मात्रा उपलब्ध होने से हम छोटे छोटे किसानों के खेत की उपज बढ़ेगी जिससे हम सभी को लाभ होगा। लेकिन ये तो दो साल भी नहीं चला और पूरी तरह से बर्बाद हो गया और सरपंच सचिव उपयंत्री जो गुणवत्ता देखने कभी मोके में पहुँचा ही नही केवल कमीशन को ध्यान में रख कर गबर बैठे ही मूल्यांकन कर शासकीय राशि मिल बाट कर बंदरबांट कर डाली जानकारी लगने के बाद भी प्रशासन मौन है।यह डेम अगर ईमानदारी से बना होता तो सालों तक काम करता, लेकिन भ्रष्टाचार ने सब चौपट कर दिया।

जिम्मेदारों सरपंच सचिव और उपयंत्री पर कार्रवाई की मांग

ग्रामीणजनों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि इस डेम की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए और दोषी सरपंच सचिव रोजगार सहायक और उपयंत्री पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाये जिससे कि सरकारी पैसों की भरपाई हो सके और पुनः स्टॉप डेम का निर्माण करवाया जाए जिससे कि हम किसानों को उसका लाभ मिल सकें। साथ ही निर्माण एजेंसी को ब्लैकलिस्ट करने की मांग भी की जा रही है।

जल्द ही बदल गए जिम्मेदार अधिकारी सुर आखिर क्यों

वही जब भ्रष्टाचार की भेंट चढ़े गुणवत्ता हीन स्टॉप डेम की बात जनपद पंचायत मोहगांव के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को पूरा मामला बतलाया कि शासकीय राशि से ग्राम पंचायत के ग्राम छपरा टोला में निर्माण एजेन्सी कार्य न करते हुए ठेकेदारी प्रथा से बनाया गया स्टॉप डेम जो कि कमीशन खोरी और भ्रष्टाचार भेंट चढ़ गया बनते ही ढहने लगा था और आखिरकार वह कुछ समय मे वह जर्जर अवस्था मे पुहंच गया वह अब ढह गया जिसकी जानकारी जनपद के जिम्मेदार अधिकारी को दी गई उन्हें पूरी जानकारी देकर बतलाया गया तो उनके द्वारा कहा गया कि मामले को आपके माध्यम से संज्ञान में लेकर दोषियों पर उचित कार्यवाही की जावेंगी वही सूत्रों से प्राप्त जानकारी में मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री उइके जी के द्वारा सुबह होते ही ग्राम पंचायत के सचिव को कार्यालय बुलवाया और आपस मे क्या बात हुई कि दूसरे दिन से अधिकारी के सूर ही बदल गए जहाँ नाले में स्टॉप डेम टूट कर जर्जर हो गया वहाँ से दूर दूर तक प्रधानमंत्री सड़क का कभी निर्माण कार्य किया ही नहीं गया फिर सी ओ साहब किस प्रधानमंत्री सड़क के ठेकेदार से बात कर ली और क्या सी ओ साहब मोके में जाकर निरीक्षण किया या फिर सरपंच सचिव ने जनपद में बैठे बैठे ही निरीक्षण करवा का जांच पूरी करवा ली गई यह बड़ा सवाल की अगर जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारी गिरगिट की तरह रंग बदल लगे तो भ्रस्टाचार और भ्रस्टो के हौसले तो दिन ब दिन बुलन्द होना तय है। खेर मंडला जिले का यह कोई पहला मामला नही है जहाँ पर सरकारी राशि में भ्रष्टाचार या ठेकेदारी नही की है इस जिले में तो नियम कानून को ताक में रख हर वह नाजायज कार्य जायज तरीके से किया जा रहा हैं क्योंकि इस जिले में जिम्मेदार गहरी नींद में सो रहे हैं।

वही प्रशासनिक लापरवाही पर सवाल उठना लाजमि हैं।

वही स्थानीय जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की भूमिका भी इस मामले में संदिग्ध मानी जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण के समय शिकायतों के बावजूद किसी ने ध्यान नहीं दिया जिसके परिणाम स्वरूप डेम टूट गया और जब इस बात की जानकारी अधिकारियों को दी गई तो कोई भी अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा है। वही स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही मरम्मत कार्य और जिम्मेदारों पर कड़ी कार्रवाई नहीं की जायेगी तो हम जन आंदोलन शुरू करेंगे। साथ ही मीडिया से भी अपील की है कि वे इस मुद्दे को जोरशोर से उठाएं ताकि दोषियों को सजा मिल सके। वही जब संबंधित अधिकारी से इस सम्बद्ध में बात की गई तो उन्होंने कुछ और ही जवाब फोन के माध्यम से अवगत करवाया गया। जनपद सीईओ साहब ने एक नई कहानी बतलाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री सड़क के ठेकेदार द्वारा स्टॉप डेम को क्षतिग्रस्त किया गया हैं। जबकि उस जगह पर ऐसी कोई सड़क दूर दूर तक देखने को आसपास नहीं मिलती जहां पर स्टाप डेम तक सड़क पहुंच मार्ग हो अब सवाल यहां यह खड़ा होता हैं कि जहां पर प्रधानमंत्री सड़क ही नहीं तो फिर ऐसा कौन सा ठेकदार है जो स्टाप डेम को क्षति पहुंचा दिया। यह तो आने वाले समय में देखने वाली बात होगी..??

इनका कहना है कि

मेरे संज्ञान में मामला हैं हुआ यह है कि प्रधानमंत्री सड़क के ठेकेदार ने स्टॉप डेम को क्षति ग्रस्त कर दिया हैं। जिसका मौखिक आश्वाशन उनके द्वारा हमको मिला है कि जल्द ही सुधार कार्य करवा कर के ठीक कर दिया जायेगा। मैं तुरंत ही संबंधितों को एक लिखित नोटिस जारी कर स्टाप डेम को मरमंत करवाने को कहता हूं।

कृष्ण कांत उईके, जनपद सीईओ मोहगांव मंडला

मैं अभी कोई बात नहीं कर सकता न ही इस विषय में जानकारी दे पाऊंगा, मैं आपको कल 12 बजे तक फोन लगाता हूं।

कैलाश साहू, सचिव ग्राम पंचायत, पिपरिया मोहगांव मंडला

रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर रक्तदान शिविर और संगोष्ठी का हुआ आयोजन

दैनिक रेवांचल टाइम्स मंडला। मंडला वीरांगना रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस के अवसर पर रानी दुर्गावती शोध संस्थान जबलपुर एवं समाजसेवी डॉक्टर विजय आनंद मरावी एवं उनकी टीम के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें सर्वप्रथम डॉ.विजय आनंद मरावी द्वारा रक्तदान किया गया इसके पश्चात नगर और आसपास के क्षेत्र के कई लोगों ने रक्तदान किया ।

संगोष्ठी का हुआ आयोजन

बिछिया स्थित शिवहरे कॉम्प्लेक्स में वीरांगना रानी दुर्गावती जी के 461वे बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में संगोष्ठी का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम रानी दुर्गावती जी के तैल चित्र में तिलक वंदन कर दीप प्रज्वलित कर अतिथियों का परिचय एवं स्वागत हुआ तत्पश्चात कार्यक्रम को शुरू किया गया । अपने उद्बोधन में डॉक्टर विजय आनंद मरावी ने कहा कि वीरांगना रानी दुर्गावती ने देश की रक्षा के लिए कई युद्ध लड़े और अपने अदम्य साहस और वीरता से विदेशी आक्रांताओं को युद्ध में हराया देश की रक्षा की खातिर उन्होंने अपना बलिदान दिया। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष नीरज भट्ट, नप अध्यक्ष रजनी मरावी, पार्षद पूनम रजक, जिला उपाध्यक्ष अशोक नानकानी, वरिष्ठ पार्षद शशिकांत श्रीवास्तव, राजदीप तिवारी, अमित राजपूत, वीरेंद्र अग्निहोत्री, जगदीश कुवेर्ती, सुरेश साहू,प्रदीप झरिया, वंश श्रीवास, दीपक पांडेय, बाबा गुप्ता, अमित कुमार श्रीवास, गोपेश (टीटू) चौहान, राजेश उइके, सक्षम श्रीवास्तव, विवेक सिंगर, नरेंद्र धुर्वे, प्रकाश साहू, मिंटू ठाकुर, रजनी मरावी, मयंक जोध, सुमित रजक, दीपक कटारे, राजेंद्र यादव, विवेक पांडे, शोभित रावत सहित कई नागरिक उपस्थित रहे।

डोलोमाइट और रेत के अवैध परिवहन पर एसडीएम सोनाली देव की सर्जिकल स्ट्राइक, दो हाईवा जब्त कर बम्हनी थाने में खड़ा कराया

दैनिक रेवांचल टाइम्स मंडला। मंडला जिले की तेजतर्रार और निर्भीक एसडीएम बिछिया सोनाली देव ने एक बार फिर अपने कड़े प्रशासनिक रवैये से अवैध खनन और परिवहन करने वालों की कमर तोड़ दी है। ग्राम ककैया में कार्रवाई करते हुए उन्होंने एक डोलोमाइट से भरे हाईवा और एक रेत से भरे हाईवा को रंगेहाथों पकड़कर तुरंत अभिरक्षा में लिया और दोनों वाहनों को बम्हनी थाना पहुंचाकर खड़ा करवा दिया। एसडीएम की इस कार्रवाई से अवैध परिवहन माफियाओं में हड़कंप मच गया है और क्षेत्र में प्रशासन की सख्ती का सीधा संदेश गया है कि अब गैरकानूनी काम करने वालों की खैर नहीं।

महाविद्यालय में संविधान हत्या दिवस का आयोजन

दैनिक रेवांचल टाइम्स मंडला। शासकीय स्नातक महाविद्यालय नैनपुर में मध्य प्रदेश शासन के निदेर्शानुसार महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जी.सी. मेश्राम के मार्गदर्शन एवं कार्यक्रम प्रभारी डॉ प्रियंका चक्रवर्ती के संयोजन में संविधान हत्या दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 25 जून 2025 को राष्ट्र में आपातकाल लागू होने की 50 वीं वर्षगांठ मनाया जा रहा है, यह न केवल इस विभीषिका को स्मरण करने का अवसर है बल्कि लोकतांत्रिक मूल्य और संवैधानिक नैतिकता के प्रति नई प्रतिबद्धता का अवसर भी है कार्यक्रम में महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. ज्योति सिंह, प्रो एम के बघेल, डॉ जे एस उवेर्ती, डॉ राजेश मासतकर, प्रो रविन चौहान, डॉ संजीव सिंह, डॉ नरेंद्र राहंगडाले, डॉ रवि यादव, अमित सेन, राहुल विश्वकर्मा, कुमारी रिया अवधवाल, विनोद ठाकुर महाविद्यालय के सभी अधिकारी कर्मचारी और छात्र छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

लोकतंत्र का काला दिवसः विधायक अभिलाष पांडे ने भाजपा कार्यालय में की प्रेसवार्ता

कहा नेहरू-गांधी परिवार का सत्ता पर वर्चस्व बनाए रखना

दैनिक रेवांचल टाइम्स मंडला। मंडला भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 25 जून 1975 को देश में लागू आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर "लोकतंत्र का काला दिवस" मनाया। इस अवसर पर मंडला भाजपा कार्यालय में प्रेसवार्ता, लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान समारोह और सरदार पटेल कॉलेज में परिचर्चा का आयोजन किया गया। प्रेसवार्ता में जबलपुर मध्य विधायक डॉ. अभिलाष पांडे ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि 50 वर्ष पूर्व तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने सत्ता बचाने की लालसा में आपातकाल थोपा, जो भारतीय लोकतंत्र पर सबसे बड़ा हमला था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने संविधान को ताक पर रखकर प्रेस की स्वतंत्रता छीनी, न्यायपालिका को बाध्य किया और लाखों लोगों को बिना कारण जेल में डाला। डॉ. पांडे ने कहा कि आपातकाल का उद्देश्य नेहरू-गांधी परिवार का सत्ता पर वर्चस्व बनाए रखना था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस न तो संविधान को मानती थी और न ही बाबा साहब अम्बेडकर को, जिन्हें भंडारा में चुनाव हराने का प्रयास किया गया। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, सुभाष चौरसिया और राजेश जैन उपस्थित रहे।

विंध्य शिक्षा समिति कॉलेज में आपातकाल विषय पर हुई परिचर्चा

दैनिक रेवांचल टाइम्स मंडला। उच्च शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश के निदेर्शानुसार विंध्य शिक्षा समिति कॉलेज खैरी में संविधान हत्या दिवस में कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें आपातकाल कब क्यों और कैसे विषय पर परिचर्चा का आयोजन डॉ अभिलाष पांडे विधायक उत्तर मध्य विधानसभा जबलपुर के मुख्य आतिथ्य, विशिष्ट आतिथ्य प्रफुल्ल मिश्रा अध्यक्ष भाजपा मंडला, जयदत्त झा सांसद प्रतिनिधि रानू राजपूत नगर अध्यक्ष मंडला आशीष झरिया युवा मोर्चा अध्यक्ष रवि सोनवानी एवं डॉ आशीष ज्योतिषी प्राचार्य विंध्य शिक्षा समिति कॉलेज खैरी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ सरदार पटेल और मां भारती के तैल चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम प्रारंभ हुआ ।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ आशीष ज्योतिषी ने आपातकाल की भूमिका रखते हुए बताया कि गृह मंत्रालय की दिनांक 11 जुलाई 2024 की अधिसूचना 25 जून के दिन को संविधान हत्या दिवस के रूप में अधिसूचित किया गया है भारत सरकार के निदेर्शानुसार इस वर्ष 25 जून को राष्ट्र में आपातकाल लागू होने की 50 वीं वर्षगांठ मनाया जाना है इसके चलते आज महाविद्यालय में आपातकाल कब क्यों और कैसे विषय पर परिचर्चा रखी गई है ।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रफुल्ल मिश्रा ने कहा कि आज का दिन इतिहास का काला दिन है 1975 में इसी दिन नागरिक स्वतंत्रता का व्यापक निलंबन संवैधानिक सुरक्षा उपायों का क्षरण और कार्यकारी शक्ति का केंद्रीयकरण देखा गया ।इस दिन से 21 महीनों तक मौलिक अधिकारों का उल्लंघन किया गया ।आज की पीढ़ी को देश के इस दौर को जानने की आवश्यकता है ।मुख्य अतिथि विधायक अभिलाष पांडे ने कहा की आज के दिन को याद करते ही रूह कांप जाती है कैसा रहा होगा वो दौर जो अकल्पनीय है जिसे हमारे देश ने देखा है वैसे तो 2 बार और आपातकाल लगा पर यह आपातकाल नैतिक मूल्यों के विपरीत था आज का दिन न केवल यह विभीषिका को स्मरण करने का अवसर है बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक नैतिकता के प्रति नई प्रतिबद्धता का भी अवसर है उन्होंने छात्र छात्राओं को आपातकाल कब क्यों और कैसे लगा कि विस्तार से जानकारी प्रदान की। महाविद्यालय द्वारा स्मृति चिन्ह देकर अभिलाष पांडे का सम्मान किया गया मंच संचालन और आभार जयदत्त झा ने किया कार्यक्रम में महाविद्यालय स्टाफ और भूत संख्या में छात्र छात्राओं ने सहभागिता दर्ज की।

आम सूचना, नाम सुधार सूचना

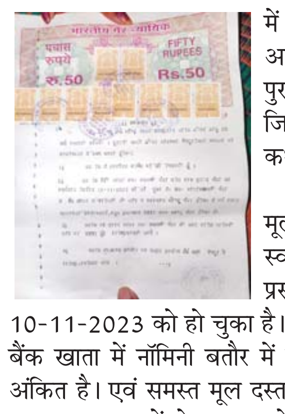

में महेन्द्र पिता रामप्रसाद जाति ढीमर आयु 25 वर्ष निवासी वार्ड न 01 पुरानी बस्ती ढीमर मोहल्ला नैनपुर जिला मण्डला का सत्यनिष्ठा से कथन करता हूँ।

यह कि में उपरोक्त वर्णित पते का मूल निवासी हूँ। यह कि मेरी माता स्व. श्रीमति रुकमणी नंदा पति श्रीराम प्रसाद नंदा का स्वर्गवास दिनांक 10-11-2023 को हो चुका है। तब से मेरी माता रुकमणी नंदा के बैंक खाता में नॉमिनी बतौर में मेरा नाम घर का नाम मोन्टू नंदा अंकित है। एवं समस्त मूल दस्तावेजो में जैसे आधारकार्ड, स्कूल प्रमाणपत्र अन्य में मेरा नाम महेन्द्र नंदा अंकित है। यह कि स्व रूकमणी नंदा मेरी माता जी थी और उनके बैंक खाते में बतौर नॉमिनी मेरा नाम लिखा हुआ है और बैंक के खाते मेरी माँ ने जो राशि जमा की है, जिसमे बतौर नॉमिनी पर मेरा अधिकार बनता हैं कृपया बैंक में जमा मुझे राशि प्रदान की जावे ।

यह कि शपथपूर्वक कहता हूँ कि मेरा खाता आधार पर म.प्र. ग्रामीण बैंक शाखा नैनपुर मंडला से राशि मुझे प्रदान किया जाये । यह कि मेरे द्वारा शपथ पत्र में दी गई जानकारी सत्य एव सहीं है। असत्य जानकारी पाये जाने पर संपूर्ण मैरी जवाबदारी होगी ।

देश में कांग्रेस ने लोकतंत्र का माखौल उड़ाया आपातकाल पर बोले प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मुद्दीन

मीसाबंदी रमेश रंगलानी ने कहा आपातकाल को याद कर कांप जाती है रूह

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने, देश में आपातकाल लगा दिया था। जिस आपातकाल के 25 जून को 50 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा ने कार्यालय में संगोष्ठी का आयोजन किया। जिसमें भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एस.के. मुद्दीन, लोकतंत्र सेनानी गौतम सुले और भाजपा जिलाध्यक्ष रामकिशोर कावरे ने आपातकाल को लेकर अपनी बातें रखी। इसके साथ ही आपातकाल के दृश्यों को प्रोजेक्टर के माध्यम से दिखाया गया।

भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एस.के. मुद्दीन ने, आपातकाल को लेकर पत्रकारों से चर्चा की। उन्होंने बताया कि किस प्रकार आपातकाल लगाकर, देश में कांग्रेस की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने लोकतंत्र का माखौल उड़ाया।सदस्य मुद्दीन ने बताया कि 25 जून को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के लोकसभा निर्वाचन को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने राजनारायण की याचिका पर निरस्त करते हुए उनके चुनाव लड़ने पर रोक लगा दी थी। जिसके बाद तत्कालीन इंदिरा सरकार ने क्रुरतापूर्वक आचरण करते हुए संविधान की हत्या कर देश में आपातकाल लगा दिया। जिसमें संपूर्ण विपक्ष को बिना किसी कारण, जेल में बंद कर दिया गया। लोकतांत्रिक रूप से आपातकाल का विरोध करने वाले बुद्धिजीवियों, छात्रों, पत्रकारों और आम जनता को अकारण ही जेल में बंद कर दिया गया। आज उसकी आपातकाल की विभीषिका के काले अध्याय को 50 वर्ष पूर्ण हो गए है। हम आम जनता को यह बताना चाहते है आज जो कांग्रेस नेता, संविधान की दुहाई दे रहे है, उसी कांग्रेस ने 19 माह के आपातकाल के दौर में किस तरह का संविधान को बदलने का काम किया। उन्होंने बताया कि मंत्रीमंडल को पक्ष में लिए, इंदिरा सरकार ने आपातकाल, लगाकर देश में तानाशाही की। प्रेसवार्ता में भाजपा

अध्यक्ष रमेश रंगलानी, विधायक राजकुमार कर्राहे, पूर्व विधायक रमेश भटेरे, उपाध्यक्ष अभय सेठिया, महामंत्री मौसम हरिनखेड़े और मीडिया प्रभारी अभय कोचर मौजूद थे। आपातकाल में वैनगंगा पुल को उड़ाने की साजिश में गिरफ्तार किए गए मीसाबंदी, रमेश रंगलानी ने बताते है कि बालाघाट के ऐसे 36 लोगो को उस वक्त गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया था। वह बताते है कि इस दौरान गिरफ्तार किए गए लोगो में किसी को बालाघाट, दतिया, रायपुर, टीकमगढ़, जबलपुर, सिवनी और नरसिंगढ़ की जेल में शिफ्ट किया गया। 25 जून को आपातकाल लगने के बाद, 4 जुलाई को उन्हें उनकी कपड़े की दुकान से गिरफ्तार किया गया और बालाघाट जेल की बैरक में रखा गया। उस वक्त जेल का वातावरण काफी खराब था। लगभग पौने दो महिने बाद, जब उन्हें बालाघाट जेल से अन्यत्र शिफ्ट किया जा रहा था। तब उन्हें बच पाने तक की उम्मीद नहीं थी। बालाघाट से उन्हें दतिया जेल में शिफ्ट कर दिया गया। इसके बाद, जहां उन्हें अपने व्यापार में काफी नुकसान उठाना पड़ा। रमेश रंगलानी बताते है कि पूर्व मंत्री लोचनलाल ठाकरे को आपातकाल में रायपुर में मारे गए लट्ठ के निशान, आज भी उनकी पीट पर है। वह बताते है कि आपातकाल के वह दिन याद आने पर रूह कांप जाती है।

धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान, 25 जून को 16 ग्रामों में लगाया गया शिविर

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। जनजातीय समुदायों को सशक्त बनाने तथा शासन की विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं का लाभ उन तक पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री जनजाति न्याय अभियान एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत 15 जून से 30 जून तक जिले में विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर मृणाल मीणा के मार्गदर्शन में आयोजित इन शिविरों में 25 जून को जिले के 16 ग्रामों में शिविरों का आयोजन कर उनके प्रमाण पत्र बनवाए गये और उन्हें योजनाओं से जोड़ा गया। 25 जून को बैहर विकासखण्ड के ग्राम माना, कदला, भालापुरी, लपटी, बिरसा विकासखंड के ग्राम बीजाटोला, थुरेमेटा, तरेगांव, छपला, परसवाड़ा विकासखंड के ग्राम सिंघई, लीलामेटा, मोहगांव (मा), बालाघाट विकासखंड के ग्राम घुनाड़ी, लालबर्रा विकासखंड के ग्राम नेवरगांव (ला), कटंगी विकासखंड के ग्राम सुकली, वारासिवनी विकासखण्ड के ग्राम कोचेवाही तथा लांजी विकासखंड के ग्राम दहेगांव में शिविर आयोजित किया गया। इन शिविरों में धरती आबा जन अभियान के अंतर्गत 35 आधार कार्ड, 19 आयुष्मान कार्ड, 25 जाति प्रमाण पत्र, 10 जनधन बैंक खाता, 01 पीएम किसान सम्मान निधि, 16 प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के प्रकरण बनाए गए तथा 25 व्यक्तियों की सिकल सेल एनीमियॉ स्क्रीनिंग की गई।

एयर टिकिट के नाम पर धोखाधड़ी, कोतवाली पुलिस ने इंडस ट्रेव्हलर्स जबलपुर की रजनी सोनी के खिलाफ दर्ज किया मामला

पुलिस मामले की जांच में जुटी

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। एयरटिकिट के नाम पर मुख्यालय के व्यापारी अमित खूबचंदानी से धोखाधड़ी किए जाने का मामला सामने आया है। जिसमें कोतवाली पुलिस ने व्यापारी की शिकायत पर इंडस ट्रेव्हलर्स जबलपुर की रजनी सोनी के खिलाफ बीएनएस की संबंधित धाराओ में अपराध दर्ज किया है। मामले में अपराध दर्ज होने के बाद कोतवाली पुलिस महिला रजनी सोनी की तलाश में जुट गई है।

दरअसल, यह पूरा मामला 12 दिसंबर 2024 का है, जब रायपुर से अमृतसर के लिए व्यापारी अमित खुबचंदानी ने इंडस ट्रेव्हलर्स जबलपुर से जुड़ी रजनी सोनी के माध्यम से 13 एयर टिकिट बुक की थी। जिसका उन्होंने 73 हजार 312 रूपए, पेमेंट किया था। 28 जनवरी को जब वे, अपने परिवार के साथ रायपुर से अमृतसर जाने के लिए, रायपुर एयरपोर्ट में पहुंचे तो पता चला कि सभी 13 टिकिट की बुकिंग कैंसल कर दी गई है।

व्यापारी अमित खूबचंदानी ने बताया कि इंडस ट्रेव्हलर्स जबलपुर की रजनी सोनी के नाम से 13 एयर टिकिट बुक कराई थी, लेकिन उन्हें परिवार के साथ एयरपोर्ट पहुंचने पर पता चला कि उनकी सभी टिकिट कैंसल कर दी गई है। जबकि इसकी कोई जानकारी, उन्होंने हमे नहीं दी। जिसके चलते तत्काल में उन्हें एक लाख 50 हजार रूपए में रायपुर से अमृतसर तक टिकिट करवानी पड़ी। अमृतसर से वापस आने के बाद लगातार वे, रजनी सोनी से राशि रिफंड के लिए संपर्क करते रहे लेकिन वह पैसा लौटा देने की बात कहकर टालती रही और आज तक मेरे पैसे नहीं लौटाए। जिससे व्यथित होकर, उन्होंने कोतवाली पुलिस में इसकी शिकायत की। इस मामले में थाना प्रभारी विजय राजपूत ने बताया कि मामले की जांच जारी है और जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

60 किलोमीटर दूर से पट्टा मांगने बालाघाट पहुंचे आदिवासी बैगा, कहा सालों से जमीन पर खेती कर रहे

अब वनविभाग खेती करने से कर रहा मना, बताओ कैसे जीए हम

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। जिले के परसवाड़ा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत झिरिया से लगभग एक दर्जन आदिवासी बैगा, परिवार के लोगों के साथ, बुधवार को दोपहर 2 बजे, मुख्यालय पहुंचे। 60 किलोमीटर दूर से आए आदिवासी बैगा परिवारों ने प्रशासन से वन जमीन का पट्टा दिए जाने की गुहार लगाई। आदिवासी बैगा, अपने साथ पंचायत सरपंच गीता मर्सकोले का लेटर पेड में लिखी, अपनी मांग को लेकर आए थे। जिसमें कलेक्टर को संबोधित पत्र में सरपंच ने बताया है कि यदि पंचायत के आदिवासी बैगाओ को, उनके काबिज वन जमीन का पट्टा प्रदान किया जाता है तो पंचायत को कोई दिक्कत नहीं है। उपसरपंच राजेन्द्र कुमार राहंगडाले, भी बताते है कि सालों से पंचायत के आदिवासी बैगा, वन जमीन पर काबिज है, जहां वह खेती कर अपने परिवार का जीविकोपार्जन करते है, लेकिन, उन्हें अब तक पट्टा नहीं मिला है।

ग्रामीण कमलेश मरकाम ने बताया कि पंचायत क्षेत्र से लगे जिस वनजमीन पर हम खेती कर रहे थे, इस वर्ष वनविभाग उसे बंद करने बोल रहा है तो हमारे, खेती के सामान को जब्त कर रहा है। जिससे हम परेशान है, हमारी मांग है कि शासन और प्रशासन हमें उस भूमि का पट्टा प्रदान करें।

सेवकली मेरावी ने बताया कि सब खेती पर ही आश्रित है, सालों से अब जिस जगह खेती कर रहे है, अब फारेस्ट वाले, बोलते है कि खेती मत करो, ऐसे में हम अपने खाने व्यवस्था कहां से करें। हालांकि बीते दिनों ही नक्सल प्रभावित क्षेत्र में शिविर के दौरान कलेक्टर मृणाल मीणा ने बताया था कि वन पट्टे का निराकरण नियमानुसार किया जाएगा। जो पात्र होगा उन्हें पट्टे दिए जाएंगे। साथ ही सचिव, वन विभाग और जनपद पंचायत को जिम्मेदारी देते हुए वन पट्टो के प्राप्त आवेदनो को वन मित्र पोर्टल पर दर्ज कराने और आवेदन में कोई दस्तावेज नही है तो उसे भी पूर्ण कराने की जिम्मेदारी मातहत कर्मचारियो को दी गई थी। बावजूद इसके, वन पट्टे की डिमांड को लेकर, ग्रामीण आदिवासियों को, अपना कामकाज छोड़कर मुख्यालय में वन पट्टे मांगने आने पर मजबूर होना पड़ रहा है।

भूमिपूजन के बाद भी नहीं बन सका पुल और सड़क, 12 गांव के ग्रामीण प्रतिनिधियों ने घेरा कलेक्ट्रेट, कलेक्टर के नहीं आने पर गेट पर दिया धरना

कहा पुल नहीं होने से आवागमन में हो रही समस्या

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। आदिवासी बाहुल्य बैहर क्षेत्र के किनारदा पंचायत अंतर्गत पोलापटपरी और लोहारटोला के बीच नदी पर पुल नहीं होने से बारिश में आवागमन अवरूद्ध हो जाने की आशंका से भयभीत, इससे जुड़े 12 ग्रामो के ग्रामीण और प्रतिनिधियों ने मुख्यालय में प्रदर्शन किया।

आंबेडकर चौक से रैली के माध्यम से नारेबाजी करते हुए आदिवासी विकास परिषद जिलाध्यक्ष दिनेश धुर्वे और युवा अध्यक्ष शुभम उईके के नेतृत्व में, ग्रामीण, कलेक्ट्रेट पहुंचे। ग्रामीणो के प्रदर्शन को देखते हुए कलेक्ट्रेट गेट को बंद कर दिया गया। जिससे प्रदर्शनकारी, वहीं धरने पर बैठ गए और मांगो का ज्ञापन लेने, कलेक्टर को बुलाने पर अड़ गए। जिसके चलते, काफी देर, यहां गहमागहमी का माहौल रहा है। पुलिस की समझाईश और कलेक्टर के कार्यालय में नहीं होने की समझाईश के बाद प्रदर्शनकारियों ने संयुक्त कलेक्टर राजनंदिनी शर्मा को पुल और सड़क निर्माण का मांगपत्र सौंपा।

आदिवासी विकास परिषद युवा अध्यक्ष शुभम उईके ने बताया कि जिले का आदिवासी बाहुल्य बैहर, सबसे ज्यादा राजस्व देने वाला क्षेत्र है लेकिन आज भी वह मूलभूत सुविधाओं से अछूता है। बैहर क्षेत्र अंतर्गत आने वाले किनारदा पंचायत में ग्राम पोलापटपरी और लोहाराटोला के बीच, तत्कालीन सरपंच के कार्यकाल में रपटा बनाया गया था। जो अब आवागमन की स्थिति में नहीं है, अब जब बारिश शुरू हो गई, ऐसे में पुल नहीं होने से ना केवल स्कूली

बच्चें, स्कूल नहीं जाने से शिक्षा से वंचित हो जाएंगे। तो ग्रामीण भी आवागमन अवरूद्ध होने से संपर्क से कट जाएंगे। यदि इन हालातो में किसी के साथ, कोई अनहोनी घटित होती है तो उसका जिम्मेदार कौन होगाड़ उन्होंने बताया कि पिछले कई वर्षो में ग्रामीणों ने पुलिया की मांग को लेकर शासन, प्रशासन का ध्यानाकर्षण करवाया है लेकिन फंड नहीं होने की बात कहकर, निर्माण की मांग को टाल दिया गया।

उन्होंने बताया की यही नहीं बल्कि बैहर के तन्नौर नदी और 3 किलोमीटर मार्ग के निर्माण के लिए 2023 में भूमिपूजन किया गया था, लेकिन अब तक कापम नहीं किया गया। उन्होंने बताया कि पोलापटपरी और लोहारटोला के बीच पुलिया नहीं होने से पोलापटपरी, सराईटोला, जामुनटोला, बिहिटोला, बरटोला, महाजनटोला, लोहारटोला, सेमीटोला, कोठाटोला, झिरियाटोला और बड़टोला के ग्रामीण, बारिश में संपर्क से कट जाएंगे। जिनके लिए जरूरी है कि पुल निर्माण कार्य को प्रारंभ किया जाए, ताकि आवागमन में कोई दिक्कत ना हो। पूर्व सरपंच पीतमसिंह धुर्वे ने बताया कि पूर्व में रपटा बना था लेकिन वह टूट गया है, जिसके कारण स्कूली बच्चों के साथ ही ग्रामीणो को आवागमन में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने विधायक पर आरोप लगाते हुए बताया कि विधायक ने भूमिपूजन तो कर दिया लेकिन कोई काम नहीं किया।

आदिवासी बाहुल्य, बैहर क्षेत्र से आए ग्रामीण और प्रतिनिधियों को प्रशासनिक अधिकारी संयुक्त कलेक्टर राजनंदिनी शर्मा ने आश्वस्त किया है कि उनकी मांगो को सरकार तक पहुंचाकर, समस्या के निराकरण का प्रयास किया जाएगा।

RED WINE SHOP

अब आपके शहर बालाघाट में...

वाइन क्या है? वाइन ताजा अंगुर के रस से बना एक स्वास्थ्यवर्धक पेय पदार्थ है,वाइन में प्राकृतिक रुप से पानी ,शर्करा ,एल्कोहल विटामिन्स,फिनॉल व कई प्रकार के आग्रेनिक एसीड पाए जाते है,वाइन के निश्चित मात्रा में नियमित सेवन से कई बीमारियाँ से बचा जा सकता है।

वाइन कैसे बनती है? वाइन बनाने की प्रक्रिया को Fermentation Process कहते है। जिसमें वाईन बनाने के लिए अंगूर के जूस में खमीर मिलाया जाता है,जो कि जूस के अंदर मौजूद शुगर के साथ क्रिया कर के उस शुगर को अल्कोहल में परवर्तित कर देता है। यही प्रक्रिया Fermentation कहलाती है।

वाइन के प्रकार 1. ड्राई वाइन (Dry Wine) – इन वाइन का स्वाद पीने में मिठा नही होता है।
यह ड्राई वाईन नेचुरल भी होती है। इसमे किसी भी प्रकार का फ्लेवर या अल्कोहल अलग से नही मिलाया जाता।इसे शुगर का मरीज आसानी से मेडिसीन के तौर पर निश्चित मात्राा में पी सकता है। जो कि शरीर के लिए लाभदायक है।यह वाईन फॉरेन टेस्ट प्रोफाईल की होती है, जो कि स्वाद में हल्की कड़वी / खट्टी (ड्राई) होती है। यह कलर में डार्क रेड होने के साथ–साथ स्वीट वाईन के मुकाबले गाढ़ी (मिडीयम बॉडी वाईन) होती है। इसका आफ्टर टेस्ट (पीने के बाद का स्वाद) समझने की कोशिश करें तो यह हल्का खट्टा–मिठा और ड्राई फील कराती है।

2. फोर्टीफाईड वाइन (Fortified Wine) – जब वाईन में नये स्वाद के लिए किसी प्रकार का फ्लेवर थोड़ा मिठा करने के लिए शुगर,और अधिक स्ट्रॉंग करने के लिए अल्कोहल मिलाया जाता है, तो उस प्रक्रिया को फोर्टीफिकेशन कहा जाता है। फोर्टीफाईड वाइन स्वाद में मिठी और फ्लेवर्ड होने के साथ साथ स्ट्रॉंग भी होती है। पोर्ट वाईन भी इसी मैथड पर बनती है क्योंकि वह भी स्वीट और स्ट्रॉंग वाईन की कैटेगरी मे आती है।

वाइन का स्वास्थ्य पर लाभप्रद प्रभाव -?

शराब छोड़े जीवन अपनाएं

1. वाइन का नियमित सेवन (प्रतिदिन Male 120&160-Female 60&120 ml)हार्ट आटेक (Heart Attack) की संभावना को 80: तक कम करता है।
2. रक्त परिसंचरण को व्यवस्थित कर शरीर मे ऑक्सीजन की उपलब्धता करता है।
3. वाइन में पाया जाने वाला फिनॉल जिन्हे टेनिन कहा जाता है,में एन्टी ऑक्सीडेन्ट गुण पाये जाते है,जिनका स्वास्थ्य पर बहुत अच्छा प्रभाव पडता है।
4. वाइन में एन्टी एजिंग का गुण पाया जाता है,जो कि त्वचा से फ्री रेडिकल्स हटाता रहता है तथा झुरियाँ नही होने छेता है।
5.वाइन में कार्सिनोजीन्स (कैंसर उत्पन्न करने वाला कारक)के निर्माण को रोकने की अदभूत क्षमता होती है जिससे कैंसर रोग से बचा जा सकता है।
6.वाइन कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को कम करता है।
7.वाइन पाचन तंत्र को सुव्यस्थित करता है।
8.वाइन किडनी की कार्य क्षमता को बढ़ाकर शरीर से विषैले पदार्थ (Toxin) के उत्सर्जन में सहायता करता है।
9. वाइन का नियमित सेवन रक्त में एल्कोहल की मात्रा को नियमित कर बॉडी को रिलेक्स करता है। जिससे शारीरिक व मानसिक तनाव घटता है।
10. ड्राय वाइन शुगर फ्री होती है,जो डायबिटीज के रोगी लिये भी लाभप्रद हैं।

मदिरापान स्वास्थ के लिए हानिकारक है।

पता : होटल मल्लिकाअर्जुन के पास ,गोंदिया रोड़ बालाघाट
मोबाईल नं. 9098152277

संपादकीय

सुखद संघर्षविराम

रूस, चीन, पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपात बैठक की मांग की थी। उन्होंने बिना शर्त युद्धविराम का प्रस्ताव भी पेश किया। इजरायल-ईरान युद्ध के मद्देनजर और अमरीका के एकतरफा, विनाशक हमले के संदर्भ में उन देशों ने नागरिकों की सुरक्षा, यूएन चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अक्षरशः पालन किए जाने के प्रति अपने सरोकार और चिंताएं व्यक्त की थीं। पाकिस्तान इनमें फर्जी और चालबाज देश है, क्योंकि वह ईरान के साथ डबल गेम खेल रहा है। उसने अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप का नाम नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया है, लेकिन दूसरी तरफ ईरान को मुस्लिम भाईचारा भी दिखाना है। बहरहाल ईरान ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को व्यावहारिक तौर पर खोखली और दंतहीन एजेंसी करार दिया है और न्याय, शांति मांगने उसी के दरबार में हाजिरी लगाई गई। बैठक के दौरान कूटनीति और आपसी संवाद के खूब बयान दिए गए और अमरीका, इजरायल को आरोपित किया गया कि वे सिर्फ हथियार और हत्याओं की भाषा ही जानते हैं। सुरक्षा परिषद को अमरीका की कठपुतली तक करार दिया गया। फिर सुरक्षा परिषद में शांति, स्थिरता, युद्धविराम के प्रस्ताव कैसे पारित हो सकते थे? अमरीका ने ईरान के तीन प्रमुख परमाणु ठिकानों पर जो हमले किए, परमाणु कार्यक्रमों में जो विध्वंसक विस्फोट हुए होंगे, उनके मद्देनजर अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की आपात बैठक बुलाई थी। यह एजेंसी भी संयुक्त राष्ट्र से संबद्ध है और 1957 से कार्यरत है। बैठक के इतर ईरान ने सवाल उठाए कि उसके परमाणु उपक्रम आईएईए की निगरानी में थे, फिर अमरीका हमला करने में कामयाब कैसे हो गया? ईरान में मांग उठी है कि आईएईए के साथ सहयोग को सस्पेंड कर दिया जाना चाहिए। इसी तरह ईरान परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) से भी अलग होना चाहता है। इजरायल पर एनपीटी और आईएईए की कोई बाध्यता नहीं है और न ही वह हस्ताक्षरी देश है, लिहाजा उसकी परमाणु गतिविधियों और सुविधाओं पर संयुक्त राष्ट्र से संबद्ध किसी भी अंतरराष्ट्रीय संस्था का न तो कोई अंकुश है और न ही कोई निगरानी है। इजरायल परमाणु शक्ति सम्पन्न देश है और उसके पास 90 परमाणु बम बताए जाते रहे हैं। बहरहाल ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर अमरीका और इजरायल ने पहली बार हमले नहीं किए हैं। करीब 15 साल पहले उन्होंने नतांज परमाणु ठिकाने पर अत्यंत परिष्कृत साइबर हथियारों से हमला किया था। तब ईरान के करीब 20 फीसदी, करीब 5000 सेंट्रीफ्यूज, विस्फोट में मिट्टी-मलबा कर दिए गए थे, लेकिन ईरान ने उन्हें न केवल दोबारा बना लिया, बल्कि अधिक परिष्कृत उपकरण भी स्थापित किए। अमरीकी हमले से पहले, इसी माह, ईरान के पास करीब 19,000 सेंट्रीफ्यूज ऑपरेशनल थे। यानी ईरान परमाणु बम बनाने की प्रक्रिया में है। ये किसी के आरोप नहीं हैं, बल्कि आईएईए ने इन प्रक्रियाओं की पुष्टि की है। आईएईए ने कहा है कि अमरीकी हमले में नतांज और इस्फहान के अलावा फोर्डो के भूमिगत परमाणु कार्यक्रमों को भी महत्वपूर्ण नुकसान पहुंचा है। यूरेनियम संवर्धन संयंत्रों को कितना नुकसान पहुंचा है या वे बिल्कुल ही तबाह हो गए हैं, यह अभी नहीं कहा जा सकता। हमारे निरीक्षक वहां तक जाएंगे और निरीक्षण के बाद रपट देंगे कि हकीकत क्या है? विकिरण हो रहा है अथवा नहीं? इनके अलावा ईरान के पास जो 4400 किलो सर्वधित यूरेनियम है, उसकी स्थिति क्या है, निरीक्षण के बाद ही तय हो सकेगी। इस्फहान परमाणु प्रौद्योगिकी एवं शोध केंद्र में तीन रिएक्टर काम कर रहे हैं। उनमें एक लघु रिएक्टर चीन द्वारा 1991 में निर्मित है, जिसमें 900 ग्राम (2 पाउंड) बम ग्रेड का यूरेनियम है। हालांकि आईएईए की रपट में बहुत-सी जानकारियां गायब हैं। हालांकि अंततः कतर के अमीर शेख की मध्यस्थता और अमरीका के राष्ट्रपति ट्रंप के प्रस्ताव पर ईरान और इजरायल में युद्धविराम करा दिया गया। यह लागू भी कर दिया गया है। यह सुखद बात है।

आपातकाल .... जब हिंदुस्तान की रूह गिरफ़्तार कर ली गई

जमीर का मातम और जम्हूरियत का जनाजा

कुछ तारीखें इतिहास की किताबों में नहीं, दिलों की पेशानी पर दर्ज होती हैं .... हमेशा के लिए।

25 जून 1975 की रात भी ऐसी ही थी .... जब जम्हूरियत (लोकतंत्र) के माथे पर सियाही पोत दी गई, और मुल्क की रूह को बेआवाज कैदखाने में धकेल दिया गया। इस रात की शुरूआत इलाहाबाद हाईकोर्ट की उस सदा से हुई, जिसमें इंदिरा गांधी का रायबरेली का चुनाव नामंजूर करार दिया गया। अदालत ने कहा .... आपने सरकारी मशीनरी का बेहिसाब इस्तेमाल किया, और इस मुल्क के उसूलों को मजाक बना दिया। लेकिन जो हुकूमत तालीम से ज्यादा तास्सुब से चलती है, उसे अदालती फैसले कहाँ रास आते हैं। इंदिरा गांधी सुप्रीम कोर्ट गईं। वहाँ जस्टिस कृष्ण अय्यर ने राहत दी, मगर शर्तों के साथ। कह दिया .... आप प्रधानमंत्री रह सकती हैं, मगर संसद में वोट नहीं दे सकतीं। यानी कुर्सी रखिए, मगर जमीर बेचिए। इसी दरम्यान बिहार और गुजरात में तहरीकें सुलग रही थीं।

दिल्ली के रामलीला मैदान में जयप्रकाश नारायण ने हुंकार भरी .... सिंहासन खाली करो, जनता आती है! ये नारा सत्ता के गलियारों में भूचाल बन गया। हुकूमत घबरा गई। और जब हुकूमत डर जाती है, तो सबसे पहले आवाजों को बंद करती है। उस रात इंदिरा गांधी ने मुल्क के नाम एक ऐलान किया .... देश की सुरक्षा को खतरा है। दरअसल खतरा देश को नहीं, कुर्सी को था। और कुर्सी बचाने के लिए मुल्क को गिरवी रख दिया गया। आपातकाल का एलान हुआ .... और उस सुबह का सूरज एक गुलाम मुल्क पर उगा।

इंदिरा गांधी ने जैसे ही आपातकाल का ऐलान किया, पूरी सरकारी मशीनरी, जैसे बेकाबू सांड, बेलगाम होकर दौड़ पड़ी। गिरफ्तारियों की झड़ी लग गई। ये कोई मामूली धरपकड़ नहीं थी..ये एक सोची-समझी साज़िश थी जम्हूरियत का गला घोंटने की। उस वक़्त के बड़े नेताओं को भी नहीं बख़्शा गया।

72 साल के जयप्रकाश नारायण .. वो शख्स जिसने सत्ता के खिलाफ जनांदोलन की मशाल जलाई थी, उन्हें भी मीसा यानी आंतरिक सुरक्षा रखरखाव अधिनियम के तहत गिरफ़्तार किया गया। मोरारजी देसाई, अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, और तमाम विपक्षी नेताओं को सलाखों के पीछे डाल दिया गया अखबारों पर पहरा बिठा दिया गया। टाइम्स ऑफ इंडिया ने छापा .... लोकतंत्र, सत्य का शौहर, आजादी का बाप, और उम्मीद का भाई .... 26 जून को इंतेकाल कर गया। इंडियन एक्सप्रेस ने तो खाली संपादकीय छापा .... स्याही से नहीं, खामोशी से चीखती हुई सच्चाई। पत्रकार, छात्र, नेता, सामाजिक कार्यकर्ता .... सब पर जंजीरें कस दी गईं। मीसा, DIR, और COFEPOSA जैसे काले कानूनों के तहत हजारों बेगुनाह गिरफ़्तार हुए। गुनाह बस इतना था कि उन्होंने सवाल किया था। इंदिरा गांधी ने जुलाई में एक "21 सूत्रीय कार्यक्रम" पेश किया .... भू-सुधार से लेकर मूल्य-नियंत्रण तक वादों का पुलिंदा। लेकिन वादे तो सिर्फ पर्दा थे। हक ीकत थी....तानाशाही का नंगा नाच। संजय गांधी, जिनके पास न कोई संवैधानिक ओहदा था, न कोई जनादेश .... मगर पूरे मुल्क की नकेल उनके हाथ में थी। उन्होंने इस कार्यक्रम को सुधार का नाम देकर दमन का औजार बना दिया। दिल्ली के तुर्कमान गेट से ये कहर शुरू हुआ। जहाँ झुग्गी-झोपड़ियों को साफ-सुथरा बनाने के नाम पर जमींदोज किया गया। जगमोहन इस अभियान के मुखिया थे .... और संजय गांधी को लोग अब आधुनिक शाहजहाँ कहने लगे। मगर जो फर्क शाहजहाँ और संजय गांधी में था .... वो था नजरिया। एक ने शहर बसाया था, दूसरे ने उसे रौंद दिया। मगर कहानी सिर्फ. वहीं खत्म नहीं होती...

डॉ रिजवान अंसारी

रुखसाना सुल्ताना .... बड़ी काली ऐनक, स्टाइलिश सूट, और सत्ता की नजदीकी से चमकता चेहरा। नाम मशहूर था, काम बदनाम। उन्होंने पुरानी दिल्ली के दुजाना हाउस, जामा मस्जिद के पास, एक कुख्यात नसबंदी केंद्र चलाया .... जहाँ आदमी की मजी कोई मायने नहीं रखती थी, जहाँ विरोध करने पर लाठियाँ थीं, और चुप रहने पर चीखें। इस नसबंदी अभियान ने इमरजेंसी को एक तमाशा बना दिया .... एक ऐसा सरकारी सर्कस जिसमें नागरिकता का अपमान, गरीब की बेइज्जती और इंसान की देह पर हुकूमत का दावा था। पुरानी दिल्ली की गलियों में, पुलिस और अवाम के बीच झड़पें हुईं। लोगों को मस्जिदों से घसीटा गया, बेटों को जबरदस्ती नसबंदी के लिए उठाया गया। हुकूमत ने जिसे जनकल्याण कहा, वो असल में जन अपमान था। जो नसबंदी से भागा, वो लाठी का शिकार हुआ। जो चुप रहा, वो किसी नसबंदी कैम्प में दर्ज होकर वापसी की तारीख तक अपने पुरुषत्व से महरूम हो गया। ये सिर्फ. शरीर पर हमला नहीं था, ये पूरी आबादी के हौसले पर हमला था। आजादी के बाद हिंदुस्तान में पहली बार ऐसा लगा .... कि हम अपने नहीं रहे। हम अब फाइलों में दर्ज कोई संख्या हैं, जिन पर सरकारी ठप्पा लगता है।

इमरजेंसी कोई एक रात की भूल नहीं थी, वो सत्ता की सोच का आइना था.... कि अगर विरोध करोगे तो गद्दार कहे जाओगे, अगर सवाल पूछोगे तो जेल में डाल दिए जाओगे, और अगर चुप रहोगे तो तुम्हें 'तथाकथित सहयोगी' मानकर तुम पर कोई भी जुल्म जायज ठहराया जाएगा। जबलपुर भी उस गमजदा फेहरिस्त में शामिल था। यहाँ भी हिम्मत करने वाले लोग मीसा के तहत कैद हुए। शरद जैन, अजय विश्नोई, जयश्री बनर्जी, ईश्वरदास रोहाणी, दीनानाथ मिश्र, डॉ. निर्मल चंद्र जैन, नेमीचंद बड़कुल, चरणजीत साहनी, रमन पटेल, सुभाष जैन... ये नाम नहीं, वो दीये थे, जिन्हें आँधियों ने बुझाना चाहा .... मगर वो बुझाए नहीं गए।

जमाते इस्लामी से फि रोज सेठ, मोहम्मद उमर, रियाज अहमद, मोहीसिन खान, और कम्युनिस्ट तहरीक से कुमार .... सबने सलाखों के पीछे वक़्त काटा, उस वक़्त की हुकूमत की नफरत के साये में।

इन लोगों का जुर्म सिर्फ. इतना था कि इन्होंने हुकूमत से सवाल किए .... किसके हक में हो ये बंदिशें? क्यों मखलूक को बगैर इल्जाम जेलों में ठूंसा जा रहा है? क्यों हाकिम अपनी कुर्सी के लिए पूरी कौम को गुलाम बना रहा है? और इन सवालों के जवाब में सरकार ने हजारों दरवाजे तोड़ दिए, अखबार जला दिए, और मुल्क को खौफ के कंबल में लपेट दिया। मगर हर दौर का एक अंत होता है। 25 जून की रात चाहे जितनी तारीक (अंधेरी) थी, मगर उस तारीक ी में भी कुछ चिराग ऐसे थे, जो जलते रहे। 4 जून को ह्यजेल भरो आंदोलनह्व शुरू हुआ था .... कुछ जाँबाजों ने तहरीक छेड़ी, जमीर की आवाज बनकर। और आखिरकार इमरजेंसी का अंत हुआ, जब 1977 के आम चुनाव में जनता ने इंदिरा गांधी को हरा दिया। ये जीत सिर्फ. विपक्ष की नहीं थी, ये जीत थी उस आखिरी उँगली की, जिसने वोट दिया .... और हुकूमत को आइना दिखा दिया। खबरदार रहिए .... क्योंकि जम्हूरियत कोई तोहफा नहीं, वो एक अमानत है... जिसे हर नसल को अपने लहू से महफूज रखना पड़ता है। तारीखें बीत जाती हैं, मगर तंजीरें रह जाती हैं।

रोजाना इन चमत्कारी मुद्राएं करने से चांद की तरह चमकेगा चेहरा, मिलेगा नेचुरल ग्लो

योग मुद्राएं हाथों की विशेष आकृतियां होती हैं, जिनको रोजाना करने से बॉडी में एनर्जी का फ्लो बैलेंस होता है और स्वास्थ्य को भी कई लाभ मिलते हैं। ऐसे में आज हम आपको 3 खास मुद्राओं के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको करने से आपकी स्किन पहले से ज्यादा हेल्दी और ग्लोइंग बनती है। अगर आप भी चाहती हैं कि आपका चेहरा हमेशा खिला-खिला और चमकदार दिखाई दे, तो यह कई मुश्किल काम नहीं है। लेकिन आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी, प्रदूषण, अनहेल्दी खाना और तनाव की वजह से स्किन अपना नेचुरल ग्लो खोने लगता है। हालांकि स्किन को ग्लोइंग और चमकदार बनाने के लिए महंगे ब?यूटी प्रोडक?ट्स का इस्तेमाल करते हैं। जिसका असर थोड़े समय के लिए दिखता है। लेकिन आप स्किन को अंदर से हेल्दी और चमकदार बनाने के लिए नेचुरल उपाय अपना सकते हैं। योग एक ऐसी आसान तकनीक है, जो न सिर्फ शारीरिक बल्कि मानसिक स्वास्थ्य को सही रखता है। बल्कि इससे आपकी स्किन को भी नई जान मिलती है। इन्हीं में से एक योग मुद्रा है। बता दें कि योग मुद्राएं हाथों की विशेष आकृतियां होती हैं, जिनको रोजाना करने से बॉडी में एनर्जी का फ्लो बैलेंस होता है और स्वास्थ्य को भी कई लाभ मिलते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको 3 खास मुद्राओं के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको करने से आपकी स्किन पहले से ज्यादा हेल्दी और ग्लोइंग बनती है।

आस्था, भक्ति और सामाजिक समरसता का भव्य उत्सव है भगवान जगन्नाथ रथयात्रा

भगवान जगन्नाथ को भगवान विष्णु या श्रीकृष्ण का अवतार माना जाता है। रथ यात्रा का आयोजन आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को होता है, जिसे 'रथ द्वितीया' कहा जाता है। यह परंपरा सदियों पुरानी है और कहा जाता है कि यह यात्रा 12वीं सदी से भी पहले शुरू हो चुकी थी।

भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत में भगवान जगन्नाथ की यात्रा एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखती है। हर वर्ष ओडिशा के पुरी नगर में आयोजित होने वाली जगन्नाथ रथ यात्रा न केवल एक धार्मिक अनुष्ठान है, बल्कि यह आस्था, भक्ति और सामाजिक समरसता का भव्य उत्सव भी है। यह यात्रा भगवान जगन्नाथ, उनके बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा को विशाल रथों में श्रीमंदिर से बाहर लाकर जनसामान्य के दर्शन हेतु निकाली जाती है।भगवान जगन्नाथ को भगवान विष्णु या श्रीकृष्ण का अवतार माना जाता है। रथ यात्रा का आयोजन आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को होता है, जिसे 'रथ द्वितीया' कहा जाता है। यह परंपरा सदियों पुरानी है और कहा जाता है कि यह यात्रा 12वीं सदी से भी पहले शुरू हो चुकी थी। पुरी के श्रीजगन्नाथ मंदिर की रथ यात्रा विश्व प्रसिद्ध है और इसे देखने के लिए देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु पुरी पहुंचते हैं। इस उत्सव की भव्यता और अध्यात्मिक ऊर्जा को देखकर हर कोई मंत्रमुग्ध हो जाता है।

रथ यात्रा की विशेषताएं

तीन रथः भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के लिए अलग-अलग विशाल रथ बनाए जाते हैं। ये रथ हर साल नए लकड़ी से तैयार किए जाते हैं। भगवान जगन्नाथ के रथ का नाम 'नंदिघोष', बलभद्र के रथ का नाम 'तालध्वज' और सुभद्रा के रथ का नाम 'दर्पदलन' होता है, इसे पद्म ध्वज नाम से भी पुकारा जाता है।

गुंडिचा मंदिर यात्राः रथ यात्रा के दौरान भगवान अपने भाई-बहन के साथ श्रीमंदिर से करीब 3 किलोमीटर दूर स्थित गुंडिचा मंदिर जाते हैं। वहां वे सात दिन तक विश्राम करते हैं और फिर 'बहुड़ा यात्रा' के माध्यम से वापस आते हैं।

छेरा पहराः पुरी के गजपति महाराज स्वयं सोने की झाडू से रथ की सफाई करते हैं। इसे ह्यछेरा पहराह्व कहा जाता है और यह राजा द्वारा भगवान के प्रति अपनी सेवा और समर्पण का प्रतीक है।

जगन्नाथ यात्रा केवल एक धार्मिक पर्व नहीं है, यह भारतीय समाज की समरसता, समानता और एकता का प्रतीक भी है। इस उत्सव में जाति, वर्ग, धर्म और लिंग की सीमाएं टूट जाती हैं। सभी लोग मिलकर रथ को खींचते हैं और भगवान के दर्शन करते हैं। इस यात्रा का एक प्रमुख संदेश यह है कि भगवान सभी के हैं और वे स्वयं जनता के बीच आकर उन्हें दर्शन देते हैं। पुरी की रथ यात्रा विश्व की सबसे बड़ी चलती तीर्थयात्राओं में से एक मानी जाती है।

रथयात्रा में सबसे आगे ताल ध्वज पर श्री बलराम, पीछे पद्म ध्वज रथ पर माता सुभद्रा व सुदर्शन चक्र और अंत में गरुण ध्वज पर या नंदीघोष नाम के रथ पर श्री जगन्नाथ जी सबसे पीछे चलते हैं। तालध्वज रथ 65 फीट लंबा, 65 फीट चौड़ा और 45 फीट ऊँचा है। इसमें 7 फीट व्यास के 17 पहिये लगे होते हैं। संध्या तक तीनों ही रथ मंदिर पहुँचते हैं। भगवान मंदिर के सिंहद्वार पर बैठकर जनकपुरी की ओर रथयात्रा करते हैं। जनकपुरी में तीन दिन का विश्राम होता है जहां उनकी भेंट श्री लक्ष्मीजी से होती है। इसके बाद भगवान पुनः श्री जगन्नाथ पुरी लौटकर आसनरुढ़ हो जाते हैं। श्री जगन्नाथ जी के प्रसाद को महाप्रसाद माना जाता है जबकि अन्य तीर्थों के प्रसाद को सामान्यतः प्रसाद ही कहा जाता है। श्री जगन्नाथ जी के प्रसाद को महाप्रसाद का स्वरूप महाप्रभु बल्लभाचार्य जी के द्वारा मिला।

दस दिवसीय यह रथयात्रा भारत में मनाए जाने वाले धार्मिक उत्सवों में महत्वपूर्ण स्थान रखती है। भगवान श्रीकृष्ण के अवतार 'जगन्नाथ' की रथयात्रा का पुण्य सौ यज्ञों के बराबर माना जाता है। यात्रा की तैयारी अक्षय तृतीया के दिन श्रीकृष्ण, बलराम और सुभद्रा के रथों के निर्माण के साथ ही शुरू हो जाती है। जगन्नाथ जी का रथ 'गरुड़ध्वज' या 'कपिलध्वज' कहलाता है। रथ पर जो ध्वज है, उसे 'त्रैलोक्यमोहिनी' या ह्यनंदीघोषह्व रथ कहते हैं। रथ ध्वज 'नदंबिक' कहलाता है। इसे खींचने वाली रस्सी को 'स्वर्णचूडा' कहते हैं। जगन्नाथ जी की रथयात्रा में भगवान श्रीकृष्ण के साथ राधा या रुक्मिणी नहीं होतीं बल्कि बलराम और सुभद्रा होते हैं।

रथ यात्रा की कथा

द्वारिका में श्री कृष्ण रुक्मिणी आदि राज महिषियों के साथ शयन करते हुए एक रात निद्रा में अचानक राधे-राधे बोल पड़े। महारानियों को आश्चर्य हुआ। जागने पर श्रीकृष्ण ने अपना मनोभाव प्रकट नहीं होने दिया, लेकिन रुक्मिणी ने अन्य रानियों से वार्ता की कि, सुनते हैं वृंदावन में राधा नाम की गोपकुमारी है जिसको प्रभु ने हम सबकी इतनी सेवा निष्ठा भक्ति के बाद भी नहीं भुलाया है। राधा की श्रीकृष्ण के साथ रहस्यात्मक रास लीलाओं के बारे में माता रोहिणी भली प्रकार जानती थीं। उनसे जानकारी प्राप्त करने के लिए सभी महारानियों ने अनुनय-विनय की। पहले तो माता रोहिणी ने टालना चाहा लेकिन महारानियों के हठ करने पर कहा, ठीक है। सुनो, सुभद्रा को पहले पहरे पर बिठा दो, कोई अंदर न आने पाए, भले ही बलराम या श्रीकृष्ण ही क्यों न हों।

माता रोहिणी के कथा शुरू करते ही श्रीकृष्ण और बलराम अचानक अंतःपुर की ओर आते दिखाई दिए। सुभद्रा ने उचित कारण बता कर द्वार पर ही रोक लिया। अंतःपुर से श्रीकृष्ण और राधा की रासलीला की वार्ता श्रीकृष्ण और बलराम दोनों को ही सुनाई दी। उसको सुनने से श्रीकृष्ण और बलराम के अंग अंग में अद्भुत प्रेम रस का उद्भव होने लगा। साथ ही सुभद्रा भी भाव विह्वल होने लगीं। तीनों की ही ऐसी अवस्था हो गई कि पूरे ध्यान से देखने पर भी किसी के भी हाथ-पैर आदि स्पष्ट नहीं दिखते थे। सुदर्शन चक्र विगलित हो गया। उसने लंबा-सा आकार ग्रहण कर लिया। यह माता राधिका के महाभाव का गौरवपूर्ण दृश्य था। अचानक नारदजी के आगमन से वे तीनों पूर्ववत हो गए। नारद ने ही श्री भगवान से प्रार्थना की कि हे भगवान आप चारों के जिस महाभाव में लीन मूर्तिस्थ रूप के मैंने दर्शन किए हैं, वह सामान्य जनों के दर्शन हेतु पृथ्वी पर सदैव सुशोभित रहे। महाप्रभु ने तथास्तु कह दिया।

राशिफल

मेष :- स्त्री सुख, पुत्र सुख मध्यम होगा तथा यश-प्रतिष्ठा की प्राप्ति अवश्य होगी।

वृष :- साप्ताहिक कार्य में रुचि बढ़ेगी, इच्छित कार्य की प्राप्ति होगी, कार्य व्यावसाय का ध्यान रखें।

मिथुन :- कार्य क्षेत्र में विफलता, अल्प व्यावसाय भय होगा, उठा रोग दब जायेगा।

कर्क :- कोई मित्र शत्रु हानि पहुंचाने की चेष्ठा करेगा तथा अभिष्ठ कार्य में सफलता मिलेगी।

सिंह :- कार्य क्षेत्र में विफलता, अल्प व्यवस्थित जीवन, प्रभावशाली कार्य बनें अवसर मिलेगा।

कन्या :- पुराने व्यापार में वृद्धि होगी, नये व्यापार में हानि होगी, स्वजनों से मिलन होगा।

तुला :- राजकीय कार्य में प्रतिष्ठा, अन्य योजनाओं में आर्थिक लाभ अवश्य ही मिलेगा।

वृश्चिक :- भौतिक सुख-साधनों की कमी, प्रियजनों की उपेक्षा से हानि तथा पारिवारिक क्लेश बनेगा।

धनु :- कार्य सिद्धी, शारीरिक शिथिलता का निवारण होगा, गृहस्थ जीवन सुखमय रहेगा।

मकर :- पुरजन व्यक्तियों से कष्ट, अनियंत्रित दिनचर्या, मानसिक व्यथा बढ़ेगी।

कुम्भ :- लापरवाही अधिक, निद्रा से हानि संभव, सामान्य सुविधा अवश्य ही बनेगी।

मीन :- सामान्य ब्योहार का वातावरण करना उचित रहेगा, व्यावसायिक यात्रा योग बनेंगे।

ऑनलाइन धोखाधड़ी के खिलाफ एयरटेल की सख़्त कार्रवाई

मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में 40 लाख यूजर्स को रियल टाइम में सुरक्षा प्रदान की

जबलपुर, रेवांचल टाईम्स। भारत की अग्रणी टेलीकॉम कंपनी भारती एयरटेल (एयरटेल) ने मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में बढ़ती ऑनलाइन धोखाधड़ी के खिलाफ अपने मिशन में उल्लेखनीय प्रगति की घोषणा की है। देशभर में एआई-आधारित फ्रॉड डिटेक्शन सिस्टम के लॉन्च के तहत एयरटेल ने मध्य प्रदेश में मात्र 41 दिनों के भीतर 40 लाख से अधिक यूजर्स को सफलतापूर्वक ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाया है।

यह अत्याधुनिक सुरक्षा प्रणाली सभी एयरटेल मोबाइल और ब्रॉडबैंड ग्राहकों के लिए ऑटोमैटिक रूप से एक्टिवेट होती है। यह एसएमएस, व्हाट्सऐप, टेलीग्राम, फेसबुक, इंस्टाग्राम, ईमेल और अन्य ब्राउजर्स पर भेजे गए लिंक को स्कैन और फि ल्टर करती है। यह तकनीक रियल टाइम थ्रेट इंटेलिजेंस (साइबर खतरों की तात्कालिक जानकारी) का इस्तेमाल करती है और रोजाना 1 अरब से ज्यादा यूआरएल का विश्लेषण करती है। किसी भी खतरनाक साइट पर पहुंचने से पहले यह सिस्टम महज 100 मिलीसेकंड में उसे ब्लॉक कर देता है।

उदाहरण के लिए, अगर इंदौर का कोई निवासी यह संदिग्ध संदेश प्राप्त करता हैः आपका पार्सल डिले हो गया है। इसे ट्रैक करें: "३३स्रः//६६६.३१'८०४१स्रंशृ''ङ्के और वह व्यक्ति अगर बिना सत्यता जाने, उस लिंक पर क्लिक करता है, तो एयरटेल का एआई-सिस्टम तुरंत सक्रिय हो जाता है। यह उस लिंक को स्कैन करता है और अगर वह संदिग्ध पाया जाता है, तो साइट को ब्लॉक कर देता है। यूजर को एक चेतावनी संदेश पर रीडायरेक्ट कर दिया जाता है, जिसमें लिखा होता हैः ब्लॉक कर दिया गया! एयरटेल ने इस साइट को खतरनाक पाया है! यह पूरा प्रोसेस रियल टाइम में, एक पल में होता है। इसी तरह के त्वरित इंटरसेप्शन से हर तरह के ऑनलाइन धोखाधड़ी से यूजर्स को बचाया जा रहा है। इस पहल पर अपने विचार व्यक्त करते हुए, रितेश अग्रवाल, सीईओ झ मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़, भारती एयरटेल ने कहा,एयरटेल में हमारे ग्राहकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। हमें यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि मध्य प्रदेश में हमने दुनिया का पहला एआई-संचालित फ्रॉड डिटेक्शन सॉल्यूशन लॉन्च किया है – एक ऐसी नवाचारपूर्ण पहल जिसे लगातार बढ़ते साइबर खतरों से हमारे ग्राहकों को सुरक्षित रखने के लिए तैयार किया गया है। जैसे-जैसे डिजिटल जोखिमों का दायरा और जटिलता बढ़ रही है, हमारा समाधान नेटवर्क के भीतर ही सक्रिय सुरक्षा प्रदान करता है – वह भी ग्राहकों के लिए पूरी तरह निशुल्क। हमें विश्वास है कि यह उन्नत तकनीक दोनों राज्यों के ग्राहकों को मजबूत सुरक्षा प्रदान करेगी और उन्हें डिजिटल दुनिया में पूरी आत्मविश्वास के साथ संलग्न होने में सक्षम बनाएगी। इस पहल के बारे में अपने बयान में, श्री ए. साई मनोहर (आईपीएस), एडीजीपी, राज्य साइबर - मुख्यालय, भोपाल, (एमपी), ने टिप्पणी की, साइबर वित्तीय धोखाधड़ी और घोटालों से निपटने के प्रयासों को तेज करने की तत्काल आवश्यकता है। यह केवल मजबूत धोखाधड़ी रोकथाम रणनीतियों और एआई/एमएल के उपयोग के माध्यम से ही संभव है। उन्होंने एयरटेल की इसके प्रभावी धोखाधड़ी का पता लगाने वाले समाधान के लिए प्रशंसा की, डिजिटल सुरक्षा बढ़ाने और ऑनलाइन नुकसान को कम करने में सहयोग के महत्व पर प्रकाश डाला।मध्य प्रदेश में साइबर लचीलेपन को मजबूत करने के एक महत्वपूर्ण कदम के तहत, श्री ए साई मनोहर (आईपीएस), एडीजीपी, राज्य साइबर मुख्यालय, भोपाल (एमपी), श्री यूसुफ कुरैशी (आईपीएस), डीआईजी, श्री प्रणय नागवंशी, एसपी और सुश्री सारिका शुक्ला, एआईजी एडमिन, राज्य साइबर मुख्यालय, भोपाल ने ऑनलाइन धोखाधड़ी से निपटने और राज्य के डिजिटल सुरक्षा पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के संयुक्त प्रयासों पर चर्चा करने के लिए भारती एयरटेल के मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के सीईओ रितेश अग्रवाल से मुलाकात की।

फार्मर रजिस्ट्रेशन कार्य मे कम प्रगति करने वाले 7 तहसीलदारों एवं 8 नायब तहसीलदारों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी

कलेक्टर यादव ने 7 दिन में मांगा जवाब

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने फार्मर रजिस्ट्रेशन कार्य में रूचि न रखने एवं लक्ष्य से कम प्रगति करने वाले 7 तहसीलदारों एवं 8 नायब तहसीलदारों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर 7 दिन में जवाब मांगा है। कलेक्टर यादव द्वारा विगत दिनों राजस्व कार्यों की प्रगति की समीक्षा के दौरान इन अधिकारियों द्वारा फार्मर रजिस्ट्री की कम प्रगति पाये जाने के बाद यह कार्यवाही की गई है। उल्लेखनीय है कि शासन द्वारा 31 मई तक फार्मर रजिस्ट्री का कार्य शत प्रतिशत पूर्ण किया जाना नियत किया गया था।

इन अधिकारियों का जारी हुआ नोटिस

कलेक्टर यादव द्वारा जारी कारण बताओ नोटिस में उल्लेखित किया गया है कि तहसीलदार रीठी सुआकांक्षा चौरसिया द्वारा फार्मर रजिस्ट्री हेतु निर्धारित लक्ष्य 24 हजार 857 के विरूद्ध 21 हजार 533 किसानों की फार्मर आईडी रजिस्ट्री की गई है। जो कि कुल लक्ष्य का 86.63 प्रतिशत है। इसी तहसीलदार विजयराघवगढ़ मनीष शुक्ला द्वारा 32 हजार 350 के लक्ष्य के विरूद्ध 28 हजार 719 का लक्ष्य प्राप्त किया गया है। जो कि कुल लक्ष्य का 88.78 प्रतिशत है। इसी प्रकार ढीमरखेड़ा तहसीलदार आशीष अग्रवाल द्वारा 29 हजार 719 के लक्ष्य के विरूद्ध 26 हजार 181 किसानों की फार्मर आईडी बनाई गई है। जो कि लक्ष्य का 88.10 फीसदी है। जबकि बरही तहसीदार नितिन पटेल ने 19 हजार 137 के लक्ष्य के विरूद्ध 16 हजार 798 फार्मर रजिस्ट्रेशन का कार्य पूरा किया है। जो कि कुल लक्ष्य का 87.78 फीसदी है। वहीं बहोरीबंद तहसीलदार सुनेहा जैन ने 30 हजार 332 के लक्ष्य के विरूद्ध 24 हजार 582 का लक्ष्य प्राप्त किया है। जो कि लक्ष्य का 81.04 प्रतिशत है। इसी प्रकार बिलहरी के नायब तहसीलदार आशीष कुमार चतुर्वेदी के द्वारा 9 हजार 521 के लक्ष्य के विरुद्ध 7 हजार 27 का लक्ष्य प्राप्त किया गया है जो

कि कार्य प्रगति का मात्र 73.81 फीसदी है। वहीं बड़गांव के नायब तहसीलदार खगेश कुमार भलावी के द्वारा 7 हजार 358 के लक्ष्य के विरुद्ध 4 हजार 791 किसानों की फार्मर रजिस्ट्री ही की गई है जो कि लक्ष्य का मात्र 65.11 प्रतिशत है। जबकि देवराकला के नायब तहसीलदार नरेन्द्र कुमार खरे को उल्लेखित किया गया है कि आपके द्वारा 7 हजार 238 के लक्ष्य के विरुद्ध 5 हजार 159 किसानों की फार्मर रजिस्ट्री का कार्य किया गया है जो कि लक्ष्य का मात्र 73.81 फीसदी है। इसी प्रकार कारीतलाई के तहसीलदार मनीष शुक्ला के द्वारा निर्धारित लक्ष्य 5 हजार 798 के विरुद्ध अब तक मात्र 4 हजार 32 किसानों की फार्मर आईडी बनाई गई है। जो कि कार्य प्रगति का 69.47 प्रतिशत है। वहीं सिनगौड़ी एवं उबरा के नायब तहसीलदार प्रसन्न कुमार वर्मा ने सिनगौड़ी में निर्धारित लक्ष्य 7 हजार 131 के विरुद्ध 5 हजार 188 का लक्ष्य प्राप्त किया गया है। जो कि कार्य प्रगति का 72.75 फीसदी है एवं उबरा में 4 हजार 357 के लक्ष्य के विरूद्ध 3 हजार 30 का लक्ष्य प्राप्त किया गया है जो कि कार्य प्रगति का मात्र 69.54 प्रतिशत है। वहीं सिलौंडी के नायब तहसीलदार दिनेश असाटी ने 6 हजार 396 के लक्ष्य के विरुद्ध 4 हजार 697 का लक्ष्य प्राप्त किया गया है जो कि कुल लक्ष्य का 73.44 फीसदी है। इसी प्रकार खमतरा के तहसीलदार आशीष अग्रवाल द्वारा निर्धारित लक्ष्य 3 हजार 509 के विरुद्ध 2 हजार 432 का लक्ष्य प्राप्त किया गया है जो कि कार्य प्रगति का मात्र 69.31 प्रतिशत है। वहीं पिपरियाकला एवं खितौली के नायब तहसीलदार मनोज कुमार नामदेव ने पिपरियाकला में 3 हजार 712 के निर्धारित लक्ष्य के विरूद्ध 2 हजार 651 तथा खितौली में 6 हजार 100 के विरूद्ध 4 हजार 275 किसानों की फार्मर रजिस्ट्री की है। जो कि लक्ष्य का क्रमशरू 71.42 एवं 70.08 प्रतिशत है। जबकि बाकल के नायब तहसीलदार आदित्य प्रकाश द्विवेदी ने 10 हजार 748 के लक्ष्य के विरूद्ध 8 हजार 56 किसानों की फार्मर रजिस्ट्री की है। जो कि कार्य प्रगति का 74.95 फीसदी है। इसके अतिरिक्त बचौया एवं कुंआ के नायब तहसीलदार ओम बाबू बघेल द्वारा बचौया तहसील में 3 हजार 897 के निर्धारित लक्ष्य के विरूद्ध 2 हजार 913 एवं तहसील कुंआ में निर्धारित लक्ष्य 2 हजार 941 के विरूद्ध 2 हजार 191 किसानों की फार्मर रजिस्ट्री की गई है। जो कि कुल लक्ष्य का क्रमशरू 74.75 एवं 74.50 फीसदी है।

ग्राम पंचायत भजिया में गुरुवार को होगा लोक सुनवाई सह जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन

कलेक्टर ग्राम पंचायत स्तर पर पहुंच कर सुन रहें जनता की समस्याएं

जनता के बीच पहुंच कर समस्याएं जानने और निराकरण की कलेक्टर यादव की अभिनव पहल

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। जनपद पंचायत बड़वारा के ग्राम पंचायत भजिया में गुरवार 26 जून को शाम 5 बजे से आयोजित लोक सुनवाई सह जनसंवाद कार्यक्रम में कलेक्टर दिलीप कुमार यादव शिरकत करेंगे। कलेक्टर यादव जनता के बीच पहुंच कर, उनसे जनसंवाद कर, शिकायतों और उनकी स्थानीय समस्याओं को जानने की अभिनव और संवेदनशील पहल की है। बताते चलें कि लोक सुनवाई सह जनसंवाद कार्यक्रम में मिलने वाली समस्याओं और शिकायतों के हर आवेदनों पर हुई कार्रवाई की समय-सीमा बैठक में कलेक्टर यादव स्वयं समीक्षा करते हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित कर रखा है कि जनोन्मुखी और जवाबदेह प्रशासन के साथ जनसमस्याओं के निराकरण में पूरी संवेदनशीलता बरती जाए। समस्या लेकर यहां आने वाले सभी व्यक्ति निराकरण की उम्मीद से आते हैं, ऐसे में उनके दुःख - दर्द का नियमानुसार निपटारा करना अधिकारियों का नैतिक दायित्व है। जारी कार्यक्रम के अनुसार गुरूवार 26 जून को जनपद पंचायत बड़वारा के ग्राम पंचायत भजिया में लोक सुनवाई सह जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित होगा। इसके अलावा गुरुवार 3 जुलाई को जनपद पंचायत विजयराघवगढ़ के ग्राम पंचायत कांटी में, गुरूवार 10 जुलाई को जनपद पंचायत रीठी के ग्राम पंचायत देवगांव में, गुरुवार 17 जुलाई को जनपद पंचायत ढीमरखेड़ा के ग्राम पंचायत कचनारी में और गुरुवार 24 जुलाई को जनपद पंचायत विजयराघवगढ़ के ग्राम पंचायत गैरतलाई में लोक सुनवाई सह जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन होगा।

दुर्घटना से बचाव हेतु चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स पर संकेतक, रिफ्लेक्टर लगवायें: कलेक्टर

ब्लैक स्पॉट्स का एसडीएम, ट्रैफिक पुलिस, आरटीओ, टीआई, एनएच, पीडब्ल्यूडी के अधिकारी संयुक्त निरीक्षण कर दें प्रतिवेदन

कटनी। कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने शहर में सुगम आवागमन हेतु पार्किंग स्थलों के निर्धारण, पार्किंग की सुविधा प्रदान करने के साथ ही दुर्घटना की दृष्टि से संवेदनशील ब्लैक स्पॉट स्थलों पर दुर्घटना की रोकथाम हेतु चिन्हित स्थलों पर संकेतक, रिफ्लेक्टर ब्लिंकर लगाने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। साथ ही संबंधित एसडीएम, ट्रैफिक पुलिस, आरटीओ, संबंधित थाना क्षेत्र के टीआई और एनएच, पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों के संयुक्त दल द्वारा निरीक्षण कर प्रतिवेदन सौंपने की हिदायत दी है। कलेक्टर ने यह निर्देश बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जिला सड़क सुरक्षा समिति और हिट एण्ड रन मोटर यान दुर्घटना प्रतिकार के संबंध में आयोजित बैठक में दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा, अपर कलेक्टर साधना परस्ते और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. संतोष डेहेरिया, सभी एसडीएम और एसडीओपी सहित कार्यपालन यंत्री लोकनिर्माण विभाग शारदा सिंह, आरटीओ संतोष पाल सहित अन्य विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति रही। कलेक्टर यादव ने बैठक में दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु सड़क से जुड़े विभिन्न विषयों पर अधिकारियों को जरूरी हिदायतें देते हुए प्रभावी कदम उठाने और कारगर पहल करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान शहर में संचालित ऑटो पार्ट्स की दुकानों में तेज आवाज करने वाले साइलेंसर पर प्रतिबंध लगाने हेतु एसडीएम और नगर निगम को संयुक्त कार्यवाही करने के निर्देश

दिए गए हैं। इसके अलावा निजी स्कूलों के स्कूल बस स्टाफ और वाहन चालकों का पुलिस वेरिफिकेशन कराने और दस्तावेजों की जांच आदि का कार्य करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा मानसून के मद्देनजर बाढ़ संभावित क्षेत्र के पुल-पुलियों और रपटों पर बैरिकेटिंग कराने और लोगों की तैनाती के भी निर्देश दिए गए। इसके साथ ही सड़कों में आवारा विचरण करने वाले जानवरों पर नियंत्रण लगाने के लिए बीते साल के तर्ज पर अभियान चलाने के निर्देश भी कलेक्टर यादव ने अधिकारियों को दिए। बैठक में विश्वकर्मा पार्क में पर्याप्त खाली जगह होने के बाद भी आस-पास के दुकानदारों एवं रूई बाजार में पड़े पार्किंग स्थल को स्थानीय दुकानदारों द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटवाकर दुकानदारों के संगठनों के द्वारा ही सशुल्क पार्किंग कराये जाने पर चर्चा की गई। इसके अलावा आजाद चौक में वर्कशाप दुकानों में वाहनों को सड़क में अतिक्रमण कर मरम्मत करने की वजह से बनने वाली जाम की स्थिति से निजात दिलाने नगर निगम को कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। जबलपुर की तरफ से कटनी की ओर शहर में प्रवेश करने हेतु मार्ग में बड़ा संकेत बोर्ड लगाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अफसरों को इसी प्रकार कटनी-दमोह मार्ग पर इंदिरानगर में एनएच 7 पुल के नीचे ब्लैक स्पॉट में रंबल स्ट्रिप लगवाने के निर्देश दिए। इसके अलावा बैठक में पीर बाबा बायपास से पन्ना नाका एवं जुहला बायपास से गर्ग चौराहा तक दुर्घटना से बचाव हेतु वाहनों की गति नियंत्रण हेतु रंबल स्ट्रिप लगाये जाने, रेडियम पेंट, स्पीड ब्रेकर और सांकेतिक बोर्ड लगाने के निर्देश दिए गए। इसी प्रकार थाना तिराहा से बरही नाका तक अवैध रूप से सड़कों के किनारे लगाई जाने वाली सब्जी एवं फल-फूल की दुकानों की वजह से सड़क संकीर्ण होने से बाधित यातायात और संभावित दुर्घटना के विषय पर भी चर्चा हुई। कलेक्टर यादव ने दुर्घटना की दृष्टि से ब्लैक स्पॉट लखापतेरी झिंझरी बायपास, चाका चौराहा, सुरकी टैंक, सरसवाही मोड़ और जोला बायपास आदि स्थानों में समुचित प्रकाश व्यवस्था संकेतक, रिफ्लेक्टर, ब्लिंकर, रंबल स्ट्रिप और कैट आई आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करने अधिकारियों को निर्देश दिए।

हिट एण्ड रन मोटरयान दुर्घटना प्रतिकार

बैठक में हिट एण्ड रन मोटर यान दुर्घटना पीड़ित प्रतिकार योजना 2022 के तहत मुआवजा के प्रावधानों की जानकारी देते हुए बताया गया कि दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने पर 50 हजार रुपए एवं मृत्यु होने पर 2 लाख रुपए की राशि प्रभावितों के विधिक परिजनों को दिए जाने का प्रावधान है। इसके तहत कलेक्टर यादव ने नियमानुसार कार्यवाही करने एसडीएम, तहसीलदार और पुलिस अधिकारियों को ताकीद किया है। ताकि समय पर प्रभावितों को नियमानुसार मुआवजा राशि मिल सके।

आपातकाल की 50वीं बरसी पर भाजपा कार्यालय में लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान कार्यक्रम आयोजित....

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी। सिवनी देश में लगे आपातकाल को इस वर्ष 50 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। इस अवसर पर लोकतंत्र सेनानियों के योगदान को स्मरण करते हुए पूरे प्रदेश में सम्मान कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। सिवनी जिले में भी लोकतंत्र सेनानियों के सम्मान में एक गरिमामय आयोजन 25 जून को दोपहर 12 बजे भाजपा जिला कार्यालय में किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष मीना बिसेन करेंगी, वहीं मुख्य वक्ता के रूप में भाजपा प्रदेश मंत्री एवं जबलपुर सांसद आशीष दुबे उपस्थित रहेंगे। वे इस अवसर पर आपातकाल की त्रासदी, संघर्ष और लोकतंत्र की रक्षा में लगे सेनानियों की भूमिका पर प्रकाश डालेंगे।

भोपाल में होगा मुख्य राज्य स्तरीय आयोजन.....

26 जून को आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर भोपाल में एक राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के विशेष स्नेहिल आमंत्रण पर लोकतंत्र सेनानी संघ एवं लोकतंत्र प्रहरीगण भोपाल में इस आयोजन में भाग लेंगे। इस संबंध में लोकतंत्र सेनानी संघ के प्रतिनिधि श्री सुदर्शन बाझल ने जानकारी देते हुए बताया कि सिवनी जिले से लोकतंत्र सेनानियों का प्रतिनिधिमंडल संघ के जिला अध्यक्ष श्री राजकुमार अग्रवाला के नेतृत्व में भोपाल के लिए रवाना होगा।लोकतंत्र सेनानियों का अभिनंदन कार्यक्रम के आयोजन को लेकर भाजपा जिलाध्यक्ष मीना बिसेन ने कहा कि,लोकतंत्र की रक्षा के लिए जेलें झेलने वाले सेनानियों का सम्मान करना हम सभी का कर्तव्य है। यह नई पीढ़ी को सच्चे लोकतांत्रिक मूल्यों की शिक्षा देने का भी अवसर है।"

बड़वारा में 225 जलदूतों को दिया गया प्रशिक्षण

कटनी। कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव के निर्देश एवं जिला पंचायत के सीईओ श्री शिशिर गेमावत के मार्गदर्शन में चल रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले के जलदूतों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को जनपद पंचायत बड़वारा में राज्य स्तर से मास्टर ट्रेनर डॉ. अजीत सिंह, सहायक यंत्री आर बी सिंह, मानव जीवन संस्था के प्रमुख एवं पर्यावरणविद एवं मानव विकास समिति के सचिव निर्भय सिंह, सहायक लेखा अधिकारी गोविन्द सिंह, बबिता सिंह, विनय सिंह एवं प्रदीप उर्मलिया द्वारा जलदूतों को प्रशिक्षण दिया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में भूदजल स्तर की गुणवत्ता की निगरानी करने और जल संरक्षण के बारे में जागरूकता फैलाने में इस प्रशिक्षण की महत्त्वपूर्ण भूमिका होगी।

जिले में 28 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और 252 आंगनबाड़ी सहायिकाओं के रिक्त पदों हेतु 4 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित

महिला एवं बाल विकास के अंतर्गत जिले की सभी 7 बाल विकास परियोजनाओं के अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के 28 और आंगनबाड़ी सहायिका के 252 रिक्त पदों हेतु एमपी ऑनलाईन द्वारा तैयार चयन पोर्टल के माध्यम से 4 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित किया गया है। ये सभी पद पूर्णत अस्थायी एवं मानसेवी आधारित है। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास ने बताया कि कटनी शहरी परियोजना के अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के 2 तथा आंगनबाड़ी सहायिका के 30 पद रिक्त है। इसी प्रकार ढीमरखेड़ा परियोजना अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के 6 और आंगनबाड़ी सहायिका के 44 पद रिक्त है। जबकि विकासखंड बड़वारा में आंगनबाड़ी सहायिका के 42 पद तथा बहोरीबंद विकासखंड की परियोजना के अंतर्गत 6 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और 20 आंगनबाड़ी सहायिका के पद रिक्त है। इसी प्रकार मुरवारा परियोजना के अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के 4 और आंगनबाड़ी सहायिका के 38 पद तथा रीठी परियोजना अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के 3 एवं आंगनबाड़ी सहायिका के 42 पद रिक्त है। जबकि विजयराघवगढ बाल विकास परियोजना के अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के 7 और आंगनबाड़ी सहायिका के 36 पद रिक्त है।

तबादले के बाद भी अधिकारी क्यों नहीं कर रहें अपने चहेते को रिलीफ?

पटवारी नितेश तिवारी से क्या मोह है सिवनी एसडीएम को?

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी। मध्य प्रदेश शासन द्वारा विभागीय स्थानांतरण किए गए मगर तबादला होने के बाद भी कर्मचारी को अधिकारी और नेता रुकवाने में तुले हुए नजर आ रहें है मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार भ्रष्टाचार के प्रति कितनी सजग है यह सब देखने के लिए कहीं दूर जाने की आवश्यकता नहीं आपको सिवनी जिला ही काफी है जहां एक तरफ भ्रष्टाचार में जेल की हवा खाने वाले अमर सिंह उईके को पुनः उसी पद में पदस्थ किया जाता है वही विभागों में हुए विभागीय स्थानांतरण के बाद भी कर्मचारी खबर लिखे जाने तक पुरानी सीट पर चिपके हुए हैं और अधिकारी उनको रिलीफ नहीं कर रहे हैं जबकि यह सारे वह कर्मचारी वो हैं जिन्होंने जनता को परेशान करने के आदि रहें और हमेशा अखबारों की सुर्खियां बनते रहे हैं।

सिवनी जिले के राजस्व विभाग में तबादले के विषय में सिवनी राजस्व अधिकारियों के द्वारा तमाम अधिकारियों को रिलीव कर दिया गया है परंतु शिवानी एसडीएम मेघा शर्मा के द्वारा अपने चाहते नीतीश तिवारी पटवारी को आज दिनांक तक रिलीव क्यों नहीं किया गया इस पटवारी से शिवानी एसडीएम को क्या मोह माया है यह समझ से परे है गली मोहल्ले में पटवारी नितेश तिवारी का ट्रांसफर चर्चा का विषय बना हुआ है कि आखिर शिवानी एसडीएम शिवानी पटवारी नितेश तिवारी को क्यों नहीं हटा रही है।

सिवनी जिले के नेता छोटे-छोटे मामलों में भोपाल दिल्ली के चक्कर काटने लगते हैं मगर इन भ्रष्टाचारियों के तबादले के बाद भी हफ्ते भर से ज्यादा से इस सीट पर बैठकर पुराने कुकर्मों का सेटलमेंट कर रहे हैं और नेता मुख दर्शक बनकर तमाशा देख रहे हैं हमेशा चचाओं में रहने वाले कर्मचारियों का तबादला तो हुआ मगर यह कुर्सी प्रेम ही है कि आज भी वह जाने के लिए तैयार नहीं है और कोई विधायक तो कोई भोपाल के चक्कर लगा रहे हैं सिवनी जिले में बस यही देखने को मिलता है दागी कर्मचारी और अधिकारी यहां पर सुकून से नौकरी करता रहता है और नेता अपने नेतागिरी चमकाने में लगे रहते हैं।

चौपाल के माध्यम से आमजनों को नशे की प्रवृत्ति त्यागने के लिए किया गया प्रेरित

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी। सिवनी शासन के निदेर्शानुसार एवं कलेक्टर संस्कृति जैन के मार्गदर्श में जिला मुख्यालय के प्रमुख बाजार क्षेत्र भैरोगंज चौक एवं कचहरी चौक तथा सर्किट हाउस चौराहा में नशामुक्ति चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नशामुक्ति रथ के साथ उपस्थित जनमानस को बैनर ,पोस्टर के माध्यम से नशे से होने वाले दुष्परिणाम के बारे में अवगत कराया गया तथा नशे से दूर रहने की अपील की गई।कार्यक्रम में ब्रम्हकुमारी संस्था, सार्थक पहल संस्था,जन अभियान परिषद, सामाजिक न्याय एंव दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग जिला सिवनी तथा जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र सिवनी एवं अन्य विभाग के अधिकारी /कर्मचारी उपस्थित रहे। इस चौपाल कार्यक्रम में ब्रम्हकुमारी संस्था की नीतू दीदी एवं आस्था दीदी द्वारा जनसामान्य में बढती हुई नशे की प्रवृति को रोकने ,जागरूक करने एंव अपने परिवार/आसपास नशामुक्त वातावरण बनाने हेतु नशा मुक्ति पर उदबोधन के माध्यम से

उपस्थित युवाओं, छात्र/छात्राओं,एंव नागरिकों को अपने विचार साझा किये।इस कार्यक्रम में संदीप परते,प्र.उपसंचालक, सामाजिक न्याय एंव दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग जिला सिवनी द्वारा अवगत कराया गया कि सम्पूर्ण भारत वर्ष में दिनांक 01 जून से 26 जून तक अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। जिसमें आज दिनांक 24 जून को चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। दिनांक 25 जून को पुलिस ग्राउड सिवनी से बाईक रैली नशा मुक्ति रथ के साथ प्रारंभ होकर बाहुबली चौक,शुक्रवारी चौक ,छिदवाडा चौक, बस स्टैंड, भैरोगंज चौक से होते हुए वापस पुलिस ग्राउंड में समापन एंव दिनांक 26 जून 2025 को आशादीप स्कूल डूंडासिवनी से रैली का आयोजन किया जायेगा ।

नर्मदा घाटी परियोजनाओं के संचालन में सौर ऊर्जा को प्रोत्साहित किया जाए : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुई नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण की 267वीं बैठक

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नर्मदा नदी राज्य की जीवनदायिनी है। नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के अंतर्गत संचालित गतिविधियों से प्रदेश में सिंचाई के रकबे और ऊर्जा उत्पादन में बहुत वृद्धि हुई है जिसके चलते प्रदेशवासियों के जीवन स्तर में सुधार हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि परियोजना के अंतर्गत निर्मित सिंचाई व्यवस्था में सौर ऊर्जा के उपयोग को अधिक से अधिक प्रोत्साहित किया जाए। जल उद्वहन में सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ाने से बिजली पर होने वाले व्यय में कमी लाई जा सकेगी। किसानों को भी सिंचाई में सौर ऊर्जा के उपयोग के लिए प्रेरित किया जाए। मां नर्मदा के जल का प्रदेश हित में अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण की 267वीं बैठक बुधवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में संपन्न हुई। अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, श्री मनीष रस्तोगी सहित प्राधिकरण के अन्य अधिकारी बैठक में उपस्थित थे। बैठक में शहीद ईलाप सिंह माईक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना जिला हरदा, सेंधवा माईक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना जिला बड़वानी, निवाली उद्वहन सिंचाई परियोजना जिला बड़वानी, धार उद्वहन माईक्रो सिंचाई परियोजना, माँ रेवा उद्वहन सिंचाई परियोजना जिला देवास की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति के संबंध में निर्णय लिए गए। बैठक में निमार्णाधीन स्लीमनाबाद टनल के तकनीकी पहलुओं पर चर्चा हुई। इसके साथ ही डोबी सिंचाई परियोजना, भीकनगांव बिंजलवाडा माईक्रो सिंचाई परियोजना, आई.एस.पी.-पार्वती लिंक परियोजना, खालवा उद्वहन माईक्रो सिंचाई परियोजना जिला खण्डवा की समयवृद्धि प्रस्ताव पर भी बैठक में विचार-विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में मोरंड गंजाल बांध एवं दाबयुक्त सिंचाई परियोजना के निर्माण में आईएसपी जलाशय और अपर नर्मदा परियोजना के कमाण्ड में निर्माण कार्य आरंभ करने के संबंध में निर्णय लिया गया। बैठक में विजयराघवगढ़ उद्वहन माईक्रो सिंचाई परियोजना, गुनौर माईक्रो सिंचाई परियोजना, झिरन्या एक्सटेंशन (विस्तार) माईक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना, बड़ादेव चरगंवा सूक्ष्म उद्वहन सिंचाई परियोजना, खेड़ी बुजुर्ग उद्वहन माईक्रो सिंचाई परियोजना जिला धार की प्रशासकीय स्वीकृति के संबंध में विचार-विमर्श हुआ। बैठक में नर्मदा नदी के धार्मिक एवं सामाजिक और पर्यटन महत्व के स्थलों पर घाट निर्माण के संबंध में कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए गए।

डिवाइडर पर 251 पौधे लगाए

रायसेन। रायसेन में सागर रोड के डिवाइडर 251 पौधों लगाए गए। बुधवार को जल गंगा संवर्धन अभियान और वूमेन फॉर ट्री कैंपेन चलाया गया। इस अभियान में दुरंतो, हेज प्लांट, बोगनवेलिया और चंपा जैसी विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। यह पौधारोपण अभियान 31 जुलाई तक निरंतर जारी रहेगा। शहर को हरा-भरा बनाने के लिए पौधे लगाए गए हैं। कार्यक्रम में मुख्य नगर पालिका के अध्यक्ष प्रतिनिधि जमुना सेन, भाजपा नेता बृजेश चतुर्वेदी, पार्षद भी बघेल, सीएमओ सुरेखा जाटव, सिटी मैनेजर रानी तिवारी ने भाग लिया। इसके अलावा स्वयं सहायता समूह की महिलाएं, वरिष्ठ नागरिक और नगर पालिका के कर्मचारी भी मौजूद रहे।

कतर से श्रीमती मनीषा की सकुशल स्वदेश वापसी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इजरायल-ईरान युद्ध के चलते कतर से वापसी के लिये रह गई उज्जैन निवासी श्रीमती मनीषा भटनागर की सकुशल स्वदेश वापसी के बाद उनसे वीडियो कॉल पर चर्चा कर उनकी कुशलक्षेम पूछी। उल्लेखनीय है कि श्रीमती मनीषा भटनागर कतर एयरवेज में सीनियर केबिन क्रु हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उनकी सकुशल वापसी के लिए केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह से सहयोग के लिए अनुरोध किया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के संबंधित अधिकारियों को केंद्र सरकार के संपर्क में रहते हुए श्रीमती मनीषा की सकुशल स्वदेश वापसी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वीडियो कॉल कर कुशलक्षेम जानी

छिंदवाड़ा में भाजपा ने मनाया 'संविधान हत्या दिवस'

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा में भाजपा ने आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर 'संविधान हत्या दिवस' का कार्यक्रम आयोजन किया। कार्यक्रम में बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि 1975 का आपातकाल सत्ता बचाने का हथकंडा था, जिसमें हजारों निर्दोष नागरिकों को जेल में डाला गया। खंडेलवाल ने बताया कि छिंदवाड़ा से प्रतुलचंद द्विवेदी, नारायण भाऊजी पोफली के आठ परिजन और विजय पांडेय के पिता समेत कई लोगों को जेल भेजा गया। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी ने सभी फैसले अपने हित में लिए और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे राष्ट्रवादी संगठन पर भी प्रतिबंध लगा दिया।

राहुल गांधी पर भी साधा निशाना : विधायक हेमंत खंडेलवाल ने राहुल गांधी पर भी निशाना साधा और कहा कि वे आज भी सेना और लोकतंत्र की गरिमा को चुनौती देते हैं। "अमेरिका में भी भारतीय सेना पर सवाल उठाना कांग्रेस की वही मानसिकता दशार्ता है, जो आपातकाल के दौरान थी।"

बंदी नहीं, सेनानी कहलाना चाहते हैं : वक्ताओं ने मांग की कि आपातकाल के दौरान जेल गए लोगों को 'बंदी' नहीं, 'लोकतंत्र सेनानी' कहा जाए। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को यह जानना जरूरी है कि देश में ऐसा समय भी आया था, जब बोलने, लिखने और सोचने की आजादी छीन ली गई थी।

यह रहे उपस्थित : कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष शेष राव यादव, पूर्व विधायक रमेश दुबे, विजय पांडे और अजय सक्सेना सहित अन्य भाजपा नेता उपस्थित थे।

भोपाल में बीजेपी ऑफिस में बनी प्रतीकात्मक जेल

आपातकाल के 50 साल पूरे, संविधान पीछे लिए इंदिरा गांधी की तस्वीर लगाई

भोपाल। आज 25 जून को देश में आपातकाल लगे 50 साल पूरे हो गए हैं। 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल लगाया था। ऐसे में बीजेपी आज के दिन संविधान हत्या दिवस के रूप में आयोजन कर रही है। भोपाल में प्रदेश भाजपा कार्यालय में एक प्रतीकात्मक जेल बनाई गई है।

बीजेपी ऑफिस में लगी तस्वीर, इंदिरा ने पीछे छिपाया संविधान : बीजेपी ऑफिस में बनाई गई प्रतीकात्मक जेल के सामने इंदिरा गांधी की फोटो लगाई है। इस फोटो में इंदिरा गांधी संविधान को अपने हाथों में पीछे छिपाए हुए नजर आ रहीं हैं। दूसरे तरफ लिखा है- कांग्रेस द्वारा लगाए गए आपातकाल के काले अध्याय का 50वां वर्ष।

संविधान संशोधन की जानकारी दी गई : बीजेपी कार्यालय में एक प्रदर्शनी लगाई गई है, जिसमें आपातकाल के दौरान किए गए संविधान संशोधनों को समझाया गया है

38वां संशोधन : इसके पोस्टर में बताया गया है, सत्ता को जवाबदेही से मुक्त करने की चाल.... आपातकाल और

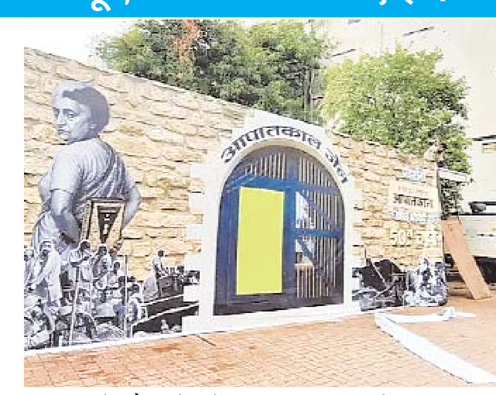

राष्ट्रपति के फैसलों को न्यायिक समीक्षा से बाहर किया। घोषित आपातकाल को अंतिम रूप देने का प्रयास किया गया। कार्यपालिका को अदालती निगरानी से पूरी तरह मुक्त किया गया। नागरिकों के मौलिक अधिकारों की न्यायिक रक्षा की संभावना भी खत्म कर दी गई।

39वां संशोधन : इस संशोधन में प्रधानमंत्री के चुनाव को न्यायिक समीक्षा से बाहर किया। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले को पलटकर इंदिरा गांधी का चुनाव बचाने के लिए रातों-रात पारित किया गया। 6 अगस्त, बुधवारः संशोधन लोकसभा में पेश किया गया। 7 अगस्त, गुरुवारः अगले ही दिन पारित भी कर दिया गया। 8 अगस्त, शुक्रवारः एक दिन के भीतर ही राज्यसभा में पारित कर दिया गया। 9 अगस्त, शनिवारः कांग्रेस शासित राज्यों में विशेष सत्र बुलाकर जरूरी 50% विधानसभाओं से अनुमोदन प्राप्त किए गए। 10 अगस्त, रविवारः संशोधन को अंतिम रूप देने के लिए रविवार को भी राष्ट्रपति भवन खुला रहा।

बीजेपी नेताओं की आपातकाल की आपबीती बताई : प्रदर्शनी में राजनाथ सिंह, अरुण जेटली, जॉर्ज फर्नांडिस, लाल कृष्ण आडवाणी और अटल बिहारी वाजपेयी के साथ आपातकाल में किए गए दुर्व्यवहार और जेल के अनुभवों को बताते हुए पोस्टर लगाए गए हैं।

प्रदेश भर में हो रहे कार्यक्रम : आपातकाल के 50 साल पूरे होने पर बीजेपी आज पूरे मप्र में संविधान हत्या दिवस के आयोजन कर रही है। भोपाल में शाम को केन्द्रीय मंत्री सीआर पाटिल प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करेंगे।

लोकतंत्र की रक्षा के लिए मीसाबंदियों का संघर्ष स्वतंत्रता संग्राम के क्रांतिकारियों जैसा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने देश में आपातकाल लागू किए जाने की 50वीं बरसी पर कहा है कि गणतंत्र की रक्षा के लिए जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सहित सभी देशभक्तों ने आपातकाल के संघर्ष में कुबार्नी दी है। इसी का प्रतिफल है कि आज दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र सुरक्षित है। भारत में संघ परिवार ने लोकतंत्र की पुनर्स्थापना का कार्य किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को मीडिया को जारी संदेश में यह विचार व्यक्त किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी, हमारे मार्गदर्शक श्री लालकृष्ण आडवाणी, पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह तथा श्रद्धेय मोरारजी देसाई सहित विपक्ष के सभी नेताओं ने एक स्वर में आपातकाल का विरोध करते हुए लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष किया। यह स्वाधीनता संग्राम में क्रांतिकारियों द्वारा किए गए संघर्ष और बलिदान की याद दिलाता है। इसीलिए सभी मीसाबंदियों को लोकतंत्र सेनानी नाम मिला है। उन्होंने कहा कि एशिया में लोकतंत्र कहीं बचा है तो उसमें जनता पार्टी सहित विपक्षी नेताओं की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। उल्लेखनीय है कि 25 जून 1975 को देश में आपातकाल लागू किया गया था। इसे लोकतंत्र के लिए काला दिन माना जाता है।

छिंदवाड़ा में सीवर लाइन खुदाई में फटी पाइपलाइन

जायजा लेने पहुंचे भाजपा पार्षद गड्ढे में गिरे, फिर वहीं बैठकर जताया विरोध

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा के गुलाबरा वार्ड में बुधवार सुबह नगर निगम की सीवर लाइन परियोजना में लक्ष्मी कंस्ट्रक्शन द्वारा की जा रही खुदाई के दौरान पाइपलाइन फट गई। जल सप्लाई के समय पानी तेज फव्वारे की तरह सड़क पर बहने लगा, जिससे राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

भाजपा पार्षद गड्ढे में गिरे

इस दौरान स्थिति का जायजा लेने पहुंचे भाजपा पार्षद संदीप सिंह चौहान अचानक एक गहरे गड्ढे में गिर गए। इसके बाद उन्होंने वहीं गड्ढे में बैठकर निगम और निर्माण एजेंसी की लापरवाही के विरोध में अनशन शुरू कर दिया। दो घंटे तक पानी से भरे गड्ढे में बैठे रहने के दौरान कोई भी निगम अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। इस दौरान पार्षद चौहान ने कहा, "जनता ने मुझे चुनकर भेजा है। उनकी समस्याओं के समाधान के लिए जान भी देनी पड़े तो पीछे नहीं हटूंगा। कुछ एजेंसियों की लापरवाही भाजपा सरकार की छवि को धूमिल कर रही है।" इससे पहले भी पार्षद चौहान इसी क्षेत्र में सीवर लाइन की खुदाई के बाद लंबे समय तक नहीं भरे गए गड्ढों का विरोध कर चुके हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि बार-बार की खुदाई और अधूरे कामों से उनका जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। निगम को इस दिशा में गंभीरता से ठोस कदम उठाने चाहिए।

बैतूल के शाहपुर में सिविल कोर्ट खोलने की मांग तेज

विधायक उईके ने सीएम को लिखा पत्र, कहा– अभी 40 किमी दूर जाना पड़ता है

बैतूल। बैतूल जिले की शाहपुर तहसील में सिविल कोर्ट की स्थापना की मांग एक बार फिर तेज हो गई है। स्थानीय विधायक गंगा सज्जन सिंह उईके ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर शाहपुर में जल्द सिविल कोर्ट का संचालन शुरू कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को लेकर वे जल्द मुख्यमंत्री से चर्चा भी करेंगी। विधायक उईके ने पत्र में लिखा है कि शाहपुर जिले की सबसे बड़ी तहसील है और यहां की जनसंख्या भी अधिक है। इसके बावजूद यहां सिविल कोर्ट की सुविधा नहीं है, जिससे लोगों को मामूली विवादों के निपटारे के लिए भी 40 किलोमीटर दूर बैतूल जाना पड़ता है। खासकर आदिवासी और गरीब तबके के लिए यह दूरी तय करना मुश्किल होता है। विधायक ने बताया कि कोर्ट के लिए जमीन का आवंटन पहले ही किया जा चुका है और शासन से स्वीकृति भी मिल चुकी है, इसके बावजूद अब तक कोर्ट का संचालन शुरू नहीं किया गया है। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि इस दिशा में जल्द ठोस कार्रवाई की जाए। विधायक का कहना है कि सिविल कोर्ट खुलने से गरीब, आदिवासी, दलित और पिछड़ा वर्ग के लोगों को न्याय मिलना आसान होगा। वर्तमान में बैतूल आने-जाने में लोगों का पूरा दिन लग जाता है और कई बार लोग किराया तक नहीं जुटा पाते।

नगरीय निकायों में हरित क्षेत्र विस्तार पर जनप्रतिनिधि दें विशेष ध्यान

भोपाल। नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने मंगलवार को भोपाल के पालिका भवन में प्रदेश के विभिन्न नगरीय निकायों के अध्यक्षों के साथ बैठक की। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से शहरी क्षेत्र में विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में सफाई कामगार आयोग के अध्यक्ष श्री प्रताप करोसिया भी मौजूद थे। आयुक्त नगरीय प्रशासन ने कहा कि नगरीय क्षेत्रों में पर्यावरण के संतुलन के लिये हरित क्षेत्र के विस्तार की आवश्यकता है। इसके साथ ही नगरीय क्षेत्रों में पार्कों के रख-रखाव की तरफ भी नियमित रूप से देखभाल किये जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अमृत योजना के अंतर्गत 12 हजार करोड़ रुपए की लागत से विभिन्न विकास कार्य प्रगति पर हैं। आयुक्त ने कहा कि नगरीय निकायों में नियमित कर संग्रहण पर ध्यान दिया जाये। कर संग्रहण में सूचना प्रौद्योगिकी का अधिकतम उपयोग किया जाए।

कार्यालयों में उपस्थिति में भी हो तकनीक का उपयोग : आयुक्त श्री भोंडवे ने कहा कि नगरीय निकाय में उचित प्रबंधन के लिये अधिकारी-कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिये फेस रिकग्निशन अटेंडेंस सिस्टम (एफआरएएस) लागू की जाये और इसमें पूरी पारदर्शिता रखी जाये। उन्होंने हाल ही में राज्य सरकार के पदोन्नति संबंधी आदेश की जानकारी भी साझा की। आयुक्त ने कहा कि इस आदेश से निकायों में सफाई मित्र, माली जैसे आवश्यक पदों पर पदोन्नति और नई नियुक्तियां की जा सकेंगी। उन्होंने नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों से कहा कि वे अपने क्षेत्र में ई-व्हीकल्स के उपयोग को प्रोत्साहित करें।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले निकाय होंगे पुरस्कृत : आयुक्त श्री भोंडवे ने विभाग की कर संग्रहण प्रोत्साहन पुरस्कार योजना की जानकरी जनप्रतिनिधियों से साझा की। उन्होंने बताया कि कर संग्रहण के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले निकायों को 100 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि वितरित की जायेगी। बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने शहरी क्षेत्रों की भूमि पर वर्षों से रह रहे नगरवासियों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिये जाने का सुझाव दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के कार्यकाल में मध्यप्रदेश लोकसेवा आयोग ने की 3,756 पदों पर भर्ती

5 हजार 317 पदों के लिए 61 भर्ती प्रक्रिया जारी

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कार्यकाल में अब तक मध्यप्रदेश लोकसेवा आयोग ने 3 हजार 756 पदों पर भर्ती की है। आयोग के अध्यक्ष डॉ. राजेश लाल मेहरा ने बताया कि दिसम्बर 2023 से अब तक जारी 75 विज्ञापनों में शामिल 4 हजार 492 पदों के लिये 3 हजार 756 उम्मीदवारों की नियुक्ति के लिए संबंधित विभागों को अनुशंसा पत्र भेजे गये हैं। आयोग ने 81 भर्ती विज्ञापन जारी किए हैं। इनके माध्यम से आगामी महीनों में 5 हजार 562 पद भरे जाएंगे। वर्तमान में 5 हजार 317 पदों के लिए 61 भर्ती प्रक्रियाएं जारी हैं। आयोग जारी किये गए वार्षिक परीक्षा कैलेंडर का पालन करते हुए भर्ती प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। उपर्युक्त सभी परिणाम मध्यप्रदेश शासन एवं उच्च न्यायालय के कुल विज्ञापित पदों में से 87% पदों के परिणाम घोषित करने के निदेर्शों के अनुपालन में घोषित किए गए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि एक संस्था के रूप में मध्यप्रदेश लोकसेवा आयोग ने प्रतिष्ठित सरकारी भूमिकाओं के लिए सबसे उपयुक्त और प्रतिभाशाली युवाओं की पहचान कर उनका चयन किया और राज्य की सेवा के प्रति अपने समर्पण को लगातार प्रदर्शित किया है। आयोग ने ऐसा करके राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में सार्थक योगदान दिया है। इस तरह आयोग ने एक सक्षम और कुशल राज्य प्रशासन की आधारशिला के रूप में अपनी भूमिका को पुष्ट किया है।

आयोग के सचिव श्री प्रबल सिपाहा ने बताया कि आयोग द्वारा उक्त अवधि में 3 राज्य सेवा परीक्षा - 2019, 2021, 2022 के लिए 1,109 पदों और 3 राज्य वन सेवा परीक्षा के लिए 200 पदों के लिए अंतिम चयन परिणाम घोषित किए गए। संबंधित विभागों को संस्तुतियां शीघ्र भेजी गईं, जिससे चयनित अभ्यर्थियों को विभिन्न विभागों में शीघ्र कार्यभार ग्रहण कराने में सुविधा हुई। उपर्युक्त अवधि में राज्य सेवा परीक्षा के माध्यम से सामान्य प्रशासन एवं गृह विभाग को क्रमशः 72 डिप्टी कलेक्टर एवं 51 उप पुलिस अधीक्षक के पदों के लिए संस्तुतियां भेजी गईं। इसके अतिरिक्त इस परीक्षा के माध्यम से सहायक संचालक स्कूल शिक्षा विभाग के 132 पदों तथा मप्र वित्त सेवा के 22 पदों के लिए भी स्कूल शिक्षा एवं वित्त विभाग को संस्तुतियां की गईं। राज्य वन सेवा परीक्षा के अंतर्गत सहायक वन संरक्षक के 19 तथा वन क्षेत्रपाल एवं परियोजना क्षेत्र अधिकारी के 181 पदों के लिए वन विभाग को अनुशंसा पत्र भेजे गए। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग में रेडियोलॉजी विशेषज्ञ के 7 पदों के लिए अनुशंसा भेजी गई। आयुष विभाग के लिए 17 विषयों में आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी के 543 तथा आयुष व्याख्याता के 71 पदों के लिए विभाग को अनुशंसा की गई। उच्च शिक्षा विभाग को सहायक प्राध्यापक परीक्षा 2022 के अंतर्गत 25 विषयों के 727 पदों के लिए अनुशंसा की गई। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग भारतीय संविधान के अनुच्छेद 315 के तहत स्थापित एक संवैधानिक निकाय है। इसकी प्राथमिक जिम्मेदारी मध्यप्रदेश राज्य की विभिन्न सार्वजनिक सेवाओं में उम्मीदवारों की भर्ती के लिए एक स्वतंत्र, निष्पक्ष, न्यायसंगत और पारदर्शी चयन प्रक्रिया सुनिश्चित करना है। आयोग द्वारा चयनित और अनुशंसित उम्मीदवारों को मध्यप्रदेश सरकार के लगभग 48 सरकारी विभागों द्वारा एक अनिवार्य और कठोर प्रक्रिया के बाद नियुक्त किया जाता है। अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों को छोड़कर, मध्यप्रदेश सरकार के 55 जिलों और विभिन्न विभागों में सेवारत सभी राजपत्रित अधिकारियों का चयन किसी न किसी समय मध्यप्रदेश लोकसेवा आयोग के माध्यम से हुआ है। विगत कुछ वर्षों में मध्यप्रदेश लोकसेवा आयोग की उपलब्धियाँ वास्तव में सराहनीय रही हैं। आयोग द्वारा जारी किए गए भर्ती विज्ञापनों की संख्या, आयोजित परीक्षाएँ, घोषित परिणाम और उसके बाद नियुक्ति के लिए बड़े पैमाने पर की गई सिफारिशों ने अगले तीन से चार दशकों के लिए राज्य के विभागों की मानव संसाधन आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

मूंग के कम दाम मिलने पर किसानों ने किया हंगामा

कृषि उपज मंडी पनप रहा भ्रष्टाचार: देवेन्द्र पाठक

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। विगत दिवस किसानों ने मंडी खरीदी प्रारंभ होने के बाद हंगामा प्रारंभ कर दिया गया। हंगामा होने की सूचना मिलने पर प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी व पुलिस प्रशासन कृषि उपज मंडी पहुंचकर किसानों से बात की। जिसमें किसानों द्वारा बताया गया कि जिले अन्य मंडियों की अपेक्षा जिला मुख्यालय की कृषि उपज मंडी मे मूंग के दाम कम दिए जा रहे है। वही मंडी व व्यापरयों द्वारा किसानों का शोषण किया जा रहा है। ऐसे अनेकों आरोप लगाते हुए किसानों द्वारा प्रदर्शन जारी रखा वही प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद व्यापारियों तथा किसानों मे मध्य सामाजनस्य स्थापित किया और बोली लगना प्रारंभ हुई।

कम भाव मिलने से गुस्साए किसान

विगत दिवस कृषि उपज मंडी में मूंग की आवक अच्छी रही और इसी दौरान उपज के दाम कम मिलने से किसानों का आक्रोश बढ़ गया और हंगामा प्रारंभ कर दिया गया। किसानों द्वारा प्रदर्शन के दौरान बताया गया कि जिले की अन्य मंडियों में मूंग की उपज के दाम अधिक है लेकिन जिला मुख्यालय की उपज मंडी मे कम दाम पर मूंग की खरीदी की जा रही है। नरसिंहपुर कृषि उपज मंडी व व्यापारियों द्वारा किसानों का शोषण किया जा रहा है। व्यापारियों की मनमानी के कारण किसानों को उनकी उपज का वाजिब दाम नही मिल पा रहा है।

व्यापारियों के साथ सांठगांठ का आरोप

किसानों द्वारा दी गई पर मंडी पहुंचे किसान नेता देवेन्द्र पाठक द्वारा किसानों से चर्चा की, जिसमें किसानों ने बताया कि सरकारी समर्थन मूल्य 7500 और 8000 रूपए प्रति क्विंटल बिक्री का रेट है, लेकिन नरसिंहपुर मंडी 7000 और 7300 प्रति क्विंटल व्यापारियों ने लगाए हैं।किसानों ने श्री पाठक को बताया कि उन्होंने 95 रूपए प्रति किलो का बीज रोपित किया था, उसके बाद श्रम, खाद का अतिरिक्त खर्चा अलग से अगर उचित दाम नहीं मिलेंगे, तो उनकी लागत भी नहीं निकल पाएगी। इसके बाद श्री पाठक ने मंडी असिस्टेंट मंडी सचिव से चर्चा की, जिस पर मंडी सचिव भी मौके पर पहुंचे और फिर से मूंग की नीलामी शुरू हुई, जिसमें 50-60 रूपए अधिक की बोली लगी, लेकिन किसान संतुष्ठ नजर नहीं आए।किसानों ने मंडी प्रशासन और व्यापारियों की सांठगांठ होने का आरोप लगाया।

कम दाम में खरीदी जा रही मूंग

उपज बेचने के लिए मंडी पहुंचे किसान नेकीलाल पटेल निवासी मचवारा द्वारा बताया गया कि मंडी में मूंग की खरीदी शुरू हुई, और व्यापारियों ने किसानों की फसल खरीदी लेकिन व्यापारियों की बोली नीचे की और जा रही थी, जिस पर नाराज किसानों मंडी अधिकारियों से बात की, और उचित दाम पर बोली की बात पर मंडी की खरीदी रोकी गई, इसके साथ ही जिले की अन्य मंडियों में मूंग का मूल्य नरसिंहपुर मंडी की अपेक्षा में अधिक दिखा। किसानों की मांग रही है कि आसपास की मंडी के मूल्य के आधार पर नरसिंहपुर मंडी में भी उसी मूल्य पर खरीदी की जाएं। किसान नेता देवेन्द्र पाठक ने कहा कि उन्होंने कृषि उपज मंडी पहुंच स्थिति का जायजा लिया। कृषि उपज मंडी में भ्रष्टाचार का बोलबाला है। मंडी कर्मचारियों व व्यापारियों की सांठगांठ कर रखी है, जिसके कारण किसानों को उपज के उचित दाम नहीं मिल रहे हैं।उन्होंने आरोप लगाया कि मंडी प्रशासन के भ्रष्टाचार के कारण किसानों को नरसिंहपुर मंडी में शोषण हो रहा है। दूर-दूर से मंडी में उपज बेचने आए किसानों को वाहन भाड़ा भी महंगा पड़ रहा है। मंडी प्रशासन और व्यापारियों की सांठगांठ को खत्म होना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्थिति जल्द नहीं बदली तो नरसिंहपुर मंडी में किसानों के हीत में बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

जनसुनवाई में आये 150 आवेदन

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। कलेक्टर कार्यालय नरसिंहपुर के जनसुनवाई हाल में मंगलवार 24 जून को जिले के विभिन्न स्थानों से पहुंचे लोगों ने कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले को अपनी समस्यायें बताई और आवेदन दिये। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आवेदनों के समय सीमा में निराकरण के निर्देश दिये। उन्होंने विभिन्न आवेदनों का मौके पर भी निराकरण कराया। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत दलीप कुमार, अपर कलेक्टर श्रीमती अंजली शाह सहित अन्य अधिकारियों ने भी लोगों की समस्यायें सुनी व आवेदन लिए और समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिये। कलेक्ट्रेट में हुई जनसुनवाई में 150 आवेदन आये।

जिले में 34.6 मिमी बारिश दर्ज

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। जिले में एक जून से 24 जून तक की अवधि में औसत रूप से कुल 100.8 मिमी अर्थात 3.96 इंच वर्षा दर्ज की गयी है। 24 जून की सुबह तक बीते 24 घंटे में जिले में औसतन 34.6 मिमी अर्थात 1.36 इंच वर्षा दर्ज की गई है। इस दिन तहसील नरसिंहपुर में 33 मिमी, गाडरवारा में 6 मिमी, गोटेगांव में 35 मिमी, करेली में 46 मिमी और तेंदूखेड़ा में 53 मिमी वर्षा आंकी गई है। अधीक्षक भू- अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 24 जून तक तहसील नरसिंहपुर में 108 मिमी, गाडरवारा में 51, गोटेगांव में 93 मिमी, करेली में 89 मिमी और तेंदूखेड़ा में 163 मिमी वर्षा आंकी गई है। इसी अवधि में पिछले वर्ष जिले में औसतन 40.80 मिमी अर्थात 1.61 इंच वर्षा हुई थी। इस अवधि में पिछले वर्ष तहसील नरसिंहपुर में 31 मिमी, गाडरवारा में 79 मिमी, गोटेगांव में 62 मिमी, करेली में 7 मिमी और तेन्दूखेड़ा में 25 मिमी वर्षा हुई थी।

गांजा तस्करों को सजा

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। न्यायालय विशेष न्यायाधीश (स्वापक औषधि एवं मनप्रभावी पदार्थ अधिनियम 1985) नीतिराज सिंह सिसौदिया के न्यायालय द्वारा गांजा तश्करी के आरोपी गिरिराज पचैरी आयु 42 वर्ष निवासी ग्राम बिलहरा थाना सुआतला तहसील तेंदूखेड़ा जिला नरसिंहपुर एवं रामबाबू साहू आयु 41 वर्ष निवासी ग्राम इटुआ थाना देवरी, जिला रायसेन वर्तमान निवासी माता मंदिर उदयपुरा जिला रायसेन दोनों को पृथक-पृथक से स्वापक औषधि और मनरू प्रभावी पदार्थ अधिनियम की धारा 08 सहपठित धारा 20(ब)(पप-बी) के तहत दोषसिद्ध पाये जाने पर तीन-तीन वर्ष का कठोर कारावास एवं दस-दस हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया गया है।

जांच की मांग: आरोपियों के परिजनों ने सौंपा ज्ञापन

शादी मे नाचते समय बिगड़ी थी तबियत

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। बीत दिनों ग्राम मारेगांव में शादी समारोह के दौरान नाचते समय एक व्यक्ति की तबियत बिगड़ गई। जिसे उपचार हेतु स्वास्थ्य केन्द्र ले जाया गया। जहां पर डाक्टरों द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया गया। वही परिजनों के दिए गए ब्यान के आधार पर विष्णु वंशकार, शिवपाल वंशकार और होरीलाल वंशकार को आरोपी बनाया गया। उक्त मामले को लेकर परिजनों द्वार निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन दिय गया। आरोपियों के परिजन ने कहा कि महेंद्र की मौत हार्ट अटैक से हुई थी। लेकिन गोपाल वंशकार और मुन्नीबाई ने षड्यंत्र के तहत भूरा वंशकार, नीरज वंशकार, राजकुमार वंशकार और एक नाबालिग पर हत्या का झूठा आरोप लगाया। पुलिस ने इन सभी को जेल भेज दिया है। परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने बिना पर्याप्त साक्ष्य के आरोपियों पर गंभीर धाराएं लगाई हैं। नामजद सभी लोग निर्दोष हैं। मृतक की मौत में किसी तरह की मारपीट या हिंसा नहीं हुई थी। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर जल्द मामले की सही जांच नहीं हुई तो वे उच्च न्यायालय और मानवाधिकार आयोग में जाएंगे।

रीजनल इंडस्ट्री स्किल एंड एम्प्लॉयमेंट का आयोजन 27 को

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। राज्य शासन के सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम विभाग व उद्योग संचालनालय द्वारा जारी निदेर्शों के परिपालन में रीजनल इंडस्ट्री स्किल एंड एम्प्लॉयमेंट- राईस कॉनक्लेव का आयोजन स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नरसिंहपुर के ऑडिटोरियम में 27 जून 2025 को किया जायेगा। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने कार्यक्रम की पूर्व सुव्यवस्थित तैयारी एवं सफल आयोजन के लिए महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र नरसिंहपुर को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। साथ ही अधिकारियों को विभिन्न दायित्व सौंपे हैं।

शैक्षिक भ्रमण हेतु दल रवाना

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। गत दिवस स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना उच्चशिक्षा भोपाल एवं डॉ. आर. बी. सिंह प्राचार्य के निर्देशन में प्रधानमंत्री एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के रसायन शास्त्र विभाग द्वारा एम.एस.सी. चतुर्थ सेमेस्टर के 15 विद्यार्थियों का सेंस वरूण इंवायरमेंटल लैवोरेटरी प्राईवेट लिमिटेड विजय नगर जबलपुर में एक दिवसीय औद्यौगिक भ्रमण को कराया गया। जिसमें विद्यार्थियों को पीने के पानी, मृदा, वायु, नमी, हैवीमैटल्स, ध्वनि के विभिन्न पैमानों के परीक्षण की तकनीकी एवं उपकरणों की जानकारी विस्तृत रूप से प्रदान की गयी। जिससे विद्यार्थियों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण को विकसित करने के साथ-साथ रोजगार के अवसर उपलब्ध करने में सहायता प्राप्त होगी। औद्योगिक भ्रमण का डॉ. जगदीश सेन, कु. विशाखा शर्मा द्वारा सफल आयोजन किया गया तथा राजेश कुमार मेहरा एवं गोमती सिलावट का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण में जिला अव्वल

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण करने में जिले को मध्यप्रदेश में द्वितीय समूह ए ग्रेडिंग प्राप्त हुई है। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले द्वारा समय सीमा की बैठक और अन्य बैठकों में दिये गये निर्देशन में विभाग प्रमुख द्वारा सीएम हेल्पलाइन में संतुष्टि के साथ शिकायतों का निराकरण किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि जिले में माह मई-2025 में कुल 5 हजार 908 शिकायतें प्राप्त हुईं थीं, जिनका 48.72 प्रतिशत संबंधित शिकायतकर्ता से संपर्क कर संतुष्टिपूर्वक निराकरण किया गया। इसके अलावा 50 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों का वेटेज 12.81 प्रतिशत, निम्न गुणवत्ता से बंद शिकायतों का वेटेज 9.8 प्रतिशत, नॉन अटेंडेंट शिकायतों का वेटेज 9.92 प्रतिशत है। इस प्रकार कुल वेटेज स्कोर 81.25 प्रतिशत रहा और जिले ने द्वितीय समूह में ए ग्रेड प्राप्त किया।

चुनाव प्रक्रिया के लिए जिला निगरानी समिति गठित

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नरसिंहपुर श्रीमती शीतला पटले ने सभी दिव्यांग व्यक्तियों के सुगम्य और समावेशी चुनाव प्रक्रिया के लिए जिले में किये जा रहे उपायों की निगरानी और मूल्यांकन करने के लिए सुगम्य चुनाव एवं जिला निगरानी समिति- डीएमसीएई का गठन किया है। यह जिला निगरानी समिति- डीएमसीएआई का गठन का आदेश भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मयप्रदेश द्वारा जारी निदेर्शों के परिपालन में जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार समिति की अध्यक्ष कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी होंगी।

भ्रष्टाचार के मामले में जांच की मांग

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। गत दिवस स्वास्थ्य विभाग में हुए भ्रष्टाचार की जांच को लेकर जिला प्रशासन के नाम लिखित शिकायत देकर जांच की मांग की गई। आवेदन मे बताया गया कि स्वास्थ्य विभाग मे पदस्थ डॉ. जी पी भनारिया द्वारा विभाग मे मनमाफिक भ्रष्टाचार किया गया है जिसकी जांच तत्कालीन कलेक्टर द्वारा कराई जा रही थी तभी स्थानांतरण हो गया जिस कारण जांच स्थगित हो गई। शिकायती पत्र में डॉ. जी.पी. भानारिया पर लगे वित्तीय अनियमितताओं के मामलों की पुनः जांच की मांग की गई है। जांच के दौरान स्थानांतरण भी किया गया लेकिन डा भनारयिा द्वारा सांठगांठ के चलते स्थानतरण पर स्थन लिया गया। जिससे लोगों के मन मे संदेह है कि डा भनारिया द्वारा पुनः भ्रष्टाचार ना किया जाए। उक्त मामले की जांच की जावे। हालांकि, वे लंबे समय तक उपस्वास्थ्य केंद्र सिंगपुर बड़ा में कार्यरत रहे। शिकायतकर्ता पीतम रजक का कहना है कि डॉ. भानारिया का नरसिंहपुर में तबादला जांच को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री से डॉ. भानारिया को नरसिंहपुर से तत्काल हटाने और जांच में तेजी लाने की मांग की है।

मृत्यु होने पर 4 लाख रुपये स्वीकृत

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। जिले के ग्राम मुराछ के मुकेश पिता विष्णु प्रसाद विश्वकर्मा की कृषि कार्य करते समय करंट लगने पर उनके निकटतम वारसान उनकी पत्नि संध्याबाई को मुख्यमंत्री जीवन कल्याण योजना के अंतर्गत 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। जारी आदेश के अनुसार नरसिंहपुर तहसील के ग्राम मुराछ निवासी मुकेश पिता विष्णु प्रसाद विश्वकर्मा कृषि कार्य करते समय करंट लगने से मृत्यु हो गई थी। इस पर संयुक्त कलेक्टर नरसिंहपुर ने मप्र राज्य कृषि वितरण बोर्ड भोपाल के तहत मुख्यमंत्री कृषक जीवन कल्याण योजना के अंतर्गत मृतक के निकटतम वारिस उनकी पत्नी संध्याबाई को 4 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की है।

खेल-व्यापार

रुपया शुरूआती कारोबार में 13 पैसे की बढ़त के साथ 85.92 प्रति डॉलर पर

नई दिल्ली। इजराइल और ईरान के बीच तनाव समाप्त होने की उम्मीद तथा घरेलू शेयर बाजारों की मजबूत शुरूआत के बीच रुपया बुधवार को शुरूआती कारोबार में 13 पैसे की बढ़त के साथ 85.92 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि और विदेशी पूंजी की निकासी ने हालांकि स्थानीय मुद्रा के लाभ को सीमित कर दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 86.00 प्रति डॉलर पर खुला। फिर 85.92 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 13 पैसे की बढ़त दशार्ता है। रुपया मंगलवार को करीब पांच साल में सबसे अधिक एकल दिवसीय बढ़त दर्ज करते हुए 73 पैसे चढ़कर 86.05 पर बंद हुआ था। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा कारोबार में 1.30 प्रतिशत की बढ़त के साथ 68.01 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दशार्ने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 97.91 पर रहा। घरेलू शेयर बाजार में बीएसई सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में 426.79 अंक चढ़कर 82,481.90 अंक पर पहुंच गया जबकि निफ्टी 123.25 अंक की बढ़त के साथ 25,167.60 अंक पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 5,266.01 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

सेंसेक्स, निफ्टी में शुरूआती कारोबार में तेजी

नई दिल्ली। ईरान और इजराइल के बीच युद्ध विराम के बाद पश्चिम एशिया में तनाव कम होने के संकेतों के बीच वैश्विक बाजारों में तेजी के बीच सेंसेक्स और निफ्टी में बुधवार को शुरूआती कारोबार में तेजी दर्ज की गई। बीएसई सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में 426.79 अंक चढ़कर 82,481.90 अंक पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 123.25 अंक की बढ़त के साथ 25,167.60 अंक पर रहा। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से टाइटन, एचसीएल टेक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, अल्ट्राटेक सीमेंट, हिंदुस्तान यूनिलीवर और टाटा स्टील के शेयर सबसे ज्यादा लाभ में रहे। कोटक महिंद्रा बैंक और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर नुकसान में रहे।

हार के बाद गेंदबाजों के बचाव में उतरे हेड कोच गौतम गंभीर, कहा- हमें उन्हें समय देना होगा

इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में हार के दौरान भारतीय गेंदबाजों की अनुभवहीनता खुलकर उजागर हो गई लेकिन हेड कोच गौतम गंभीर ने कहा कि टीम के अधिकतर तेज गेंदबाजों का बचाव करते नजर आए। उन्होंने कहा कि कई गेंदबाज अभी अपने करियर की शुरूआत कर रहे हैं और उन्हें कुछ और समय देने की जरूरत है। इंग्लैंड की पहली पारी में पांच विकेट लेने वाले जसप्रीत बुमराह को छोड़कर कोई भी अन्य गेंदबाज प्रभावशाली नहीं दिखा और मेजबान टीम ने मंगलवार को मैच के पांचवें और अंतिम दिन 371 रन का लक्ष्य बिना किसी परेशानी के हासिल कर लिया। प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज और शार्दुल ठाकुर की तेज गेंदबाजी तिकड़ी की लाइन और लेंथ में निरंतरता का अभाव दिखा। गंभीर ने भारत की पांच विकेट से हार के बाद संवाददाताओं से कहा कि, हमें उन्हें समय देना होगा। पहले हमारी टीम में चार तेज गेंदबाज होते थे जिन्होंने 40 से ज्यादा टेस्ट मैचों का अनुभव किया था। वनडे या टी20 मैचों में इसका इतना बड़ा प्रभाव नहीं पड़ता लेकिन टेस्ट मैच खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड या दक्षिण अफ्रीका का दौरा करते हैं तो अनुभव काफी मायने रखता है। गंभीर ने आगे कहा कि, उनके करियर के अभी शुरूआती दिन हैं। अगर हम हर टेस्ट मैच के बाद अपने गेंदबाजों का मूल्यांकन करना शुरू कर देंगे। तो हम अच्छा गेंदबाजी आक्रमण कैसे तैयार कर पाएंगे। बुमराह और सिराज के अलावा हमारे पास तेज गेंदबाजी में उतना अनुभव नहीं है, लेकिन उनमें गुणवत्ता है और यही कारण है कि वे इस भारतीय टीम में हैं। वहीं गेंदबाजी आक्रमण को लेकर गंभीर ने कहा कि, इस गेंदबाजी आक्रमण में से एक गेंदबाज ने पांच टेस्ट मैच खेले हैं, एक ने

नकली नोटों से जादू-टोना कर लोगों को बना रहा था शिकार, जबलपुर पुलिस ने दबोचा

गोहलपुर थाना पुलिस की बड़ी सफलता, 11,520 चिल्ड्रन बैंक के नकली नोट और 25 हजार रुपए नकद जब्त

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। नकली नोटों और झूठे जादू-टोने के नाम पर आम जनता से धोखाधड़ी करने वाले एक शातिर ठग को गोहलपुर पुलिस ने धरदबोचा है। आरोपी के पास से बच्चों के खेल में प्रयुक्त होने वाले 500-500 रुपए के कुल 11,520 नकली नोट और 25 हजार रुपए नकद जब्त किए गए हैं। गौरतलब है कि थाना गोहलपुर की यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है जब वहां हाल ही में नई नेतृत्वकारी दिशा मिली है, और इसका असर पुलिसिंग के ताजे तेवरों में साफ दिखाई दे रहा है।

ठगी की चालबाजी ऐसे आई सामने

भोजपुर जिले के 18 वर्षीय युवक अनिकेत राय ने शिकायत की थी कि विनय उर्फ विनू नामक एक युवक ने उससे मोबाइल पर संपर्क कर जादू-टोना के जरिए पैसों को कई गुना करने का झांसा दिया। युवक की बातों में आकर फरियादी और उसका दोस्त 24 जून की सुबह लेमा गार्डन पहुंचे और आरोपी को 15 हजार रुपए दे दिए। कुछ मंत्र-पद्धति के प्रदर्शन के बाद आरोपी ने एक गड्डी लौटाई और कहा कि अब ये रकम 75 हजार हो गई है। गड्डी के ऊपर-नीचे 500-500 के असली नोट लगे थे, लेकिन बीच में भरे गए सारे नोट ह्लचिल्ड्रन बैंक ऑफ इंडियाह्व के नकली नोट निकले।

शिकायत मिलते ही पुलिस हरकत में

अनिकेत और उसके मित्र ने मौके पर ही आरोपी को पकड़ा और सीधे थाने ले आए। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी के पास से भारी मात्रा में नकली नोट और ?25,000 नगद जब्त किए।

सूझबूझ और सक्रियता का नतीजा

पूरे घटनाक्रम में गोहलपुर थाना टीम की सतर्कता और संयम स्पष्ट रूप से देखने को मिला। पदभार संभालने के कुछ ही समय में जिस तरह से प्राथमिकताओं को व्यवहार में बदला गया है, वह विभागीय कार्यशैली में सकारात्मक बदलाव की ओर संकेत करता है।

संभावित गिरोह की तलाश जारी

आरोपी से गहन पूछताछ की जा रही है। पुलिस को आशंका है कि इस ठगी में और भी लोग शामिल हो सकते हैं। गिरोह की कड़ियों को जोड़ने की कोशिश जारी है।

टीम की सक्रिय भूमिका

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी रितेश पाण्डेय के नेतृत्व में उपनिरीक्षक किशोर बागड़ी, सहायक उपनिरीक्षक राधेश्याम राय, प्रधान आरक्षक अरुण, आलोक यादव, गोपाल राय, अभिरंजन सिंह, समरेन्द्र, दिनेश दुबे और संजय सिंह की भूमिका सराहनीय रही।

थाना प्रभारी रितेश पाण्डेय ने बताया

"आरोपी बहुत शातिर तरीके से लोगों को झांसे में लेकर नकली नोटों के जरिए ठगी कर रहा था। उसने ह्यजादू-टोनाह्न और धन दुगना करने की फर्जी कहानी गढ़ी थी, जिससे भोले-भाले युवाओं को निशाना बना रहा था। फरियादी की सतर्कता से समय पर सूचना मिली और टीम ने तत्परता से कार्रवाई की। आरोपी के कब्जे से बड़ी संख्या में नकली नोट और नकद रकम जब्त की गई है। आगे पूछताछ में और लोगों की संलिप्तता सामने आ सकती है, जिसकी जांच जारी है।

रिपोर्ट मोहम्मद अकरम अंसारी

खेलों के मैदान में जबलपुर का परचम, तीसरे दिन कबड्डी और एथलेटिक्स में जमकर चला दबदबा

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। पुलिस लाइन, जबलपुर में आयोजित 24वीं पूर्वी जोन अंतर जिला पुलिस वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता 2025 के तीसरे दिन (25 जून 2025) खिलाड़ियों का जोश अपने चरम पर नजर आया। रानी दुर्गावती खेल परिसर, रानीताल स्टेडियम और पुलिस लाइन परेड ग्राउंड में कबड्डी, हॉकी, फुटबॉल और एथलेटिक्स के मुकाबले खेले गए, जिसमें जबलपुर और नरसिंहपुर जिलों की टीमें प्रमुखता से उभरीं। कबड्डी में जबलपुर बना चैंपियन, अर्जुन अवार्डी मधु यादव रहीं मौजूद रानी दुर्गावती खेल परिसर में कबड्डी का फाइनल मुकाबला जबलपुर और नरसिंहपुर के बीच खेला गया, जिसमें जबलपुर की टीम ने रोमांचक मुकाबले में नरसिंहपुर को हराकर कबड्डी चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। मुकाबले के साक्षी बनीं अर्जुन अवार्डी सुश्री मधु यादव, जिनकी उपस्थिति ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ा दिया।

हॉकी: फाइनल में जबलपुर और नरसिंहपुर की टक्कर तय- रानीताल स्टेडियम में सिवनी और नरसिंहपुर के बीच खेले गए हॉकी मैच में नरसिंहपुर की टीम ने 3-1 से शानदार जीत दर्ज की। इसके साथ ही वह फाइनल में पहुंच गई, जहां उसका मुकाबला 26 जून को जबलपुर से होगा।

फुटबॉल में छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर और रीवा आगे- पुलिस लाइन परेड ग्राउंड में खेले गए फुटबॉल मुकाबलों में– छिंदवाड़ा ने बालाघाट को 2-0 से हराया, नरसिंहपुर ने सिवनी को 4-1 से मात दी, जबकि रीवा को कटनी की अनुपस्थिति के चलते वॉकओवर मिला। फुटबॉल के सेमीफाइनल मुकाबले 26 जून को खेले जाएंगे। एथलेटिक्स में जबलपुर की महिला खिलाड़ियों का दबदबा

महिला वर्ग में–

100 मीटर दौड़: कुसुमलता सरोते (जबलपुर) प्रथम, किशोरी यादव (जबलपुर) द्वितीय, अंकिता सिंह (शहडोल) तृतीय 200 मीटर दौड़: किशोरी यादव (जबलपुर) प्रथम, अंकिता कर-वेती (डिंडोरी) द्वितीय, प्रिया सिंह (नरसिंहपुर) तृतीय

400 मीटर दौड़: किशोरी यादव (जबलपुर) ने लगातार दूसरा गोल्ड जीता

1500 मीटर दौड़: फिर से किशोरी यादव ने बाजी मारी गोला फेंक, तवा फेंक और भाला फेंक झ इन सभी में जबलपुर की रंजना, स्नेहलता और कुसुमलता ने क्रमशः शीर्ष स्थानों पर कब्जा जमाया पुरुष वर्ग में भी छिंदवाड़ा और मंडला का प्रदर्शन उल्लेखनीय

200 मीटर दौड़: आशीष यादव (छिंदवाड़ा) प्रथम

400 मीटर दौड़: जय दुबे (जबलपुर) प्रथम

1500 मीटर: कैलाश वर्मा (छिंदवाड़ा) ने जीत दर्ज की

गोला फेंक: प्रीतम उपाध्याय (प्रथम)

तवा फेंक: अजय डबराल (जबलपुर) प्रथम

हाई जम्प: फिर एक बार आशीष यादव (छिंदवाड़ा) ने परचम लहराया

भाला फेंक: महासिंह (मंडला) प्रथम, शैलेन्द्र (शहडोल) द्वितीय, ओमप्रकाश (सतना) तृतीय

संगठन और अनुशासन का सधा तालमेल

खेल मैदान में दिखा अनुशासन, उत्साह और टीम भावना स्पष्ट रूप से इस बात की गवाही देता है कि आयोजन न केवल प्रतिस्पर्धात्मक रहा, बल्कि प्रशासनिक सूझबूझ और नेतृत्व कौशल की छवि भी प्रस्तुत करता है। विशेष उल्लेख योग्य है कि आयोजन स्थल पर सुरक्षा, समयबद्धता और समन्वय की व्यवस्थाएं नई जिम्मेदारी संभाल रहे स्थानीय पुलिस अधिकारियों की सक्रिय निगरानी में अत्यंत सुचारु रहीं।

रिपोर्ट लुकमान अंसारी

जबलपुर रूट की ट्रेनों से 50 से अधिक किन्नर गिरफ्तार

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। जबलपुर रूट की ट्रेनों में अवैध वसूली करने वाले 50 से अधिक किन्नरों को गिरफ्तार किया है। इनमें बुधवार को पकड़े गए 4 किन्नर भी शामिल हैं। ये किन्नर पहले जनरल कोच में चढ़ते थे, लेकिन अब एसी और स्लीपर कोच में भी यात्रियों से वसूली की शिकायतें मिल रही थी। इसके बाद आरपीएफ ने पिछले एक सप्ताह से विशेष अभियान चलाया है। हालांकि, जमानती धाराएं होने के कारण उन्हें तुरंत जमानत भी मिल गई। बता दें, जबलपुर से कटनी और इटारसी की तरफ से 35 से अधिक ट्रेनें रोजाना गुजरती हैं। इनमें से भीड़भाड़ वाली ट्रेनों में यात्रियों से रुपए वसूलते हैं। ये 3-3 के ग्रुप में किन्नर होते हैं। जब उनकी डिमांड पूरी नहीं होती वे यात्रियों के साथ अभद्रता करते रहते हैं। यात्रियों से 50, 100 रुपए की मांग करते हैं। जब इसका विरोध किया जाता है तो वे यात्रियों के साथ अभद्रता और मारपीट तक कर देते हैं।

किसी भी कोच में घुसकर करते हैं वसूली

इटारसी से जबलपुर आए यात्री नितेश ने बताया कि मैं अपनी स्लीपर बर्थ पर बैठा था। तभी दोनों तरफ से 4 ट्रांसजेंडर आ गए। वे ताली बजाकर पैसे मांगने लगे। एक यात्री ने उनसे पूछा कि आप रिजर्वेशन कोच में कैसे आ गए? इतना सुनते ही किन्नर भड़क गए। बहस करते हुए अपशब्द कहने लगे। विवाद के दौरान कुछ यात्रियों ने तत्काल आरपीएफ को सूचना दी। इसके बाद ट्रेन जैसे ही जबलपुर में रुकी तो आरपीएफ ने किन्नरों को गिरफ्तार कर लिया। यात्रियों का कहना है कि पहले ये पैसेंजर ट्रेन के जनरल कोच में ही दिखते थे। लेकिन, अब स्लीपर-एसी समेत किसी भी कोच में घुसकर अवैध वसूली करते हैं।

संक्रामक, बीमारियों को फैलने से रोकने लगातार दवाईयों का छिड़काव और फागिंग कराने का कार्य जारी: निगमायुक्त

नागरिकों को राहत दिलाने नगर निगम द्वारा चलाया जा रहा है वार्डवार जनजागरूकता अभियान

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। संक्रामक बीमारियों के फैलाव से शहर के नागरिकों को राहत दिलाने नगर निगम द्वारा निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव के निदेर्शानुसार कीटनाशक दवाईयों का छिड़काव एवं फागिंग अभियान चलाया जा रहा है। इस संबंध में उपायुक्त संभव अयाची, स्वास्थ्य अधिकारी सुश्री अंकिता बर्मन ने बताया कि शहर में छिड़काव एवं फागिंग कार्य के लिए टीमों को लगाया गया है। उन्होंने कहा कि यह अभियान नियमित रूप से वार्डवार शाहरी क्षेत्रों के सभी मुख्य मार्गो, कॉलोनियों, सघन बस्तियों, मलिन बस्तियों, सार्वजनिक स्थलों, अस्पतालों, के अलावा बाजार क्षेत्रां में कीटनाशक दवाईयों का छिड़काव एवं फागिंग कार्य कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कीटनाशक दवाईयों के छिड़काव एवं फागिंग कार्य से डेंगू, चिकिनगुनिया और अन्य मौसमी बीमारियों से आम नागरिकों को राहत मिल रही है। उपायुक्त संभव अयाची, स्वास्थ्य अधिकारी सुश्री अंकिता बर्मन ने बताया कि नगर निगम क्षेत्र में अभियान के तहत सभी 16 संभागों में डेंगू, चिकिनगुनिया एवं अन्य संक्रमण बीमारी की रोकथाम हेतु दवा छिड़काव एवं फॉगिंग का कार्य लगातार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आज रानी दुर्गावती वार्ड, निर्मल चन्द्र जैन वार्ड, शहीद भगत सिंह एवं भगवान परशुराम वार्ड में कॉलोनियों और बस्तियों का भ्रमण कर लार्वा की पहचान एवं विनष्टीकरण जानकारी के लिए जन जागरूकता अभियान के साथ-साथ कीटनाशक दवाईयों का छिड़काव एवं फागिंग कार्य किया गया।

अनुशासन ही पहला कर्तव्य है .... पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय ने नवआरक्षकों को दी प्रशिक्षण से पूर्व ब्रीफिंग

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। पुलिस सेवा में नवचयनित आरक्षकों को प्रशिक्षण के लिए रवाना करने से पूर्व पुलिस अधीक्षक जबलपुर सम्पत उपाध्याय ने उन्हें कर्तव्यबोध, अनुशासन और प्रतिबद्धता का पाठ पढ़ाया। आज दिनांक 25 जून 2025 को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित सत्र में श्री उपाध्याय ने नव आरक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि.... आप हजारों-लाखों अभ्यर्थियों में से चयनित होकर इस सेवा में आए हैं, यह आपकी योग्यता और जिम्मेदारी दोनों का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण केवल फिजिकल या अकादमिक तैयारी का माध्यम नहीं, बल्कि यह वह नींव है जिस पर आने वाले वर्षों की पुलिस सेवा का चरित्र तैयार होता है। प्रशिक्षकों की हर सीख को जीवन की आधारशिला समझें, क्योंकि वही आपको कठिन से कठिन परिस्थितियों में सही निर्णय लेने की ताकत देगी,ह्व .... उन्होंने नव आरक्षकों को प्रेरित करते हुए कहा। ट्रेनिंग सेंटरों की सूची और संख्या जबलपुर पुलिस लाइन में पदस्थ कुल 90 नव आरक्षकों में से....

36 को PTC इंदौर 8 को PTS उमरिया 17 को PTS तिघरा भेजा जा रहा है, जबकि शेष नव आरक्षक PTS रीवा, पचमढ़ी, सागर व भैरी भोपाल में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।

उपस्थिति में दिखा उत्साह और आत्मविश्वास

इस अवसर पर रक्षित निरीक्षक जय प्रकाश आर्य और सूबेदार अभित शिववंशी भी उपस्थित रहे। सभी नव आरक्षकों के चेहरे पर गर्व और आत्मविश्वास की झलक साफ देखी गई। पुलिस अधीक्षक की यह ब्रीफिंग न सिर्फ औपचारिक प्रक्रिया थी, बल्कि यह युवा आरक्षकों को आत्मचिंतन और आत्मानुशासन की दिशा में प्रेरित करने वाला संवाद था। जबलपुर पुलिस के नेतृत्व की यह परंपरा, भावी पुलिस बल को आदर्श और अनुशासित दिशा में तैयार करने की सार्थक पहल मानी जा रही है।

रिपोर्ट आरती लोधी

सब गोलमाल है.. क्या अंजुमन, क्या मोमिन ईदगाह वक्फ की नयी कमिटी...और क्या आजाद बाग

गायब अध्यक्ष, बंद दफ़्तर

मुहम्मद अनवार बाबू
jabalpur@hotmail.com

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। कल दोपहर अंजुमन स्कूल पहुँचा....इरादा था अध्यक्ष अन्नू अनवर से स्कूल के भीतर चल रही उथल-पुथल पर सीधी बात करने का। फोन उठाते हैं, कहते हैं: रात को ऑफि स में मिलिए, बात करेंगे। रात को पहुँचता हूँ....ऑफि स पर ताला। फोन मिलाया.... अभी बस दस मिनट पहले घर आया हूँ, थक गया हूँ। बड़े आराम से सच्चाई से मुलाकात टालनी थी?

आजाद बाग की आजादी

हम लोग देर रात पहुँचे गोहलपुर के आजाद बाग, जहाँ कई वर्षों से एक पहलवान का कब्जा है.... और संयोग से वही पहलवान मोमिन ईदगाह की नई वक़्फ कमेटी में सदस्य भी बना दिए गए हैं। बाहर क्या है? एक मदरसा, एक आँगनवाड़ी, और एक सरकारी हॉस्पिटल। मतलब? सरकार खुद अपनी जमीन का किराया एक अवैध कब्जाधारी को दे रही है। और जिन अधिकारियों को ये सब देखना चाहिए था, उन्होंने आँखें ऐसे मूँद लीं जैसे आँखें नहीं, समझ की खिड़की बंद कर दी हो। अब मजा देखिए....जिन अन्नू अनवर साहब ने कहा था मैं घर पर हूँ, वही आजाद बाग पर मौजूद थे। साथ में उनकी अंजुमन टीम और वक्फ मोमिन ईदगाह की टीम....दोनों। मतलब दोनों जगहों पर घी में हाथ और सर कढाई में, और रोटी दोनों तरफ से सेंकी जा रही है। आजाद बाग में तकरीबन 20 लोग बैठे थे उसमे मोमिन ईद गाह वक्फ कमिटी नयी वाली और अंजुमन स्कूल कमिटी के दोनी लोग सम्मिलिते थेङ्ख अन्दर किसी का पारिवारिक मसला निपटाया जा रहा था जिसे पहलवान निपटा रहे थे यानि अदालत लगी थी। वाह जनाब ङ्ख बातें चल रही हैं, पारिवारिक मसले सुलझाए जा रहे हैं। सरकार की जमीन पर, कमेटी के झूठे रसूख पर, और पहलवान की पंचायत पर। बड़ी बड़ी देग चढ़ रही है उसपे भी मुगालता ये की हम लोग अच्छा काम कर रहे हैङ्ख चार यारी कमिटी है 100 रुपया मिलाते है फिर रोज या गाहे बगाहे पकवान बनते है। वो जमीन जो कीमती है जिसपर सामाजिक भवन बन सकता है जिसमे सरकारी कॉलेज बन सकता है। ऐसी मौज मस्ती के लिए बेकार पड़ी है। सरकार साहब (प्रदेश सरकार) मुस्लिम इलाके में एक सरकारी कॉलेज की बड़ी दरकार हैङ्ख क्या उसके लिए सबसे बेहतरङ्ख यही जगह नहीं.. आजू बाजु दो हायर सेकंड्री स्कूल, दो उर्दू स्कूल.. और एक हिंदी स्कूल.. इनमे तीन स्कूल शासकीय है तो एक शासकीय कॉलेज भी यही हो जाये।

कमेटियों का कुटुंब मॉडल

नाजनीन अंसारी....अंजुमन स्कूल ट्रस्ट में। उनका भाई इसरार अंसारी....मोमिन ईदगाह वक़्फ कमेटी में। बहन स्कूल में, भाई ईदगाह में। न कोई लिखित योग्यता, न कोई पारदर्शी चयन प्रक्रिया....सिर्फ रिश्ता चल रहा है। यहाँ सिफारिशें मेरिट से तेज दौड़ रही हैं।क्योकि इसरार अंसारी अन्नू की दुकान में कर्मचारी है।

देर रात की हाई-प्रोफाइल मीटिंग

रात आठ बजे तक अंजुमन में बैठक चली। अन्नू अनवर, गुलाम मुस्तफा, नाजनीन अंसारी, इकबाल कुरैशी....वही पुराने चेहरे, वही पुराना खेल। बाकी कमेटी सदस्य? शायद नाम के लिए रखे गए हैं, कुर्सियों पर धूल जमा रही है। बैठक का विषय? शबीना अंसारी को स्थायी प्राचार्य बनाने की चिट्ठी पर चर्चा। नतीजा? ढाक के तीन पात....एक बार फिर कोई निर्णय नहीं। स्कूल फिलहाल बिना प्रिंसिपल के है, और हालात ऐसे हैं कि गुटबाजी की दीवारें पढ़ाई की बुनियाद को ढँक चुकी हैं।

67 साल का सुपरफि ट स्पोर्ट्स टीचर

शकील अनवर....भारत में शायद अकेले स्पोर्ट्स टीचर होंगे जिन्हें 67 साल की उम्र में भी एक्सटेंशन मिल रहा है। क्यों? क्योंकि वे किसी ऊँचे रसूख वाले के रिश्तेदार हैं। शायद किसी के मामू है.. दूसरी तरफ, मैडम दिलशाद मिर्जा, जिन्होंने 30 साल तक पढ़ाया, उन्हें एक्सटेंशन नहीं मिला। क्योंकि उनका कोई रिश्तेदार कमिटी में नहींङ्ख शिक्षा की दुनिया में ये कैसा तराजू है जहाँ शारीरिक मेहनत को 67 में भी मान्यता मिलती है लेकिन मानसिक श्रम को दरकिनार कर दिया जाता है?

अब एक 67 साल का खेल टीचर क्या खेल ट्रेनिंग देगा-अल्लाह ही जाने

अप्रैल की बारात और बहीखाते की बहार स्कूल का ग्राउंड....शादी का मंडप। फीस....52,000, सिक्योरिटी....10,000ङ्खऔर रसीद? कुछ को मिलती है, कुछ को नहीं। सूत्र बताते हैं: कुछ आयोजनों का पैसा डायरेक्ट बाबुओं में डिवाइड हो जाता है। और अगर किसी विधायक का फोन आ जाए या नेता की सिफारिश लग जाए....तो फीस डिस्काउंटेड! गरीब से पूरा पैसा, रसूखदार से मोलभाव। अब सवाल....क्या अंजुमन स्कूल के पास इतनी हिम्मत है कि इस साल की सारी शादियों का हिसाब सार्वजनिक करे?

प्राचार्य की कुर्सी राजनीति की बिसात

जब किसी स्कूल की दीवारों पर शैक्षिक घोषणाओं की जगह पंडाल के रेट चिपके हों, जब प्राचार्य की कुर्सी राजनीति की बिसात बन जाए, जब भर्ती, एक्सटेंशन, मीटिंग और मैदान सब संपत्ति प्रबंधन में तब्दील हो जाएं.... तो समझ लीजिए, इमारत चुप नहीं, अंदर ही अंदर फट रही है अगली बार अगर कोई कहे कि अंजुमन फिर से शिक्षा का मंदिर बनेगा....तो पहले उससे पूछिए: कितनी शादियाँ हुईं थीं, कितना पैसा आया, और कौन ले गया? कितनी दुकानी के केस चल रहे है.. कितनो के केस वापिस लिए गये.. अगर वापिस लिए गये तो उसकी बुनियाद क्या थी

दीवारें बोल रही हैं

जब किसी स्कूल की बाहरी दीवार पर मैरिज ग्राउंड फॉर रेंट का तमगा चपका हो, अंदर प्रिंसिपल की कुर्सी खाली हो, और स्टाफ-रूम में रिश्तेदारियों की पहरेदारी हो....तो समझिए इमारत चीख रही है। वह कह रही है: मैं स्कूल हूँ, शादीघर नहीं। मुझे बच्चों की किताबें चाहिए, बारात की बत्तियाँ नहीं। मुझे प्राचार्य चाहिए, प्रॉपर्टी डीलर नहीं।

सवाल जो हवा में लटके हैं

इस साल मैदान की कितनी शादियाँ हुईं, कितना पैसा आया और किसने ले गया? 67 वर्षीय स्पोर्ट्स टीचर को दोबारा रखने का लिखित आधार क्या है? प्राचार्य नियुक्ति में देरी का हिसाब जनता को कौन देगा? आजाद बाग की वक़्फ जमीन पर सरकार कब तक किराया देती रहेगी?

आखिरी बात

अगर कोई कहे कि अंजुमन फिर शिक्षा का मंदिर बनेगा, तो पहले कागज दिखाइए, हिसाब माँगिए। क्योंकि जहाँ भाई-बहन की जोड़ी कमेटी में हो, जहाँ अध्यक्ष के फोन पर सच्चाई थकान से हार जाती है, वहाँ शिक्षा नहीं, रसूख पढ़ाया जाता है। और याद रखिए....एक स्कूल को बचाना सिर्फ.प्रिंसिपल नियुक्त कर देना नहीं होता; उसे शादियों के मंडप, अवैध कब्जों और रिश्तेदारी के जाल से आजाद करना भी होता है। तभी कल किसी बच्चे की किताब पर इमारत की वो चीख नहीं, उम्मीद लिखी जाएगी।

संतान न होने के दुख में महिला ने दी जान

ब्लेड से काट लिया गला, इलाज के दौरान मौत; पड़ोसी बोले-बच्चे की बहुत चाह थी

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। पनागर तहसील के शिवाजी वार्ड में मंगलवार देर रात 46 वर्षीय महिला पार्वती उर्फ प्रीति तिवारी ने ब्लेड से गला काटकर आत्महत्या कर ली। प्रीति अचानक छत पर गई और थोड़ी देर बाद उसकी चीख सुनाई दी। पति मंगल तिवारी दौड़कर छत पर पहुंचे तो देखा कि प्रीति के गले से खून निकल रहा है और वह तड़प रही है। स्थानीय लोगों की मदद से महिला को पनागर स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान बुधवार सुबह उसकी मौत हो गई। पनागर थाना प्रभारी विपिन ताम्रकार ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। प्रारंभिक जांच में महिला की मानसिक स्थिति ठीक न होना और संतान न होने की पीड़ा सामने आई है। घर से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है और पति से भी पूछताछ की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रीति और मंगल तिवारी की शादी को 20 साल से अधिक हो चुके थे, लेकिन दंपती को संतान नहीं थी। दंपती ने इलाज और धार्मिक उपायों का कराए, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली।

ओम होम हैल्थ केयर सर्विस
हमारे पास अशक्त बुजुर्ग मरीजों की देखभाल हेतु नर्स, वार्ड वॉय, आया बाई, फिजियोथैरेपी और दवाईयॉ घर पर उपलब्ध कराए जाते हैं।
प्रो. जितेन्द्र पटैल CERVIC - 24X7 Hourse
मो. 9340721556, 9753518166
पता-केनरा बैंक महाराष्ट्र हॉई स्कूल गोल बाजार जबलपुर (म.प्र.)

Manufacturer of t-shirts & lowers Mo. 9174614421, 9406763810
CHANDRAKALA TEXTILES
सभी प्रकार की टी-शर्ट ऑर्डर पर बनाई और प्रिंट की जाती हैं और स्पोर्ट्स सबलिमेसन जर्सी बनाई जाती हैं।
Address : shop no 151, jabalpur fashion design cluster market Lema garden Gohalpur jabalpur 482001

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मुकेश कुमार श्रीवास द्वारा माँ रेवा पब्लिकेशन एन्ड प्रिंटर्स लक्ष्मीपुर मुस्कान प्लाजा के पीछे विवेकानंद वार्ड एम आर 4 रोड़ जबलपुर म.प्र. 482001 से मुद्रित तथा लक्ष्मीपुर मुस्कान प्लाजा के पीछे एम आर 4 रोड 21 स्वामी विवेकानंद वार्ड जबलपुर म.प्र. 482001 से प्रकाशित । संपादकः अतुल कुमार बंदेवार RNI. Reg. No MPHIN39695 (समस्त विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र जबलपुर) Email:- revanchaljabalpur@gmail.com मोब. 7509202320, 9406771592

7 लाख का 72 किलो मादक पदार्थ गांजा कार सहित जप्त, दो आरोपियो को पुलिस ने किया गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ से मध्यप्रदेश में आ रहा था गांजा की खेप

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। जिले के थाना चचाई को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि छत्तीसगढ़ अनूपपुर तरफ से एक जाइलो सफेद रंग की महाराष्ट्र पासिंग कार में अवैध मादक पदार्थ गंजा परिवहन किया जा रहा है, सूचना मिलते ही दो अलग-अलग टीम अलग-अलग रास्तों पर तत्काल लगाकर छत्तीसगढ़ अनूपपुर तरफ से आने वाले वाहनों की निगरानी की गई, तभी अनूपपुर चचाई तरफ से एक सफेद रंग की जाइलो गाड़ी आते हुए दिखी, जिसे टॉर्च दिखाकर रोकने का प्रयास रेस्क्यू तिराहा अमलाई में किया गया जो रेस्क्यू तिराहा से मेंडियारास रोड होते हुए भागने लगी, जिसका पीछा कर रेड कार्यवाही कर विजय ग्राउंड के पास से पकड़ लिया गया, उक्त जाइलो कर क्रमांक टल्-05- अ- 0937 के चालक सीट पर एक व्यक्ति एवं उसी के पास वाली सीट पर एक महिला बैठी हुई मिली जिनका नाम पता पूछने पर चालक ने अपना नाम रिजवान खान पिता निजाम खान उम्र 32 साल निवासी नवी मुंबई तुरबा स्टेशन मस्जिद के पास थाना सानपाड़ा जिला थाना महाराष्ट्र एवं बगल में बैठी महिला ने अपना नाम शबाना अंजुम पति फारुक खान उम्र 35 साल निवासी मोमिनपुरा नासिर खान का मकान टीमकी पुलिस चौकी के पास थाना तहसील जिला नागपुर की होना बताई, उपरोक्त दोनों संदेहियों के निशानदेही पर साक्षी एवं स्टाफ के समक्ष जाइलो कार की तलाशी ली गई तो कार में पुरानी गाड़ी के पाट्र्स गाड़ी के पेट्रोल टंकी खुला हुआ, स्टेरिंग खुला हुआ, साइलेंसर एक बैटरी ,एक नग फैन, एक प्लास्टिक का बम्फर, रिपेयरिंग रोड गियर बॉक्स आदि कुल कीमत 1 लाख तथा सामान के नीचे 1 बैग में कपड़े तथा 6 अलग-अलग बैग/थैला में कुल 14 पैकेट अवैध मादक पदार्थ गांजा पाया गया, जिसका वजन करने पर कुल 71 किलो 820 ग्राम, कुल कीमत 7 लाख 18 हजार 200 रुपए एवं जाइलो कार क्रमांक टल्-05-अ-0937 कीमत 10 लाख रुपए , उपरोक्त समान ,गांजा, एवं वाहन की कुल कीमत 18 लाख 18 हजार 2 सौ रुपये मौके से संदेहियो से जप्त की गई , संदेहियों की तलाशी ली गई तो महिला शबाना अंजुम के पास रखा बैग में एक बड़ी बाजारू धारदार चाकू एवं एक छोटी चाकू कीमती 400 रुपए व नगद 1200 रूपए 5 नग एटीएम कार्ड ,आधार कार्ड , टच स्क्रीन मोबाइल आदि पाया गया, जिसे मौके से जप्त किया गया। उक्त आरोपियों का कृत्य अपराध धारा 8/20 बी एनडीपीएस एक्ट एवं 25 आर्म्स एक्ट के तहत दंडनीय पाए जाने से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर अभिरक्षा में लिया गया और दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना चचाई में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना की जा रही है एवं अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

जैतहरी में भी गांजा जप्त

जिले थाना जैतहरी को मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि कांजी हाउस के पास कुसुमहाई रोड के पास एक व्यक्ति सफेद रंग के झोला मे अवैध मादक पदार्थ गांजा बिक्री हेतु रखा है। सूचना प्राप्त होने पर थाना जैतहरी पुलिस द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुये रवाना होकर उक्त संदेही को घेरा बंदी कर पकडकर नाम पुछा गया जो अपना नाम ओमप्रकाश यादव पिता बेसाहन यादव उम्र 55 वर्ष निवासी ग्राम चांदपुर थाना जैतहरी जिला अनूपपुर का होना बताया, जिसके कब्जे से सफेद झोला मे रखे पोलीथीन के अंदर 377.54 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा किमती 1600 रू पाया गया जो उक्त आरोपी का कृत्य धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट का पाये जाने से अपराध धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट कायम कर विवेचना मे लिया गया है।

कर्मचारी की खुलेआम गुंडागर्दी, 11 लोगों के साथ मिलकर युवक से गाली देकर की मारपीट, क्षेत्र में दहशत

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। जिले के अमलाई में राज बुक स्टोर में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एसईसीएल कर्मचारी इंटक यूनियन के एक तथाकथित नेता ने करीब 11 लोगों के साथ मिलकर एक युवक पर सरेआम हमला बोल दिया जमकर मारपीट व गाली गलौच की। शिकायतकर्ता ओमप्रकाश पटेल के अनुसार, वह शाम करीब 6:30 बजे टाटा पंच ई-व्ही कार से किताब की दुकान पर कॉपी लेने गया था। इसी दौरान अमरजीत सिंह नामक व्यक्ति, जो खुद को एईसीएल का कर्मचारी और यूनियन नेता बताता है, ने मामूली बात पर पहले गाली-गलौज की और फिर साथियों के साथ मिलकर दुकान से घसीटकर बेरहमी से मारपीट शुरू कर दी।

गाड़ी बीच में क्यों खड़ी की है बे कहकर शुरू हुई बहस कुछ ही मिनटों में हिंसक हो गई। अमरजीत सिंह के साथ मौजूद कैलाश गौटिया, गोपाल सिंह, और अन्य अज्ञात लोगों ने ओमप्रकाश को घेर लिया और लात-घूंसों से मारना शुरू कर दिया। हमले के दौरान आरोपी चिल्लाते हुए माँ की गाली देते हुए बोले कि आज तुझे जान से खत्म कर देंगे।घटना में ओमप्रकाश के होंठ फट गए, खून बहने लगा और जब उसके दोस्त दीपक कुमार ने बचाने की कोशिश की तो उसे भी पेट में मारा गया। इस घटना ने एसईसीएल कर्मचारियों की भूमिका पर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या यूनियन का दबदबा अब खुलेआम गुंडागर्दी में बदलता जा रहा है, नियम कानून क्या इनकी जेब मे है।

थाना चचाई में शिकायत के बाद अपराध संख्या 0186/2025 धारा 296, 115(2), 351(3), 3(5) भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। इस मामले की जांच अधिकारी सहायक उपनिरीक्षक महिपाल प्रजापति कर रहे हैं। क्षेत्र में दहशत का माहौल है, लोगो ने पुलिस से त्वरित कार्रवाई की मांग की है। स्थानीय लोगों में गहरा रोष है और वे मांग कर रहे हैं कि इस तरह की गुंडागर्दी करने वाले तथाकथित नेताओं पर तत्काल गिरफ्तारी हो और एसईसीएल प्रबन्धन इस मामले में जबाब देकर ऐसे कर्मचारियों पर विभागीय कार्यवाही करे।

प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम का हुआ आयोजन, विद्यार्थियों व शिक्षकों को मिला मंच और सम्मान

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले शिक्षकों और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करने हेतु प्रेस्टीज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च (पीएमाइआर) भोपाल के द्वारा ह्लप्रतिभा सम्मानह्व कार्यक्रम का आयोजन अनूपपुर के होटल कान्हा इंटरनेशनल में किया गया। कार्यक्रम में प्रेस्टीज कॉलेज भोपाल से पधारे डॉ. दीपक अग्रवाल ने विद्यार्थियों को करियर संबंधी दिशा निर्देश देते हुए पद्मभूषण डॉ. नेमनाथ की प्रेरणादायक यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रेस्टीज ग्रुप के चेयरपर्सन डॉ. दविश जैन के शिक्षा और उद्योग जगत में 25 वर्षों से किए जा रहे योगदान की चर्चा करते हुए बताया कि उन्हें मध्यप्रदेश सरकार, भारत सरकार एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों द्वारा अनेक बार सम्मानित किया गया है। वे लगातार वैश्विक विश्वविद्यालयों के साथ साझेदारी कर विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के अवसर उपलब्ध कराने में सक्रिय हैं। इस अवसर पर मॉडल स्कूल जैतहरी,एक्सीलेंस स्कूल पुष्पराजगढ़, फुनगा, अमलाई सहित लगभग 15 विद्यालयों के 90 से अधिक मेधावी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। करियर काउंसलिंग, विषय चयन और उच्च शिक्षा के विकल्पों पर विशेषज्ञों ने उपयोगी जानकारी दी। संधान ट्रस्ट की ओर से आर्थिक रूप से कमजोर परंतु प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए फीस में रियायत की बात रखी गई, जिसे प्रेस्टीज प्रबंधन ने सकारात्मक रूप में स्वीकारा।कार्यक्रम में समाजसेवी डॉ. सुनील कुमार चौरसिया ने अपने अनुभव विद्यार्थियों से साझा करते हुए उन्हें आत्मनिर्भरता और नैतिक मूल्यों को जीवन में अपनाने का संदेश दिया। संकल्प विद्यालय एवं महाविद्यालय के डायरेक्टर डॉ. अंकित ने प्रेस्टीज इंस्टीट्यूट द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

कांग्रेस का अभियान सृजन, करेगा नए अध्यक्ष का चयन दावेदारों की लंबी फेहरिस्त, कौन बनेगा टिमटिमाते तारों के बीच चंद्रमा

सैकड़ों परिवारों का सहारा बने प्रदीप, जलाएंगे विजय का दीप

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। शहडोल जिला कांग्रेस कमेटी का अगला अध्यक्ष कौन होगा इस बात को लेकर कयासों का दौर जारी है। हालांकि दावेदारों की फेहरिस्त तो लंबी है, लेकिन दावेदारों में सबसे मजबूत और जिम्मेदारी से परिपूर्ण नाम की अगर चर्चा की जाए तो कोयला नगरी धनपुरी में सड़क के नाम पर बबार्दी की कगार पर खड़े कर दिए गए सैकड़ो परिवारों का मसीहा बनकर सामने आए वरिष्ठ अधिवक्ता प्रदीप सिंह का नाम पहले नंबर पर लिया जा सकता है, जिन्होंने पीड़ित परिवारों से कोई शुल्क या आर्थिक सहयोग लिए बिना ही स्वयं आगे बढ़कर कानूनी लड़ाई लड़ी और सैकड़ो मकान को टूटने से बचाने का विधि सम्मत प्रयास कर लोगों का अटूट स्नेह और विश्वास र्जित किया है। यूं तो जिले के हर नेता की अपनी खूबी और कमी है लेकिन फूल छाप कांग्रेसियों की भीड़ में प्रदीप सिंह एक निर्विवाद, जिम्मेदार और संगठन के प्रति समर्पित वह नाम है जिसके बारे में लोगों को उम्मीद है कि उन्हें ही कांग्रेस संगठन की जिम्मेदारी जिले में सौंपी जाएगी और यदि ऐसा हुआ तो वह जिले में कांग्रेस के

विजय का दीप अवश्य जलाएंगे। सृजन अभियान के तहत पर्यवेक्षकों का आगमन शहडोल जिले में भी हुआ और उन्होंने जिला कांग्रेस अध्यक्ष सहित अन्य महत्वपूर्ण पदों की जिम्मेदारी सौंपे जाने के संबंध में मैदानी स्तर पर कार्यकत्ताओं से राय शुमारी की। जल्द ही कांग्रेस के नए जिला अध्यक्ष के नाम पर मोहर लगेगी।

पर्यवेक्षकों का द्वितीय चरण का तीन दिवसीय दौरा भी संपन्न हो चुका है। कांग्रेस को मजबूत बनाने के लिए एआईसीसी से नियुक्त पर्यवेक्षक विवेक बंसल तीन दिवसीय दौरे पर शहडोल आ चुके हैं। जिले में कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने के लिए चुनाव के दौरान पार्टी के साथ गद्दारी करने वालों के ऊपर कार्यवाही करना भी अति आवश्यक है। पर्यवेक्षकों को यह जमीनी सवाल भी संगठन के वर्तमान जिला अध्यक्ष से पूछना चाहिए कि जब नगर पालिका धनपुरी के चुनाव के दौरान कांग्रेस पार्टी के पार्षद ज्यादा होने के बाद भी कैसे भारतीय जनता पार्टी का प्रत्याशी चुनाव जीत गया था। जिस समय नगर पालिका धनपुरी के अध्यक्ष पद का चुनाव हुआ था उस समय पूरे शहर में यह चर्चा खुलेआम होती थी कि कांग्रेस पार्टी के पार्षद बिक गए इसलिए कांग्रेस पार्टी का अध्यक्ष पद का उम्मीदवार शोभाराम पटेल चुनाव हार गया। चुनाव के बाद भी कांग्रेस पार्टी के पार्षद पार्टी को छोड़कर भाजपा में जाते रहे लेकिन उन्हें रोकने के लिए वर्तमान संगठन ने कुछ नहीं किया। संगठन को मजबूत करने के लिए पार्टी को ऐसे लोगों को चिन्हित करना होगा जो है तो कांग्रेस पार्टी में लेकिन उनका दिल भाजपा के लिए धड़कता है। वर्तमान समय में संगठन को मजबूत करने के लिए जो प्रयास चल रहे हैं उनमें जब तक संगठन से गद्दारी करने वालों से सवाल नहीं पूछे जाएंगे उन पर कार्यवाही नहीं होगी तब तक संगठन कैसे मजबूत होगा। नगर पालिका धनपुरी के चुनाव के दौरान कांग्रेस पार्टी के जीते हुए पार्षदों ने पार्टी की पीठ पर छूरा भोंका था वह छूरा आज भी गड़ा है। खुलेआम पार्टी से गद्दारी करने वालों को मालूम था कि पार्टी हमारा कुछ नहीं कर पाएगी इसलिए लाखों रुपया लेकर पार्टी के प्रत्याशी शोभाराम पटेल को चुनाव हरवा दिया गया जबकि नगर पालिका उपाध्यक्ष के चुनाव में कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी को भारी मतों से जीत हासिल हुई और भाजपा का उपाध्यक्ष पद का उम्मीदवार एक तरफा हार गया और पूरे संभाग में कांग्रेस पार्टी की किरकिरी करा दी गई।

तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार जीजा, साले को कुचला, दुर्घटना में दोनों की हुई मौत

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। जिले के जयसिंहनगर थाना क्षेत्र में बीती रात करीब 1 बजे हुए सड़क हादसे में जीजा और साले की मौत हो गई। किसी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसा भैंसहा तिराहे के पास हुआ। स्थानीय लोगों और राहगीरों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। पुलिस के अनुसार दोनों मृतक विजहा और सेमरा गांव के निवासी थे, वे किसी काम से विजहा से सेमरा जा रहे थे। इस दौरान भैंसहा तिराहे के पास उनकी बाइक को एक अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी, हादसे दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटनास्थल पर मौजूद एक स्थानीय व्यक्ति ने बताया कि दोनों शव सड़क पर पड़े थे

और पास में ही एक क्षतिग्रस्त बाइक भी पड़ी थी। जिन्हें देखकर तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना पर जयसिंहनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों की शिनाख्त कर परिजनों को सूचित किया। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। वहीं, पुलिस अज्ञात वाहन और उसके चालक की तलाश में जुटी हुई है। आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि वाहन की पहचान की जा सके। थाना प्रभारी अजय बैगा ने बताया कि, मामले में मर्ग कायम किया गया है। अज्ञात वाहन की तलाश के लिए पुलिस टीम रवाना कर दी गई है। जल्द ही वाहन और चालक का पता लगा लिया जाएगा।

भारत सरकार के संविधान हत्या दिवस मनाने के निर्णय पर रोक लगाने की मांग

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। भारत सरकार के गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव पार्थसारथी के हस्ताक्षर से 11 जुलाई 2024 को भारत का राजपत्र असाधारण में 25 जून 1975 को संविधान की हत्या होना बताकर प्रतिवर्ष 25 जून को संविधान हत्या दिवस मनाने की अधिसूचना प्रकाशित की गई। दूसरे दिन गृह मंत्री ने ट्वीट करके तथा प्रधानमंत्री ने रिट्वीट करके 25 जून को संविधान हत्या दिवस घोषित करने की जानकारी देशवासियों को दिया। उसके पश्चात गुरुदेव के नाम से प्रसिद्ध कांग्रेस समर्थित सम्यक अभियान के प्रमुख व सुप्रसिद्ध लेखक भास्कर राव रोकड़े ने दिल्ली, नागपुर,भोपाल,मुंबई, लखनऊ व जयपुर में पत्रकार वार्ता आयोजित कर भारत सरकार के निर्णय को देश में संवैधानिक संकट पैदा करने वाला नासमझी से भरा निर्णय निरूपित किया। श्री रोकड़े ने भारत सरकार के उक्त निर्णय के खिलाफ म.प्र.हाइकोर्ट में याचिका भी दायर की है तथा इंदिरा गांधी के कार्यों व विचारों को हर घर,हर द्वार तक पहुंचाने हेतु चार वर्षीय इंदिरा ज्योति अभियान भी शुरू किया है। उक्ताशय की जानकारी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर देते हुए सम्यक अभियान व इंदिरा ज्योति अभियान के अनूपपुर जिले के जिला समन्वयक सामाजिक कार्यकर्ता भूपेश भूषण शर्मा ने बताया कि श्री रोकड़े ने जुलाई 2024 में ही प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर आग्रह किया था कि 25 जून को "संविधान हत्या दिवस" घोषित कर उनसे बड़ी भूल हो गई है। शीघ्र भूल सुधार न करने से वैश्विक मंच पर भारत की छवि पर विपरीत असर पड़ सकता है। इसके अलावा श्री रोकड़े ने म.प्र.हाइकोर्ट में याचिका दायर कर भारत सरकार के संविधान हत्या दिवस मनाने के निर्णय पर रोक लगाने की मांग किया है।

उपसरपंच संघ के अध्यक्ष ने एसपी, कलेक्टर से की शिकायत

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। जिले के कोतमा थाना क्षेत्र में एक तरफ जहां लगातार आपराधिक घटनाएं बढ़ रही है, वहीं दूसरी ओर थाना प्रभारी पर सवाल भी उठने लगे हैं, एक जनप्रतिनिधि ने टीआई पर अभद्रता करने का आरोप लगाया है, जनप्रतिनिधि ने इसकी शिकायत एसपी से की है। दरअसल, उपसरपंच संघ कोतमा के अध्यक्ष रोहित जायसवाल एक ग्रामीण को लेकर शिकायत कराने कोतमा थाने गए थे. लेकिन रोहित जायसवाल का आरोप है कि कोतमा टीआई ने "फरियादी" और उनके साथ न केवल अभद्रता की, बल्कि गालीगलौज करते हुए झूठे केस में फंसने की धमकी भी दी, इसकी शिकायत रोहित जायसवाल ने अनूपपुर एसपी-कलेक्टर से लिखित शिकायत की है।

राजीव गांधी पंचायती राज संगठन प्रदेश अध्यक्षा का जिले में हुआ प्रथम आगमन

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के राजीव गांधी पंचायती राज संगठन की प्रदेश अध्यक्ष डॉ मोना कौरव द्वारा राजीव गांधी पंचायती राज संगठन को मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से लगातार मध्यप्रदेश में दौरा किया जा रहा है और संवाद कार्यक्रम के माध्यम से जिले में संगठन के पदाधिकारियों से संवाद कर दिशा निर्देश दिया जा रहा है। इसी क्रम में डॉ मोना कौरव का पूर्व में तय कार्यक्रम अनुसार अनूपपुर जिले में आगमन हुआ और अनूपपुर आगमन पर राजीव गांधी पंचायती राज संगठन की जिलाध्यक्ष संध्या वर्मा के नेतृत्व में स्वागत किया गया। डॉ मोना कौरव ने रात्रि विश्राम अनूपपुर में किया। तत्पश्चात जिला कांग्रेस कार्यालय अनूपपुर आयोजित संवाद कार्यक्रम में उपस्थित राजीव

गांधी पंचायती राज संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकताओं को संबोधित किया तथा संगठन को मजबूती प्रदान करने की दिशा में आवश्यक निर्देश दिए। संवाद कार्यक्रम में उपस्थित राजीव गांधी पंचायती राज संगठन की जिलाध्यक्ष संध्या वर्मा, जिला पंचायत अनूपपुर अध्यक्षा प्रीति रमेश सिंह, जैतहरी जनपद पंचायत अध्यक्ष राजीव सिंह, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष गुड्डू चौहान एवं जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय प्रभारी सचिव सत्येंद्र दुबे ने भी उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए अपने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का सफल संचालन युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष गुड्डू चौहान ने किया तथा आभार व्यक्त राजीव गांधी पंचायती राज संगठन की जिलाध्यक्ष संध्या वर्मा ने किया।

केन्द्रीय दल ने निरीक्षण मे देखी उपस्वास्थ्य केन्द्र परसवाड़ा की व्यवस्थाएं

दैनिक रेवांचल टाइम्स किरनापुर। कलेक्टर मृणाल मीना एवं अनुविभागीय अधिकारी कार्तिकेय जायसवाल के दिशा निर्देशन में विकासखण्ड किरनापुर अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिर उपस्वास्थ्य केंद्र परसवाड़ा का भारत सरकार के केन्द्रीय दल द्वारा नेशनल क्वॉलिटी एश्योरेंशन स्टेण्डर्ड (एन.क्यू.ए.एस.) निरीक्षण एवं सघन भ्रमण किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.परेश उपलप ने जानकारी दी कि केन्द्रीय दल में भारत सरकार के नेशनल असेसर डॉ स्वामी के. कपाड़िया, डॉ मेहदी हसन शामिल थे। संस्था में वर्तमान में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी डाली भूरे, एएनएम श्रीमती रितु गोयल, आशा कार्यकर्ता उषा बिसेन, हेमलता सोलंकी,भाविका नागदेवे, अंजुलता शिववंशी पदस्थ है। संस्था के अंतर्गत ग्राम परसवाड़ा, कटंगी, एवं कोसते का समावेश है। संस्था का राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार कराने में सीएमएचओ डॉ.परेश उपलप, डीपीएम विक्रम सिंह ठाकुर, प्रभारी सीपीएचसी सलाहकार राजाराम चक्रवर्ती, बीएमओ डॉ वर्ष चौबे, जिला क्वॉलिटी नोडल डॉ.पंकज महाजन के सहयोग आयुष्मान आरोग्य मंदिर परसवाड़ा के एनक्यूएएस की तैयारी हेतु मार्गदर्शन जिला क्वालिटी मेंटर विनोद कामडे, और सीएचओ मेंटर ज्योति रहांगडाले, श्रद्धा उके एवं डॉ गुरुकुमार बम्हुरे, शालिनी डोंगरे, अनिता दासरे, शशिकला सहारे, दुर्गेश्वरी, लुमेश्वरी, रानी डहाटे, गुंजिता गाते, संतोष सोनेकर बीसीएम, होमेन्द्र क्षीरसागर, नितिन मेढेकर डीईओ सभी का निरंतर सहयोग रहा।

सीएम हेल्पलाइन में अच्छा कार्य करने वाले जनजातीय कार्य विभाग के कर्मचारियों को कलेक्टर ने प्रदान किया प्रशस्ति पत्र

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। जनजातीय कार्य विभाग बालाघाट अंतर्गत विभाग की योजनाओं का क्रियान्वयन नियमानुसार समय पर कराये जाने के फलस्वरूप विभागीय योजनाओं की प्रगति उच्च स्तर की होना पायी गयी। इसके साथ ही सी.एम. हेल्पालाईन में दर्ज शिकायतों का निराकरण संतुष्टि पूर्वक होने से जिले की प्रदेश में चौथीं रैंकिंग होने पर कलेक्टर मृणाल मीणा ने जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारी व कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया।

कलेक्टर ने ली नगरीय निकायों के अधिकारियों की बैठक, नगरीय क्षेत्रों के विकास कार्यों की हुई समीक्षा

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीणा ने 25 जून को जिले के नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं उपयंत्रियों की बैठक लेकर नगरीय क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में डिप्टी कलेक्टर एवं जिला शहरी विकास अभिकरण के परियोजना अधिकारी राहुल नायक, नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में सर्वप्रथम वर्षा ऋतु के दौरान पौधारोपण कार्य की समीक्षा की गई। इस दौरान बताया गया कि नगरीय क्षेत्र बालाघाट में 03 हजार, मलाजखण्ड में 02 हजार, वारासिवनी में 1500, लांजी में 1100, कटंगी में 1200 एवं बैहर में 1200 पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। कलेक्टर मीणा ने नगरीय निकायों द्वारा पौधारोपण के लिये की गई तैयारियों की जानकारी ली और निर्देशित किया कि पौधारोपण के लिये गड्ढे तैयार करने का कार्य शीघ्र पूर्ण करें। पौधारोपण के लिये पौधो का इंतजाम करे और लगाये जाने वाले पौधों की सुरक्षा की भी व्यवस्था करें। लगाये गये पौधों की जानकारी फोटो सहित वायुदूत एप्प पर अपलोड भी करना है। कलेक्टर श्री मीणा ने सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये कि नगरीय क्षेत्रों में सड़कों पर घुमने वाले आवारा पशुओं के मालिकों पर बड़ा जुर्माना लगाये। एक बार जुर्माना लगाने के बाद भी पशु सड़क पर पाये जाए तो उन्हें पकड़कर गौशाला में छोड़ दिया जाए। बैठक में अमृत हरित महाअभियान के अंतर्गत पौधारोपण की भी समीक्षा की गई।

कलेक्टर श्री मीणा ने बैठक में निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाईन की शिकायतों का संतुष्टि के साथ त्वरित निराकरण कराए। 50 दिन एवं 100 दिनों से लंबित शिकायतों के निराकरण पर विशेष ध्यान दिया जाए। प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा के दौरान जिन निकायों द्वारा नये आवासों के लिये अब तक डीपीआर तैयार नहीं किये गए है उन्हें शीघ्र डीपीआर तैयार कर जमा करने के निर्देश दिये गए। नगरीय क्षेत्र वारासिवनी प्रधानमंत्री आवास के शत प्रतिशत आवास निर्माण पूर्ण होने पर प्रशंसा की गई और शेष निकायों को अपूर्ण आवास एक सप्ताह के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिये गए। जिन हितग्राहियों द्वारा आवास की किश्त मिलने के बाद भी आवास का कार्य नहीं किया जा रहा है उनके विरूद्ध कार्यवाही करने कहा गया। नगरीय क्षेत्रों में आवासहीन लोगों के सर्वे का कार्य शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिये गए। कलेक्टर श्री मीणा ने बैठक में निर्देशित किया कि वर्षा के दिनों में नगरीय क्षेत्रों में कहीं पर भी जल भराव की स्थिति निर्मित नहीं होना चाहिए। इसके लिये नालियों एवं नालों की सफाई का काम शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिये गए। नगरीय क्षेत्र बालाघाट में अम्बेडकर चौक और हनुमान चौक में प्राय~ जल भराव की स्थिति निर्मित होने पर कलेक्टर द्वारा नाराजगी व्यक्त की गई और मुख्य नगर पालिका अधिकारी को निर्देशित किया गया कि इस समस्या का शीघ्रता से समाधान निकाले। सभी नगरीय निकायों में समग्र ईकेवायसी का कार्य 30 जून तक हर हाल में पूर्ण करने के निर्देश दिये गए। कलेक्टर श्री मीणा ने बैठक में निर्देशित किया कि भवन निर्माण अनुज्ञा के प्रकरणों का 15 दिनों के भीतर अनिवार्य रूप से निराकरण किया जाए। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि भवन अनुज्ञा की फाईले लौटाना बंद करें और आवेदन निरस्त करना हो तो इसका कारण बताए। बिना किसी कारण के भवन अनुज्ञा की फाईल रोके जाने पर उपयंत्री एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी पर कार्यवाही की जाएगी। यदि किसी प्रकरण में भवन निर्माण की अनुज्ञा जारी करना संभव न हो तो उसे रिजेक्ट कर दिया जाए।

पाथरवाड़ा पंचायत सरपंच और सचिव पर भ्रष्टाचार का आरोप, सरपंच पति के हस्तक्षेप से नाराज पंचायत प्रतिनिधि

उपसरपंच ने कलेक्टर से की जांच की मांग

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। बालाघाट जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत पाथरवाड़ा के उपसरपंच कृष्ण कुमार बघेल सहित लगभग एक दर्जन पंचायत पंचो ने मंगलवार 24 जून को कलेक्ट्रेट जनसुनवाई में शिकायत करते हुए पाथरवाड़ा पंचायत सरपंच सतरूपा धामड़े और सचिव सुनील कुमार ब्रम्हें पर भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया है। उपसरपंच ने मामले में कलेक्टर से जांच कराए जाने की मांग की है।

उपसरपंच कृष्ण कुमार बघेले ने बताया कि पंचायत बैठक में जो प्रस्ताव पास किए जाते है, उस पर पंचायत सरपंच और सचिव कार्य नहीं करते है। पंचायत के अधिकांश निर्माण कार्यो में पति का हस्तक्षेप होता है, जिससे पंचायत जनप्रतिनिधि स्वयं को असहज और कमजोर महसुस कर रहे है। उन्होंने बताया कि पंचायत के वार्ड क्रमांक 14 में 15 वें वित्त योजना से सात माह पूर्व, 3 लाख 49 हजार, रूपए से सीसी रोड स्वीकृत है, जिसकी 94 हजार रूपए की राशि का आहरण कर लिया गया है लेकिन अब तक इस रोड में एक प्रतिशत तक काम नहीं किया गया है। पंचायत के ग्राम कोल्हवा में 15 वें वित्त से स्टेट लाईन निर्माण में ठेकेदार और दुकानदार से मिलीभगत कर भ्रष्टाचार किया गया है। जो वायर लगाए गए है जो 8 से 10 एमएम का है, जिसके कारण बारिश में हवा तूफान से कमजोर होने के कारण टूट सकता है, चूंकि उसी वायरिंग से फेस कनेक्शन है, जिससे कभी भी कोई दुर्घटना घटित हो सकती है। स्ट्रीट लाईट में भी लगाए गए बल्बो से भी पर्याप्त रोशनी नहीं मिल रही है। जो भी कार्य, बिना निविदा के कराया जा रहा है।

इसके अलावा पांचवे वित्त से तालाब पार पर मिनी गार्डन और पीपड़ पेड़ के पास चबूतरा निर्माण में, भारी भ्रष्टाचार कर नियमानुसार निर्माण प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। कलेक्ट्रेट जनसुनवाई में पंचायत सरपंच और सचिव की शिकायत करने के दौरान पंच सुरेन्द्र चौधरी, गुणवंती मेश्राम, रीतु गराड़े, राजू सहारे, किरण डहारे, राजेश लिल्हारे, शोभेलाल पटले, गुणवंती बनोटे, संतोष कावरे, रंजु अम्बिलकर, पदमा गायते, राजेन्द्र पिछोड़े, सुकदेवमुनी कुतराहे और दिगंबर शिवहरे मौजूद थे।

इस मामले में सचिव सुनील कुमार ब्रम्हे ने बताया कि यह सही है कि वार्ड क्रमांक 14 में सीसी सड़क का काम राशि निकालने के बाद प्रारंभ नहीं हो सका है लेकिन, इस मामले में पंच और सरपंच के बीच सड़क बनाने को लेकर विवाद है। राशि निकालने के प्रस्ताव में सभी पंचो के हस्ताक्षर है, लेकिन जिन कार्यो में निविदा का आरोप है वह सही नहीं है, पंचायत में होने वाले सभी निर्माण कार्यो की एक बार निविदा बुलाई जाती है, जो हमने पेपर में भी छपवाई है।

पांच महिनों से पेसा मोबाईलजरो को नहीं मिला मानदेय भारतीय मजदूर संघ के साथ मोबाईलजरों ने सौंपा ज्ञापन

कहा घोषणा के बाद भी सरकार बड़ाकर नहीं दे रही मानदेय

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। जिले के पेसा एक्ट क्षेत्र में काम कर रहे लगभग 173 पेसा मोबिलाईजरो को विगत 5 माह से मानदेय नहीं मिला है। जिससे परेशान मोबाईलजरों ने मंगलवार को रैली निकालकर, प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। मोबिलाईजर संघ अध्यक्ष विनोद सिंह दीक्षित ने बताया कि पेसा एक्ट क्षेत्र में वह काम कर रहे है, जिसके तहत पेसा कानून से संबंधित लोगों को जानकारी देने के साथ ही गठित समिति और ग्रामीणों के

बीच सामंजस्य बनाने और विवादों के निपटान में, वह कार्य करते है, यही नहीं बल्कि शासन के अन्य योजनाओं को भी पेसा कानून क्षेत्र में पहुंचाने में वह अपनी भूमिका निभा रहे है, लेकिन कार्य के बावजूद उन्हें मानदेय नहीं दिया जा रहा है। विगत 5 माह से उन्हें मानदेय नहीं मिला है। जिससे वह आर्थिक रूप से परेशान है। भारतीय मजदूर संघ अध्यक्ष राजकुमार मोहारे ने बताया कि 24 अक्टूबर 2024 को पेसा मोबिलाईजरों का मानदेय 4 हजार से 8 हजार किए जाने की घोषणा, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने की थी लेकिन अब तक इसका आदेश जारी न हीं किया गया है। जिसको लेकर कई बार संगठन के बाद से स्मरण कराया गया किन्तु पेसा मोबिलाईजरों के हित में कोई प्रभावी कदम नहीं उठाए जाने से अल्प मानदेय भी समय पर नहीं मिलने के कारण मोबिलाईज, आर्थिक स्थिति खराब होती जा रही है और वह परेशान तथा आक्रोशित है। भारतीय मजदूर संघ अध्यक्ष राजकुमार मोहारे ने बताया कि यदि सात दिनों के भीतर मोबिलाईजरों के मानदेय नहीं दिया जाता है तो 7 दिनों का प्रदेश व्यापी सामूहिक अवकाश और उसके बाद अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की जाएगी। उन्होंने मांग की कि मोबिलाईजरों का अविलंब, मानदेय, घोषणानुरूप किया जाए।

कमिश्नर धनंजय सिंह ने वीडियों कान्फ्रेस के माध्यम से की योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा

समग्र ईकेवायसी एवं जल गंगा संवर्धन अभियान में बालाघाट जिला प्रदेश में तृतीय स्थान पर

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। जबलपुर संभाग के कमिश्नर धनंजय सिंह ने 25 जून को वीडियों कान्फ्रेस के माध्यम से संभाग के सभी जिले के अधिकारियों की बैठक लेकर शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की। इसमें बालाघाट एनआईसी वीडियो कान्फ्रेंस रूम से कलेक्टर मृणाल मीणा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर जीएस धुर्वे एवं अन्य अधिकारी जुड़े थे।

समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री मीणा ने बताया कि आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों के निराकरण में बालाघाट जिला प्रदेश में चौथे स्थान पर है। जिले में तीन माह से अधिक के कोई भी प्रकरण लंबित नहीं है। जिले में मानसून एवं बाढ़ की स्थिति में बचाव एवं राहत के लिये सभी तैयारियॉ कर ली गई है। सीएम हेल्पलाईन प्रकरणों के निराकरण में बालाघाट जिला प्रदेश में 10वें स्थान पर है। आगामी दिनों में आने वाले त्यौहारों को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों का पुलिस के साथ अच्छा समन्वय है। ई-ऑफिस में बालाघाट जिले में अच्छा काम चल रहा है और 2890 फाईले ई-ऑफिस के द्वारा निराकृत की गई है। जिले में अनुकम्पा नियुक्ति के 08 प्रकरण लंबित है जो पद नहीं होने के कारण लंबित है। सेवानिवृत्त कर्मचारियों के 64 प्रकरण निराकरण के लिये लंबित है इनमें से 27 प्रकरण निराकरण की स्थिति में है।

कलेक्टर श्री मीणा ने बताया कि जिले में खाद, बीज एवं किटनाशक के नमूने जॉच के लिये दिये जा रहे है। बीज के मिस ब्रांडिंग के एक प्रकरण में एफआईआर दर्ज की गई है। एपीसी की बैठक के लिये सभी तैयारी कर ली गई है। जिले में टीएचआर का वितरण सही चल रहा है। पोषण पुनर्वास केंद्रो की स्थिति भी ठीक है। अनुसूचित जाति जनजाति के छात्र छात्राओं की छात्रवृत्ति स्वीकृत की जा चुकी है। अत्याचार निवारण अधिनियम के सभी प्रकरणों में सहायता राशि स्वीकृत की गई है। समग्र ईकेवायसी में बालाघाट जिला प्रदेश में तृतीय स्थान पर है और 83 प्रतिशत ईकेवायसी की जा चूकी है। जल गंगा संर्वधन अभियान में जिला प्रदेश में तृतीय स्थान पर है और मनरेगा में 60 प्रतिशत लेबर बजट व्यय किया जा चुका है।

रोटरी क्लब ऑफ वैनगंगा ने भेंट की दो डायलिसिस मशीनें

सिविल अस्पताल लांजी एवं बैहर को दी जाएगी एक-एक मशीन

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट।

रोटरी क्लब ऑफ वैनगंगा, जो पिछले 21 वर्षो से मानव सेवा के क्षेत्र में अग्रणी रहा है, ने बालाघाट जिले को एक और महत्वपूर्ण सौगात दी है। 25 जून को जिला चिकित्सालय बालाघाट के शीघ्र हस्तक्षेप केन्द्र में आयोजित एक समारोह में क्लब ने दो अत्याधुनिक डायलिसिस मशीनें दान कीं। इस अवसर पर कलेक्टर मृणाल मीणा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में रोटरी क्लब ऑफ वैनगंगा के अध्यक्ष अखिल वैद्य, क्लब के अन्य पदाधिकारी, डॉ. आशुतोष बांगरे, राजाराम चक्रवर्ती, डीपीएम विक्रम सिंह ठाकुर एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

कलेक्टर मीणा ने रोटरी क्लब के इस प्रयास की सराहना की और कहा कि यह पहल न केवल स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाएगी, बल्कि कई परिवारों के लिए जीवन रक्षक साबित होगी। इन मशीनों के दान से किडनी रोगियों को सस्ती और सुलभ डायलिसिस सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मरीजों को लाभ मिलेगा। कलेक्टर श्री मीणा ने कहा कि इनमें से एक मशीन सिविल अस्पताल लांजी और एक मशीन सिविल अस्पताल बैहर को प्रदान की जायेगी। लांजी एवं बैहर में इन मशीनों को संचालित करने के लिये चिकित्सक की व्यवस्था करने के साथ ही स्टॉफ को प्रशिक्षित किया जायेगा। इस अवसर पर कलेक्टर श्री मीणा एवं रोटरी क्लब के पदाधिकारियों ने एक पेड़ मॉ के नाम कार्यक्रम के तहत अस्पताल परिसर में पौधारोपण भी किया।

रोटरी क्लब के अध्यक्ष अखिल वैद्य ने बताया कि यह पहल समाज के जरूरतमंद लोगों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक कदम है। कार्यक्रम में रोटरी क्लब के सदस्यों, अस्पताल कर्मचारियों और स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। यह दान जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

इस अवसर पर रोटरी क्लब के नितिन चोपड़ा, रविंद्र वैद्य, सुनील चौरसियॉ, विकल्प जैन, अमित रंगलानी, अनुप बेगड़, डॉ. विकास बिसेन, गौरव माहेश्वरी, जतिन अग्रवाल, नीरज सचदेवा, श्रेयांश वैद्य, सौरभ माहेश्वरी, सुकुमार जैन, सुरेंद्र ठाकरे, सुमित बागरेचा, दिलीप कारडा, भुपेंद्र सिंह डडियाल, निलेश पटेल, अतित वैद्य, विक्रम त्रिवेदी, अकेत माहेश्वरी, अर्चित नेमा, अक्षय काकरियॉ, डॉ. बालक गौतम, अमन भल्ला, नवीन बख्शी, मनोज लिल्हारे उपस्थित थे।

शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा में संविधान हत्या दिवस पर कार्यक्रम का हुआ आयोजन

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा में 25 जून 2025 को संविधान हत्या दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मॉ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्र कुमार खण्डायत द्वारा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए 25 जून 1975 को राष्ट्र में आपातकाल लागू होने की घटनाओं पर प्रकाश डाला गया। साथ ही उन्होंने लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक नैतिकता के प्रति विद्यार्थियों को प्रेरक उद्बोधन दिया। डॉ. संगीता मेश्राम सहायक प्राध्यापक ने अपने उद्बोधन में संविधान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए संविधान के प्रति प्रतिबद्ध रहने की बात कहीं। वहीं डॉ. क्रांति जैन ने आपातकाल की स्थितियों को समझाया। कार्यक्रम का मंच संचालन संयोजक डॉ. प्रदीप कुमार भिमटे द्वारा किया गया एवं आभार प्रदर्शन डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सहायक प्राध्यापक सुमन बरवा, डॉ. देवराज चैरे, संध्या परते, निशांत तलवरे, इकबाल खान एवं महाविद्यालय परिवार एवं छात्र-छात्राओं का योगदान रहा।